ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-337

ग्रेटर हैदराबाद

ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कार्पोरेशन (जीएचएमसी) ने मंगलवार, 9 दिसंबर को एक अधिसूचना जारी कर मौजूदा 150 वार्डों की संख्या को बढ़ाकर 300 करने का प्रस्ताव रखा है और आमजनता से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियाँ/सुझाव

150 थे अब 300 वार्ड

लिखित में देने को कहा गया है। इस अधिसूचना (राजपत्र) में नये प्रस्तावित वार्डों के परिसीमन/सीमांकन का मकान नंबरों के साथ सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है। नई सीमाओं (परिसीमन) कसटीक क्षेत्रीय सीमाएँ सुनिश्चित करने के लिए जीआईएस मैपिंग का उपयोग किया गया हैं। राजपत्र में सभी 300 वार्डों की पूरी सूची और उनकी संशोधित सीमाएँ शामिल हैं।

अधिकारियों ने निवासियों को सलाह दी है कि वे दस्तावेज़ों की समीक्षा करें, अपनी स्थानीय सीमाओं को सत्यापित करें और यदि आवश्यक हो तो लिखित प्रतिक्रिया प्रदान करें। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सार्वजनिक भागीदारी ही पारदर्शी नागरिक प्रशासन निश्चित करेगी। गौरतलब है कि इससे पूर्व हुए संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन में हैदराबाद में कुछ ऐसे क्षेत्रों को शामिल किया गया था, जो मुस्लिम बहुल थे। ऐसे आरोप लगे थे कि आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के इशारे पर तत्कालीन सरकार ने हैदराबाद संसदीय क्षेत्र को इस तरह तैयार किया कि भविष्य में कभी भी मजलिस को यहाँ से कोई चुनावी शिकस्त नहीं दे पाएगा। इस बार भी कांग्रेस सरकार ने भले ही जीएचएमसी के वार्डों की संख्या दुगनी करने का प्रस्ताव पारदर्शी/सुलभ शासन के नेक इरादे से लाया हो, लेकिन पूर्व के अनुभवों को देखते हुए मजलिस की दखलअंदाजी से कतई इनकार नहीं किया जा सकता।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में मौजूदा 6 वार्डों- बेगमबाजार, गोशामहल, मंगलहाट, गनफाउड्री, दत्तात्रेय नगर व जामबाग शामिल हैं। अब इसमें एक्जीबिशन ग्राउंड नामक नये वार्ड को शामिल करने का प्रस्ताव है। पिछले जीएचएमसी चुनाव में छह में से 5 में भाजपा जीती थी। संभव है कि जामबाग डिवीज़न का काफी हिस्सा अन्य क्षेत्र में मिलाने के पीछे कोई तो साजिश होगी। जीएचएमसी की टीमें वार्ड सीमाओं को अंतिम रूप देने से पहले प्राप्त प्रतिक्रिया का विश्लेषण करेंगी। जीएचएमसी द्वारा अधिसूचित आधिकारिक सूची में कीसरा से थुमकंटा तक 300 वार्ड शामिल हैं।

प्रस्तावित 300 वार्डों की आधिकारिक सूची इस प्रकार है:

गोशामहल में भी छेड़छाड़

(1) कीसारा, (2) चांदपुरी कॉलोनी, (3) जवाहर नगर, (4) दम्माईगुडा, (5) नागाराम, (6) घटकेसर, (7) इडुलाबाद, (8) पोचाराम, (9) मेडीपल्ली, (10) पीरजादी गुडा, (11) बोडुप्पल, (12) चांगी चेर्ला, (13) कापरा, (14) वामपुगुडा, (15) डॉ. ए.एस. राव नगर, (16) चक्रीपुरम, (17) चेर्लापल्ली, (18) शक्ति साई नगर, (19) मीरपेट एचबी कॉलोनी, (20) मल्लापुर, (21) नाचाराम, (22) एचएमटी नगर, (23) चिलकानगर, (24) बीराप्पागड्डा, (25) हब्शी गुडा, (26) रामांतपुर, (27) वेंकट रेड्डी नगर, (28) उप्पल, (29) नागोल, (30) कोत्तापेट, (31) चैतन्य पुरी,(32) गड्डीअन्नारम, (33) सरूरनगर, (34) डॉक्टर्स कॉलोनी, (35) आर.के. पुरम, (36) एनटीआर नगर, (37) लिंगोजी गुडा, (38) चम्पापेट, (39) करमनघाट, (40) बिरमल गुडा, (41) हस्तिनापुरम, (42) बी.एन. रेड्डी नगर, (43) वनस्थलीपुरम, (44) चित्तलकुंटा, (45) मंसूरबाद, (46) साई नगर, (47) लेक्चरर्स कॉलोनी, (48) हाईकोर्ट कॉलोनी, (49) साहिब नगर, (50) हयातनगर, (51) पेद्दाअंबरपेट, (52) तुरुर, ▶10पर

मजलिस के इशारे पर

एन. रामचंदर राव

तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कांग्रेस सरकार के उस प्रस्ताव की कड़ी आलोचना की है, जिसके तहत हैदराबाद के बाहरी इलाके की 20 नगर पालिकाओं, सात निगमों और कई ग्राम पंचायतों को जोड़कर जीएचएमसी की सीमाओं का विस्तार किया जाना है। बुधवार को राज्य पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम से जीएचएमसी का क्षेत्राधिकार लगभग 2,000 वर्ग किमी तक बढ़ जाएगा और वार्डों की संख्या 300 हो जाएगी, लेकिन इससे उन मूलभूत नागरिक समस्याओं का समाधान नहीं होगा जिनका सामना मौजूदा वार्डों को आज भी करना पड़ रहा है। श्री राव ने आरोप लगाया कि यह विस्तार सार्वजनिक हित में नहीं है, बल्कि एआईएमआईएम को राजनीतिक लाभ पहुँचाने के इरादे से किया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अपर्याप्त बुनियादी ढाँचे, जिसमें खराब सड़कें, जल निकासी और पानी की आपूर्ति शामिल है, के बावजूद नए जोड़े गए क्षेत्रों के निवासियों को भारी कर वृद्धि का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया, यह मजलिस को फायदा पहुँचाने की राजनीतिक साज़िश है।

चुनाव आयोग पर आरोप लगाकर लोकतंत्र को धूमिल कर रहा विपक्ष : अमित शाह

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष के आरोपों को बेबुनियाद करार देते हुए कहा है कि जनता को गुमराह करने की उनकी रणनीति के कारण भारतीय लोकतंत्र की छवि प्रभावित हो रही है।

श्री शाह ने बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर दो दिनों तक हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार को भी कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है और कहा है कि उसके इशारे पर चुनाव आयोग काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि आयोग अपना काम अपने हिसाब से करता है और उसे कोई रोक भी नहीं सकता है क्योंकि संविधान ने उसे देश में अपने हिसाब से निष्पक्ष चुनाव कराने का अधिकार दिया है। आयोग की लोकसभा, राज्य सभा, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, विधानसभाओं के चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। आयोग कब और कैसे चुनाव कराता है इससे सरकार का कोई मतलब नहीं होता है और एसआईआर का काम भी आयोग ने ही शुरु किया है। इस पर विपक्ष का सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप निर-ाधार है। उनका कहना था कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उस पर सरकार का दखल नहीं चलता है।

विपक्ष ने चुनाव सुधारों को लेकर श्री शाह की बातों पर असहमति जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।

गृहमंत्री ने कहा कि एसआईआर चुनाव आयोग का फैसला है और उन्हें लगता है कि देश में निष्पक्ष और स्वच्छ चुनाव के लिए यह फैसला उचित है। उन्होंने एसआईआर को मतदाता सूची शुद्धि की प्रक्रिया बताया और कहा कि एक साफ सुथरी मतदाता सूची के तहत लोगों से मतदान कराना चुनाव आयोग का दायित्व है और एसआईआर की उसकी प्रक्रिया इसी दायित्व के निर्वहन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची तैयार करना और उसमें नाम जोड़ने तथा हटाने की प्रक्रिया चलाने का अधिकार संविधान ने उसे दिया है और 1995 में हुए उच्चतम न्यायालय ने भी कहा है कि नाम जोड़ने और हटाने का अधिकार सिर्फ रिटर्निंग आफिसर को है। मतदाता सूची में शामिल होने के लिए पहली शर्त आयोग की यही है कि जिसका नाम मतदाता सूची में रखा जा रहा है ▶10पर

दीपावली, यूनेस्को की विरासत की सूची में शामिल

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के प्रमुख पर्व दीपावली को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है। दीपावली महापर्व के शिलालेख को संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, मंत्रालय में सचिव विवेक अग्रवाल, वरिष्ठ अधिकारियों और 194 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और यूनेस्को के वैश्विक नेटवर्क के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बुधवार को यहां लाल किला में आयोजित यूनेस्को अंतर-सरकारी समिति के 20वें सत्र के दौरान मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में अंकित किया गया।

श्री शेखावत ने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा कि यह शिलालेख भारत और विश्वभर के उन समुदायों के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है जो दीपावली की शाश्वत भावना को जीवित रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार मतमसो मा ज्योतिर्गमयफ के सार्वभौमिक संदेश का प्रतीक है, जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने की भावना को दर्शाता है और आशा, नवजीवन तथा सद्भाव का प्रतिनिधित्व करता है। इस महापर्व की जीवंतता और जन-केंद्रित प्रकृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दीपावली उत्सव के पीछे लाखों लोगों का योगदान होता है, जिनमें दीये बनाने वाले कुम्हार, उत्सव की सजावट करने वाले कारीगर, किसान, मिठाई बनाने वाले, पुजारी और सदियों पुरानी परंपराओं को निभाने ▶10पर

तिरुपति मंदिर में नकली घी के बाद एक और घोटाला?

तिरुपति, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भ्रष्टाचार का एक और मामला सामने आया है। यह मामला मंदिर में आए मेहमानों को भेंट किए गए रेशमी शॉल के मामले का है। तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के द्वारा कराई गई जांच में पता चला है कि ये रेशमी शॉल पॉलिएस्टर से बने थे ना कि शुद्ध रेशम से। इससे पहले प्रसाद के लिए बनाए गए लड्डुओं में नकली घी का इस्तेमाल होने का मामला काफी चर्चा में रहा था। टीटीडी बोर्ड के अध्यक्ष बीआर नायडू ने बताया कि सतर्कता विभाग की जांच में चित्तूर जिले के नागरी स्थित मेसर्स वीआरएस एक्सपोर्ट के शामिल होने का संकेत मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, बोर्ड ने 2015 से अब तक लगभग 55 करोड़ रुपये की 21,600 रेशमी शॉल का आर्डर दिया है। शॉल की क्वालिटी पर संदेह हुआ और इसके बाद विजिलेंस की टीम ने कार्रवाई करते हुए इन शॉल को सेंट्रल सिल्क बोर्ड की प्रयोगशाला में भेज दिया। ▶10पर

चुनाव आयोग का सभी राज्यों को निर्देश

अनुपस्थित और मृत मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों को सौंपी जाएगी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बुधवार को सभी 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत एक अहम निर्देश जारी किया। आयोग ने संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे बूथ स्तर पर तैयार होने वाली अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराए गए मतदाताओं (एएसडी) की सूची राजनीतिक दलों के बूथ स्तर एजेंटों के साथ साझा करें। यह वही प्रक्रिया है, जिसे बिहार में विशेष सुधार अभियान के दौरान सफलतापूर्वक अपनाया गया था। आयोग ने कहा कि बूथ स्तरीय अधिकारियों द्वारा तीन या उससे अधिक बार घर जाकर संपर्क करने के बाद भी जिन मतदाताओं से संपर्क नहीं हो पाया, उन्हें एएसडी श्रेणी में रखा गया है। ▶10पर

इंडिगो के चेयरमैन ने मांगी माफी, कहा

जानबूझकर संकट खड़ा नहीं किया दिक्कत की जड़ तक जाएंगे

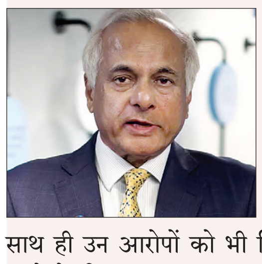

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में जारी इंडिगो संकट के बीच चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने फ्लाइट कैंसिलेशन को लेकर माफी मांगी है. इससे पहले इंडिगो के सीईओ ने भी इस संकट को लेकर माफी मांगी थी। इंडिगो के चेयरमैन विक्रम सिंह मेहता ने बुधवार को सार्वजनिक माफी मांगी. उनकी यह माफी पिछले एक हफ्ते से जारी इंडिगो संकट से फैली अस्थिरता के बीच आई है. उन्होंने माफीनामे के साथ ही उन आरोपों को भी सिरे से खारिज किया कि एयरलाइन ने नए नियमों को दरकिनार करने के लिए जानबूझकर यह संकट पैदा किया। उन्होंने आठ मिनट के वीडियो संदेश में कहा कि तीन दिसंबर से बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द होने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि कंपनी ने अपने ग्राहकों को निराश किया है। साथ ही उन्होंने भरोसा दिलाया कि ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मोहन भागवत से जब पूछा गया- मोदी का उत्तराधिकारी कौन होगा?

संघ प्रमुख ने हाथ के हाथ दे दिया जवाब

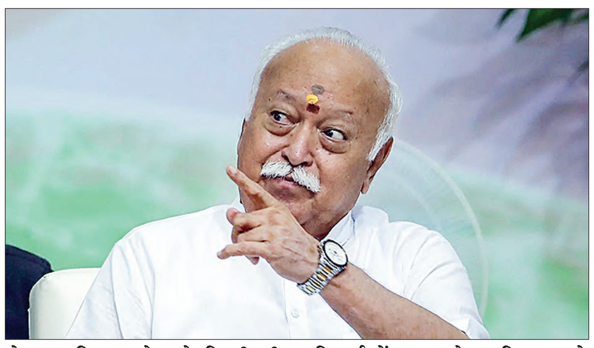

चेन्नई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चेन्नई में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक ऐसा बयान दिया, जिसे भारतीय राजनीति विशेषकर भाजपा के भीतर चल रही संभावित उत्तराधिकार चर्चा के संदर्भ में बेहद अहम माना जा रहा है। हम आपको बता दें कि जब मोहन भागवत से पूछा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद देश की बागडोर किसके हाथों में जाएगी, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस विषय पर निर्णय पूरी तरह से भारतीय जनता पार्टी और मोदी लेंगे।

भागवत का यह संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण जवाब इस दिशा में एक संकेत माना जा रहा है कि संघ, कम से कम सार्वजनिक रूप से उत्तराधिकार से जुड़े किसी भी विमर्श में खुद को शामिल करने के मूड में नहीं है। हम आपको बता दें कि पिछले कुछ समय से राजनीतिक गलियारों में मोदी के बाद संभावित नेतृत्व को लेकर अनेक अटकलें थीं, लेकिन भागवत के इस बयान ने यह संदेश देने की कोशिश की है कि इस विषय पर आरएसएस की कोई भूमिका या दबाव नहीं होगा। हम आपको यह भी बता दें कि मोहन भागवत ने अपने संबोधन में सामाजिक एकता और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए जाति और भाषा पर आधारित विभाजनों को खत्म करना अनिवार्य है। मोहन भागवत ने कहा, हमें आरएसएस को 1,00,000 से अधिक स्थानों तक ले जाना है। हमें जाति और भाषाई विभाजन हटाकर एकता पर आधारित समाज बनाना होगा। उल्लेखनीय है कि आरए-सएस प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है जब देशभर में संघ की गतिविधियों का विस्तार और उसकी विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लक्ष्य को लेकर संगठन खासा सक्रिय है। शताब्दी वर्ष समारोह भी इसी व्यापक अभियान का हिस्सा हैं। ▶10पर

बड़े ही उत्साह से श्री राणी सती दादी वार्षिकोत्सव मनाया

भजनों पर झूमे श्रद्धालु भक्तगण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजराजेश्वरी नगर स्थित तेरापंथ जैन भवन में रविवार को स्थानीय श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में वार्षिकोत्सव का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। पिछले कई महीनों की मेहनत और लगन का नजारा कार्यक्रम में देखने को मिला। इस अवसर पर रानीगंज के किशन बगड़िया ने अपने साथी कारीगरों की टीम के साथ राणी सती दादी का फुलों से भव्य दरबार सजाया। जिसमें राणी सती दादी को ऊंचे आसन पर बैठाया गया। दोपहर 2 बजे से विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ समिति सदस्यों ने विधिवत पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित किया। इस अवसर पर पूरा परिसर जय दादी के जयकारों से गुंजायमान हो गया। भक्तों ने कतारबद्ध होकर बड़ी संख्या में भव्य दरबार में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रमन जैन के बच्चों ने गणेश वंदना की प्रस्तुति से सभी को भावविभोर कर दिया।

रामसुंदर बगड़िया, हरिकिशन सराड़ा, किशन बगड़िया, अनूप अग्रवाल ने भी मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। सायं 6 बजे से हैदराबाद की गायिका प्रियंका गुप्ता के सभागार में पहुंचते ही भक्तों ने तालियों की गड़गड़ाहट से अभिवादन किया। गायिका प्रियंका गुप्ता ने मधुर भजनों की प्रस्तुति से समा बांधते हुए भक्तों को नाचने झूमने पर मजबूर कर दिया। समिति द्वारा गायक कलाकार का सम्मान किया गया। जनवरी में झुंझुनूं धाम में आयोजित वसन्तोत्सव में जाने वाले भक्तों के लिए हवाई जहाज के टिकट के लिए लक्की ड्रा द्वारा कूपन निकाला गया। समिति ने आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले भक्तों का आभार प्रकट किया । इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों सहित दादी परिवार, जीण माता सेवा समिति, मारवाड़ी सम्मेलन कर्नाटक, दादी धाम युवा समिति के सदस्यों ने व्यवस्था में सुन्दर सहयोग किया। इस मौके पर मारवाड़ी तउवा मंच, स्वातिक सेवा संघ, श्री सालासर बालाजी सेवा समिति, श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट, श्याम दीवाने, श्री श्याम सखा परिवार, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, गौड़ ब्राह्मण समाज सहित अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों ने भी उपस्थित होकर हाजरी लगाई। जिसमें गोड़ ब्रह्मण समाज, मारवाड़ी युवा मंच, श्याम मंदिर, राणी सती दादी मंदिर के सदस्य प्रमुख थे। मेहदी उत्सव, चुनड़ी उत्सव, गजरा उत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। दादीजी को छप्पन भोग का भोग अर्पण किया गया। देर रात तक चले भक्तिमय कार्यक्रम में भक्तगण भक्ति का आनन्द लेते रहे। आरती व महाप्रसाद के साथ वार्षिकोत्सव का समापन हुआ।

बम विस्फोट विषय पर एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन

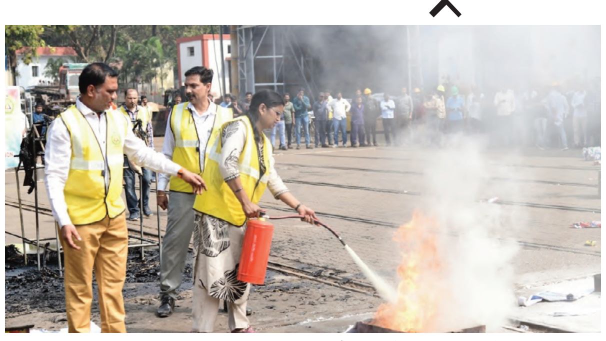

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली रेलवे वर्कशॉप की नागरिक सुरक्षा टीम ने 63वें नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए आपदा प्रबंधन में सुनहरे घंटे की अवधारणा - परिदृश्य, तोड़फोड़ (बम विस्फोट) विषय पर एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। अभ्यास का आयोजन शनिवार को कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, हुब्बल्ली में रंजन कुमार साहू, सीनियर सेक्शन इंजीनियर और मुख्य रक्षा निरीक्षक यूबीएलएस के नेतृत्व और सुरक्षा सेल हुब्बल्ली वर्कशॉप के समन्वय से किया गया था। मॉक ड्रिल में अग्निशमन तकनीकों, प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रियाओं और बचाव कार्यों सहित आवश्यक जीवन-रक्षक प्रथाओं का प्रदर्शन किया गया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक प्रतिभागी ऐसा कर सके, ये सत्र सरल और व्यावहारिक तरीके से आयोजित किए गए, ताकि वास्तविक जीवन की आपात स्थितियों के दौरान तकनीकों को आसानी से समझें और लागू करें। कार्यशाला के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से अभ्यास का अवलोकन किया और प्रदर्शनों से मूल्यवान जागरूकता और प्रशिक्षण प्राप्त किया। विजय सिंह यादव, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक यूबीएलएस, मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए, जबकि कुलदीप, डीजीएम (जी) एवं नागरिक सुरक्षा एसडब्ल्यूआर के नियंत्रक ने हुब्बल्ली कार्यशाला के अधिकारियों के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने ड्रिल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान किए और अपने संबोधन में नागरिक सुरक्षा तत्परता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी उपस्थित अधिकारियों ने एक सुनियोजित और प्रभावी आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल को अंजाम देने के लिए कैरिज रिपेयर वर्कशॉप की नागरिक सुरक्षा टीम की सराहना की।

श्रेयांस पारणा समिति में तपस्वियों का पारणा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रमणी सेंटर में आयोजित श्रेयांस पारणा समिति के अंतर्गत श्री त्रिशला महिला मंडल, राज-राजीनगर ने वर्षीतप करने वाले सभी तपस्वियों का पारणा कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। मंडल की बहनों ने अत्यंत भाव-विभोर होकर तपस्वियों के तप की अनुमोदना की और भक्तिभाव से पारणा करवाया।

कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा, उपाध्यक्ष अमृता बाई भलगट , मंत्री रेखा पोखरना, सह मंत्री नीतू सुराणा, कोषाध्यक्ष बबीता कुंकुलोल की उपस्थिति रही। विशेष उपस्थिति में पानी बाई, चमेलीबाई निर्मला रातड़िया, सौरभ बाई, सुशीला बाई, पुष्पा बाई गन्ना, सुनीता चोरडीया, सुशीला गुगलीया आदि सदस्याएं सम्मिलित रहीं। मंत्री रेखा पोकरणा ने बताया कि सभी तपस्वियों को पारणा कराने में मंडल की प्रत्येक सदस्य का भावपूर्ण योगदान रहा। सभी ने मिलकर तप की महिमा का सम्मान करते हुए अनुमोदना व्यक्त की।

आचार्य श्री तुलसी दीक्षा शताब्दी सामारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी की पावन सन्निध्य में आचार्य श्री तुलसी के दीक्षा शताब्दी समारोह का आयोजन बिड़दी स्थित ईमरतलाल देवड़ा के निवास-स्थान पर हुआ। नमस्कार महामंत्र एवं तुलसी अष्टकम द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अपने मंगल उद्बोधन में साध्वी श्री ने फरमाया कि आचार्य तुलसी एक ऐसे लाल थे, उस लाल को पहचाना आचार्य कालू ने। आचार्य तुलसी का जीवन विलक्षण, क्रान्तिकारी था। उन्होंने श्रावक-श्राविकाओं साधु-साध्वियों के जीवन का आध्यात्मिक विकास किया। वे विकास की पर्याय थे। परम पूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने आप द्वारा प्रदत्त विकास के आयामों को देखकर आपके पट्टमहोत्सव को विकास महोत्सव का रूप दिया। आपका जीवन युगप्रधान था। आपने युगीन समस्याओं का समाधान दिया। आचार्य तुलसी का जीवन पारस मणि के समान है जैसे पारस के स्पर्श से लोहा सोना बनता है। वैसे ही आपके चरणों में आने वाले का जीवन स्वर्णिम बन जाता है। आचार्य तुलसी का जीवन एक प्रयोगशाला था जिसका फलित है जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान। परम पूज्य आचार्य महाश्रमण जी इसी प्रायोगिकता को और शतगुणित कर रहे है। राजराजेश्वरी नगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, बिड़दी उपसभा के अध्यक्ष कुशल देवड़ा, अभातेममं से मधु कटारिया, आचार्य तुलसी के संसारपक्षीय पौत्र पद्म खटेड़ एवं परिवार की बहनों, सौरभ देवड़ा, बीड़दी-ईगल्टन की बहनें, विनोद, सुरेश दक, जितेन्द्र घोषल, जितेश देवड़ा ने भावाभिव्यक्ति दी। साध्वी वर्धमानयशाजी, बोधिप्रभाजी द्वारा आचार्य तुलसी जीवन-यात्रा पर आधारित शब्द-चित्र की रोचक प्रस्तुति दी गई। कुशल मंच संचालन साध्वी विनितयशा जी ने किया। राजराजेश्वरी नगर, मंड्या, बिड़दी से श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

फैंस ने डेविल की सफलता के लिए प्रार्थना की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी बलगा संघ की ओर से ललित महल मार्ग पर बने तुगदीप श्रीनिवास सर्कल पर मां चामुंडेश्वरी की तस्वीर के समक्ष विशेष पूजा अर्चना की गई। साथ ही लोगों को सिनेमा में जा कर कन्नड़ फिल्म देखने के लिए प्रेरित किया गया। चैलेंजिंग स्टार दर्शन अभिमानी बलगा संघ ने दर्शन की नई फिल्म 'डेविल' की सफलता की कामना की। इस अवसर पर संघ के महेंद्र सिंह राजपुरोहित, जी. राघवेंद्र, रविकुमार, बन्नूर चंदन, हरीश नायडू, एस.एन. राजेश, राकेश, मणि दच्चू, नवीन सहित अन्य मौजूद रहे।

डीआरएम ने चामराजनगर और अशोकपुरम रेलवे स्टेशनों का किया निरीक्षण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मुदित मित्तल ने चामराजनगर, नंजनगुड टाउन, कड़ाकोला और अशोकपुरम रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। चामराजनगर में, उन्होंने यात्री सुविधाओं, बुनियादी ढांचे के उन्नयन और स्टेशन पुनर्विकास घटकों पर विशेष ध्यान देने के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निष्पादित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, और स्टेशन पर हितधारकों और चालक दल के सदस्यों के साथ बातचीत भी की। नंजनगुड टाउन में, डीआरएम ने माल शेड का निरीक्षण किया, इसकी परिचालन दक्षता और भविष्य की क्षमता वृद्धि आवश्यकताओं का आकलन किया। उन्होंने कड़ाकोला रेलवे स्टेशन का भी दौरा किया, जहां उन्होंने कंटेनर लोडिंग पॉइंट के कामकाज की समीक्षा की, माल ढुलाई सुविधाओं की जांच की और माल परिचालन में सुधार के लिए चल रही विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा की। अशोकपुरम रेलवे स्टेशन पर मित्तल ने यात्री सुविधाओं, सुरक्षा उपायों और स्टेशन के रखरखाव की जांच की। उनके साथ आनंद भारती, सीपीएम, गति शक्ति, सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ मंडल अधिकारी भी थे।

श्री जिनदत्त कुशल सूरी सेवा मंडल के सदस्य परमात्मा दर्शन हेतु पहुंचे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी के सदस्य मारवाड जंक्शन में विराजित परमात्मा शंखेश्वर पार्श्वनाथ एवं आदिनाथ के दर्शनार्थ पहुंचे। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि चालीस से अधिक वर्ष प्राचीन यह जिनालय है। मंडल के महामंत्री ललित डाकलिया ने बताया कि यहां अत्यन्त ही चमत्कारी परमात्मा पार्श्वनाथ मूलनायक के रुप में विराजमान है और यहां पांच वर्ष पूर्व प्रतिष्ठित अत्यन्त ही मनोहारी शत्रुंजय गिरिराज की प्रतिकृति और अष्टापद पर्वत की प्रतिकृति मन को लुभाती है। इसके साथ ही यहां बहुत ही सुन्दर सात्विक भोजन हेतु भोजनशाला भी है। मन्दिर के अध्यक्ष पारस भंडारी, महामंत्री गौतम कटारिया, ट्रस्टी मदन बोहरा ने मंडल के सदस्यों का स्वागत किया। कार्यक्रम में हितेन्द्र चौपड़ा का सक्रिय सहयोग रहा। साठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष राकेश डाकलिया, महामंत्री ललित डाकलिया, सहमंत्री धर्मेन्द्र संकलेचा, मोतीलाल ललवानी, सज्जन सिंह खटोड़, गौतमचंद चौपड़ा, शैलेन्द्र डाकलिया, श्री ब्यावर संघ युवा शाखा के महामंत्री कुलदीप छाजेड़, सोहनलाल मेहता, प्रसन्न चंद बाघमार, महावीर चंद सोलंकी, मोहित डाकलिया, कांतिलाल मेहता, अशोक मेहता, अरिहंत पारख, प्रतीक पोफलिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** जय भीम एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट मागड़ी रोड चोलूर पाल्या द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री एवं महिलाओं में साड़ियां वितरित करते हुए मुख्य अतिथि एच. रविंद्र, महेंद्र मुणोत एवं ट्रस्ट के प्रसाद, श्रीधर।*

दीक्षा शताब्दी परिसम्पन्नता पर जप, तप अनुष्ठान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित तेरापंथ धर्म संघ के नवम अधिशास्था आचार्य श्री तुलसी के 100वें दीक्षा दिवस पर संपन्नता के अवसर पर श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा जाप, उपवास, आयंम्बिल एवं मौन अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विजयनगर के विभिन्न उपनगरों में चार जगह सामूहिक जाप का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 72 बहनों ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। पांच बहनों ने लगातार 9 घंटे का मौन तथा कई बहनों ने उपवास एवं आयम्बिल तप किये। जाप में परामर्शिका मधुबाई सेठिया, पूर्वाध्यक्ष प्रेम भंसाली की उपस्थिति रही। जाप में उपाध्यक्ष सुमित्रा और रानू का विशेष सहयोग रहा। कन्या मंडल से प्रज्ञा छाजेड, सहमंत्री हंसा दुगड़, मंत्री सरिता छाजेड, प्रचार प्रसार मंत्री बबीता दस्सानी, श्वेता नाहटा और संयोजिका कोषाध्यक्ष मंजू भंसाली और कार्यकारिणी सदस्य सुनीता पींचा का सहयोग रहा।

उत्तरी कर्नाटक में किसानों के साथ अन्याय

फसल क्षति या बारिश क्षति के लिए कोई मुआवजा नहीं: आर. अशोक

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तरी कर्नाटक में मुद्दों को हल करने के लिए उचित नेतृत्व की आवश्यकता है। हालाँकि, कांग्रेस सरकार ने न तो किसानों को मुआवजा दिया, न ही उन लोगों को जिन्होंने अपना घर खो दिया। विपक्षी नेता आर. अशोक ने मांग की कि उन्हें यह बताने के लिए एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए कि उत्तरी कर्नाटक के लिए कौन से वादे पूरे किए गए हैं। विधानसभा में उत्तरी कर्नाटक की समस्याओं के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान लोग भीषण केंद्रों में रहते हैं। सरकार को उस वक्त तत्काल मुआवजा देना चाहिए। कांग्रेस सरकार में 9 महीने बाद जुलाई 2013-2014 में, 8 महीने बाद 2014-15 में और 7 महीने बाद 2015-16 में मुआवजा दिया गया। हमारी भाजपा सरकार में अगस्त 2019-20 में आई बाढ़ के बाद मात्र दो माह के अंदर

मुआवजा दिया गया। एनडीआरएफ के नियमानुसार मकान क्षति पर 95 हजार रुपये दिये जाते हैं। भाजपा राज्य सरकार ने मुआवजे में चार लाख रुपये जोड़े, जिससे कुल 5 लाख रुपये हो गए। कांग्रेस सरकार उत्तरी कर्नाटक में मकान क्षति के लिए ऐसा मुआवजा नहीं दे रही है और केवल केंद्र का हिस्सा दे रही है। सिर्फ 95,000 रुपये में घर बनाना नामुमकिन है। भाजपा सरकार ने 51.95 लाख किसानों के बैंक खातों में फसल क्षति मुआवजे में 6,651.15 करोड़ रुपये प्रदान किए। कांग्रेस सरकार ने डीबीटी के बजाय दूसरा सॉफ्टवेयर पेश किया, जिससे चार महीने की देरी हुई। अब मुआवजे में देरी हो रही है। 2014-2022 तक, नरेंद्र मोदी सरकार ने 11,603 करोड़ रुपये की राहत दी, जबकि मनमोहन सिंह सरकार ने 3,233 करोड़ रुपये दिए। यानी चार गुना ज्यादा राहत मिली। पिछली भाजपा राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से तुरंत राहत देने के लिए नहीं कहा। सबसे पहले धनराशि राज्य के खजाने से वितरित की जाती थी। मेरी राय है कि हमें केंद्र सरकार का इंतजार नहीं करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इसी तरह अब कांग्रेस सरकार को भी राजकोष से पैसा निकालकर देना चाहिए। कलबुर्गी, बीदर, विजयपुरा और यादगीर जैसे जिलों के 117 से अधिक गांवों में बाढ़ आ गई है। 20,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, 14.58 लाख हेक्टेयर में फसल प्रभावित हुई है और 2,890 स्कूल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। जब मैसूरु में दशहरा मनाया जा रहा था, उत्तरी कर्नाटक में लोग पानी में थे। हम सभी लोग कार से गए थे, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बजाय, वह कार से आ सकते थे और लोगों से मिल सकते थे। मुख्यमंत्री को हर गांव का दौरा करना चाहिए था। अधिकारी भी गांवों में सर्वे के लिए नहीं आये हैं। उन्होंने कहा, कई जगहों पर उन्होंने झूठी रिपोर्ट दी है कि बाढ़ नहीं आई है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने इस बारे में सरकार को पत्र लिखा है। हालांकि उन्होंने बताया कि किन गांवों में बाढ़ आई है, लेकिन राजस्व विभाग ने कोई जवाब नहीं दिया है। सरकार किसानों को छोड़ रही है और अन्याय कर रही है। इसलिए, सरकार को एक और सर्वेक्षण कराना चाहिए।

भू-राजस्व अधिनियम 1964 में संशोधन की कार्यवाही:कृष्णा बायरे गौड़ा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने विधान परिषद को सूचित किया है कि कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम, 1964 में संशोधन का मसौदा अक्टूबर महीने में तैयार किया गया है और अगले महीने के भीतर एक अधिसूचना जारी करके इसे लागू किया जाएगा। सवाल-जवाब सत्र के दौरान विधायक रामोजी गौड़ा ने कहा कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम 1964 की धारा 95 की संशोधन अधिसूचना को लागू नहीं करने के क्या कारण हैं। पिछले सत्र में कहा गया था कि यह अधिसूचना नियत तिथि से लागू होगी। लेकिन, क्या सरकार को इस बात का ध्यान आया कि अब तक इस अधिसूचना के लागू नहीं होने से शहर के लोगों को परेशानी हो रही है। मंत्री ने जवाब दिया कि कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम 1964 में अधिनियमित किया गया था, लेकिन पहले इसमें कोई आवश्यक संशोधन नहीं थे। हालांकि, वर्तमान में सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक संशोधन लाए जा रहे हैं। अनुच्छेद 95 में बहुत सारे संशोधन किए गए हैं और इसका मसौदा पिछले 20 अक्टूबर को बनाया गया था। उन्होंने कहा कि इनमें लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए भूमि रूपांतरण को और सरल बनाया गया है। काफी समय तक ऐसी स्थिति थी कि भूमि परिवर्तन एक घोटाला था। हमें नहीं पता कि अधिकारी इसमें शामिल हैं या नहीं। हालांकि, कई मध्यस्थ भी सामने आए हैं। इससे अधिकारियों और सरकार की बदनामी होती है। इस प्रकार, इस भूमि रूपांतरण व्यवसाय पर पूर्ण ब्रेक लगाने के लिए महत्वपूर्ण संशोधन लाए गए हैं। मास्टर प्लान के अनुसार उद्यमियों को ऑटो कन्वर्जन की अनुमति है। पहले मास्टर प्लान के बाहर और डीमडो में कन्वर्जन में भी तीन से चार महीने लग जाते थे। लेकिन वर्तमान में 30 दिनों के भीतर भूमि परिवर्तन की अनुमति है। भूमि परिवर्तन के लिए ऑनलाइन आवेदन की अनुमति है। कलेक्टर 30 दिनों के भीतर किसी भी संबंधित विभाग के परामर्श से रूपांतरण की अनुमति या अस्वीकार कर सकता है। उन्होंने बताया कि यदि जिला कलक्टर 30 दिन के भीतर कोई निर्णय नहीं लेते हैं तो स्वत: भूमि परिवर्तन का अवसर उपलब्ध होगा। दो एकड़ तक के छोटे उद्योगों के लिए औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। भारत इस समय नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है। अत: इसमें भूमि परिवर्तन की भी आवश्यकता नहीं है। यदि ऊर्जा विभाग से अनुमति प्राप्त हो तो नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बनाने के लिए किसी भूमि रूपांतरण की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि भूमि रूपांतरण से संबंधित कई विचारों को सरल बनाया गया है। इसके अलावा, पहले कोई स्पष्ट नियम नहीं था कि उप-विभागीय राजस्व न्यायालयों का संचालन कैसे किया जाना चाहिए। परिणामस्वरूप, उप-विभागीय अधिकारियों द्वारा न्यायालय में अपने अधिकार क्षेत्र से परे कई आदेश जारी करने के कई उदाहरण हैं। तो उसके लिए भी हमने नियम बनाये और तय किये हैं। हम इनमें से कई वर्गों के लिए संशोधन के माध्यम से नए नियम लागू कर रहे हैं। कृष्णा गौड़ा ने आश्वासन दिया कि अगले एक महीने के भीतर अधिसूचना जारी कर लागू कर दी जायेगी।

कर्नाटक को तीन साल में साइबर फ्रॉड से 5,474 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ: गृह मंत्री

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने मंगलवार को विधानसभा को बताया कि पिछले तीन सालों में कर्नाटक में नागरिकों ने ऑनलाइन सट्टेबाजी समेत साइबर फ्रॉड में 5,474 करोड़ रुपये गंवा दिए हैं, जबकि पुलिस सिर्फ 627 करोड़ रुपये ही रिकवर कर पाई है। सकलेशपुरा के बीजेपी विधायक सीमेंट मंजू के 16-35 साल के लोगों के ऑनलाइन सट्टेबाजी के खेलों के प्रति संवेदनशील होने के सवाल का जवाब देते हुए, परमेश्वर ने कहा कि 2023 और 2025 (15 नवंबर तक) के बीच, कर्नाटक में साइबर फ्रॉड के 57,733 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 10,717 मामले सुलझा लिए गए हैं।

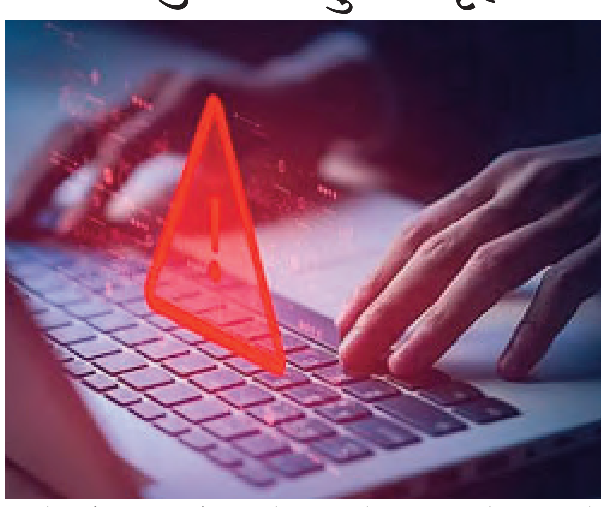

उन्होंने कहा, 2023 में 22,255 मामले थे, जिनमें 873 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिसमें से हमने 177 करोड़ रुपये रिकवर किए। 2024 में 22,478 मामले रिपोर्ट किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 2,562 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और 323 करोड़ रुपये रिकवर किए गए। 2025 में अब तक 13,000 मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 2,038 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और 127 करोड़ रुपये रिकवर किए गए हैं। एक चिंताजनक ट्रेंड पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने कहा, हालांकि मामलों की संख्या कम हुई है - 22,000 से 13,000 तक - लेकिन गंवाए गए पैसों की रकम 2,038 करोड़ रुपये पर काफी ज्यादा बनी हुई है। परमेश्वर ने बताया कि कर्नाटक भारत का पहला राज्य था जिसने पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समर्पित साइबर वर्टिकल स्थापित किया। उन्होंने कहा हमारे पास साइबर कमांड के साथ 43 साइबर पुलिस स्टेशन हैं। जैसा कि मामलों की संख्या में गिरावट से देखा जा सकता है, यह मददगार साबित हो रहा है। मंत्री ने ऑनलाइन गेमिंग के कानूनी पहलू पर भी बात की। 2021 में, पिछली बीजेपी सरकार ने ऑनलाइन खेलों पर रोक लगाने के लिए कर्नाटक पुलिस अधिनियम में संशोधन किया था। हालांकि, ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन की याचिका के बाद 2022 में हाई कोर्ट ने इस प्रावधान को रद्द कर दिया। राज्य सरकार ने अब इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, और इस मामले की सुनवाई 19 दिसंबर को होनी है।

विपक्ष के विरोध के बावजूद

नफरत फैलाने वाले भाषण के खिलाफ विधान सभा में एक सख्त कानून पेश किया गया

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

नफरत फैलाने वाले भाषण और अपराध करने वालों को न्यूनतम एक साल से 10 साल की कैद और कम से कम 50 हजार से 1 लाख का जुर्माना लगाने के लिए विधान सभा में एक सख्त कानून पेश किया गया है। प्रश्नोत्तर सत्र के बाद गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने विधानसभा में कर्नाटक घृणा भाषण और घृणा अपराध रोकथाम और नियंत्रण विधेयक, 2025 पेश किया। विधेयक की शुरूआत नफरत की राजनीति से भरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कृत्य की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। विरोध के बावजूद स्पीकर यूटी खादर ने बिल को पेश करने की इजाजत दे दी। प्रस्तावित विधेयक नफरत फैलाने वाले भाषण के प्रसार, प्रकाशन या प्रचार पर रोक लगाता है। बताया गया है कि यह विधेयक समाज में किसी व्यक्ति, समूह, संगठन विशेष के प्रति वैमनस्यता और घृणा जैसे

अपराधों को प्रतिबिंबित करने और रोकने के लिए बनाया गया है। दोषियों को सजा के साथ साथ घायल पीड़ितों को उचित मुआवजे का प्रावधान भी इस विधेयक में शामिल है। किसी पूर्वकल्पित हित की पूर्ति के लिए किसी जीवित व्यक्ति, मृत व्यक्ति, वर्ग, समूह, समुदाय के विरुद्ध हानि, वैमनस्य, शत्रुता, घृणा और बुरी भावनाएं पैदा करने का इरादा अपराध के रूप में परिभाषित किया गया है। यह कहा गया है कि सार्वजनिक दृश्य में, मौखिक या लिखित रूप में, प्रतीकों, दृश्य प्रतिनिधित्व, इलेक्ट्रॉनिक संचार या अन्यथा के माध्यम से किए गए अपराधों पर विचार किया जाएगा। धर्म, नस्ल, जाति, समुदाय, लिंग, यौन रुझान, जन्म स्थान, निवास, भाषा, विकलांगता या संप्रदाय के पूर्वनिर्धारित हित के प्रति पूर्वाग्रहपूर्ण घृणा या दुरुपयोग को अपराध के रूप में परिभाषित किया गया है। ऐसे अपराध जो घृणा फैलाने वाले भाषण का प्रचार करने, बोलने या भड़काने से नुकसान पहुंचाते हैं, दंडनीय माने जाते हैं। भारतीय दंड संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत निर्धारित दंडों का उल्लेख किया गया है। बताया गया है कि घृणा अपराध के लिए कम से कम एक साल की कैद और जिसे सात साल तक बढ़ाया जा सकता है, से दंडित किया जाएगा और क्रमश: 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। बार बार अपराध करने वालों को कम से कम दो साल की कैद की सजा हो सकती है जिसे 10 साल तक बढ़ाया जा सकता है और एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। बताया गया है कि अदालत पीड़ित को हुए नुकसान का आकलन कर पर्याप्त मुआवजा दे सकती है। घृणा अपराधों को गैर जमानती माना गया है। बताया गया है कि मुकदमा प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी द्वारा कराया जाए। इलेक्ट्रॉनिक, पुस्तक, पैम्फलेट, पेपर लेखन, ड्राइंग, पेंटिंग, रूपक या चित्रों के प्रकाशन को इस आधार पर छूट देने का प्रस्ताव किया गया है कि यह विज्ञान, साहित्य, कला या सीखने के सामान्य विषयों के हित में है, यदि यह साबित हो जाए कि ऐसी पुस्तक, पैम्फलेट, पेपर, लेखन, ड्राइंग, पेंटिंग, रूपक और चित्र सार्वजनिक हित में हैं। शांति और सद्भाव को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने वाले डीवाईएसपी, कार्यकारी मजिस्ट्रेट, विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के पद से नीचे के अधिकारियों को अधिनियम के तहत कार्रवाई करने की अनुमति है। यदि सिंडिकेट अपराध में शामिल हैं तो ऐसे सिंडिकेट के व्यवसाय को प्रतिबंधित करने के अवसर हैं और सिंडिकेट के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को दोषी ठहराया जाएगा और दंडित किया जाएगा। यदि यह साबित हो जाता है कि उक्त मुखिया ने अपराध को रोकने के लिए उचित सावधानी बरती है, तो यह माना जाता है कि उसे सजा के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसा कहा जाता है कि सरकार द्वारा अधिसूचित व्यक्ति के पास घृणा अपराध की सामग्री को ब्लॉक करने या हटाने की शक्ति होती है।

राज्य में अनाधिकृत पंपसेटों पर की जाएगी कार्रवाई: डीके शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो जल संसाधन मंत्री भी हैं, ने कहा है कि वह सिंचाई परियोजनाओं के अंतिम भाग तक पानी पहुंचाने में बाधा बनने वाले अनधिकृत पंप सेटों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करेंगे। विधानसभा के प्रश्न में सत्ता पक्ष के विधायक जीटी पाटिल ने कहा कि घाटप्रभा नदी के हिदाल जलाशय से अंतिम हिस्से तक पानी नहीं पहुंच रहा है। नहरों की मरम्मत की जरूरत है, हम कितने साल तक पानी से वंचित रहेंगे। उन्होंने कहा कि करीब 15 हजार पंप सेट अवैध तरीके से लगाये गये हैं। इस मौके पर डी.के.शिवकुमार ने जवाब दिया कि यह एक गंभीर मामला है, एबीबीपी परियोजना के तहत 2700 करोड़ रुपये की लागत से नहर की मरम्मत के लिए केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि यदि इसे मंजूरी मिल गयी तो नहरों की मरम्मत करायी जायेगी। एट्टीनाहोल परियोजना को ध्यान में रखते हुए हमने सिंचाई क्षेत्र में नहरों में अवैध रूप से लगे पंप सेटों को

हटाने की योजना तैयार की है। इसका प्रशिक्षण पहले से ही किया जा रहा है। इस सत्र में सभी विधायकों को अनाधिकृत पंप सेटों को हटाने की योजना पारित करनी है। सारा पानी पांडवपुर के लोग कावेरी नदी के रूप में उपयोग करते हैं। मालवल्ली में पानी नहीं है। अंतिम हिस्से तक पानी नहीं पहुंचे तो मुश्किल हो जाती है। उन्होंने कहा कि इसे आंदोलन के रूप में रोका जाना चाहिए। थुरुवेकेरे निर्वाचन क्षेत्र में एमटी कृष्णप्पा नहरों के कारण किसानों को 70, 80 फीट जमीन खोनी पड़ी है। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें पानी नहीं देना चाहिए। डीके शिवकुमार ने दोहराया कि पंपसेटों को अनधिकृत रूप से अपनाने की अनुमति नहीं है।

अशोक ने धर्मस्थल को बदनाम करने की साजिश रचने वालों को तुरंत जेल भेजने की मांग की

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की है कि राज्य सरकार उन छह आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करके जेल भेजे जिन्होंने श्रीक्षेत्र धर्मस्थल की इज्जत खराब करने की साजिश रची है। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि मामले की जांच करने वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अब कोर्ट में एक अंतरिम रिपोर्ट जमा कर दी है। इसमें एसआईटी ने कहा है कि चिन्नैया, महेश रेड्डी, गिरीश मट्टानावर, जयंत, विट्ठल गौड़ा और सुजाता भट्ट इस मामले के मास्टरमाइंड हैं, इसलिए उन्होंने मांग की कि इन सभी को तुरंत गिरफ्तार करके जेल भेजा जाए। जांच से यह साबित हो गया है कि यह धर्मस्थल की इज्जत खराब करने की साजिश है। उन्होंने पैसे के लिए श्रीक्षेत्र के नाम का इस्तेमाल करके झूठे आरोप लगाए हैं। इसलिए आरोपियों के खिलाफ बिना देर किए कानूनी कार्रवाई की जाए। एसआईटी ने खुद कहा है कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि सरकार उनकी

गिरफ्तारी में देरी क्यों कर रही है, जबकि यह साबित हो चुका है कि यह पैसे के लिए की गई पहले से प्लान की गई साजिश है। हम शुरू से ही दावा कर रहे हैं कि यह एक साजिश है। इसके पीछे बड़े, अनदेखे हाथ हैं। उनके पास पैसा कहां से आया। इसके पीछे मास्टरमाइंड कौन हैं। उन्होंने किस वजह से यह साजिश रची? सब कुछ सामने आना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार देरी करती है तो हम चुप नहीं रहेंगे। हम यह मुद्दा हाउस में भी उठाएंगे। हम गृह मंत्री या सरकार से साफ जवाब चाहते हैं कि क्या कार्रवाई किया गया है। अशोक ने चेतावनी दी कि तब तक हमारा संघर्ष नहीं रुकेगा। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि जांच से पता चला है कि यह एक सिस्टमैटिक साजिश है। धर्मस्थल की खुशहाली को बर्दाश्त न करने वालों ने इस तरह से यह साजिश रची है। सरकार को बिना किसी देरी के आरोपियों को गिरफ्तार करना चाहिए। चूंकि यह एक अंतरराष्ट्रीय साजिश है, इसलिए कुछ बुरी ताकतों ने पैसे का लालच देकर धर्मस्थल के नाम पर साजिश रची है। इसलिए, उन्होंने मांग की कि आरोपियों को बिना देर किए गिरफ्तार किया जाए। सी.टी. रवि ने कहा हमारा जो भी स्टैंड था, वह जांच में ही पता चला। इसमें कोई शक नहीं है कि यह पहले से तय था। यह कुछ लोगों की धर्मस्थल के नाम पर यह काम करने की साजिश का हिस्सा है।

मनरेगा योजना के धन का उपयोग करने का करेंगे प्रयास: खड़गे

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने स्पष्ट किया है कि पहाड़ी हिस्सों में वर्षा जल अवरोधों के निर्माण पर कोई प्रतिबंध नहीं है। विधानसभा के प्रश्न उत्तर सत्र के दौरान चिक्कमगलूरु निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एचडी तमैय्या ने कहा कि मालेनाडु के पहाड़ी इलाकों में एक घर बनाया गया था। भारी वर्षा होने पर भूमि एवं मकान क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। अधिकारी कह रहे हैं कि बारिश का पानी रोकने के लिए दीवार बनाने पर रोक है।

उन्होंने मांग की कि सरकार को ऐसे काम बड़ी संख्या में करने चाहिए।

जवाब में ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने आश्वासन दिया कि विधायकों की मांग के अनुसार, बैरियर दीवार और अन्य कार्यों के निर्माण के लिए केंद्र सरकार की मनरेगा योजना के धन का उपयोग करने का प्रयास किया जाएगा।

गिरफ्तार 10 बांग्लादेशी प्रवासियों को 2 साल जेल की सजा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां की जिला कोर्ट ने गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुसे और मालपे में गिरफ्तार किए गए 10 बांग्लादेशी इमिग्रेंट्स को 2 साल जेल और हर एक पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। दोषियों में हकीम अली, सुजोन एस.के., इस्माइल एस.के., करीम एस.के., सलाम एस.के., राजिकुल एस.के., मोहम्मद सोजिब, रिमुल, मोहम्मद इमाम शेख, मोहम्मद जहांगीर आलम शामिल हैं, जो गैर-कानूनी तरीके से बांग्लादेश से उडुपी में घुसे थे। 11 अक्टूबर, 2024 को शाम 7 बजे, जब मालपे पुलिस स्टेशन के पीएसआई पेट्रोलिंग पर थे, तो मालपे वडाभांडेश्वर बस स्टैंड के पास 7 लोग शक के घेरे में घूम रहे थे। पूछताछ करने पर, आरोपियों ने गोलमोल जानकारी दी कि उन्होंने नकली आधार कार्ड और नकली डॉक्यूमेंट्स बनाए थे। इस तरह, सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान, उन्होंने माना कि वे बांग्लादेश से उडुपी तालुक के पदुथोंसे गांव के

हुड्डा आए थे। उनकी दी गई जानकारी के अनुसार, बाकी 3 गैर-कानूनी इमिग्रेंट्स को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। इन आरोपियों ने नकली भारतीय दस्तावेज बनाए थे और उडुपी में घुस गए थे। जांच में पता चला कि सिक्किम के अगरतला की काजोल नाम की एक महिला ने नकली आधार कार्ड बनाया था। इसी तरह, उस्मान नाम का एक और आरोपी उन्हें गैर-कानूनी तरीके से लाया था और नौकरी का इंतजाम किया था। मालपे पुलिस ने गैर-कानूनी बांग्लादेशी इमिग्रेंट्स को गिरफ्तार करके कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। ट्रायल के बाद, आरोपियों को दोषी ठहराया गया।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की संतुलित और सटीक प्रतिक्रिया का प्रभावशाली उदाहरण : सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता की सराहना की है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारत की संतुलित, सटीक और दृढ़ प्रतिक्रिया प्रणाली का एक प्रभावशाली उदाहरण बताया, जिसने देश की सैन्य तत्परता और संकल्प को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया। जनरल द्विवेदी ने यह भी स्पष्ट किया कि इंफॉरमेशन युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष जैसे नए डोमेन आधुनिक युद्धक्षेत्र को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना तेजी से भविष्य के लिए तैयार (फ्यूचर रेडी) बल में परिवर्तित हो रही है। उन्होंने जोर दिया कि तकनीक के माध्यम से मानव संसाधन का सशक्तिकरण, सुव्यवस्थित क्षमता संवर्धन और संगठनात्मक पुनर्संरचना की जा रही है। इससे सेना को फ्यूचर रेडी बनने में सहायता मिलती है। सेना प्रमुख ने बुधवार को इन्फैंट्री स्कूल में यह जानकारी दी। दरअसल, मध्य प्रदेश के महू स्थित इन्फैंट्री स्कूल में 38वां इन्फैंट्री कमांडर्स' कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। दो दिवसीय इस महत्वपूर्ण सम्मेलन की अध्यक्षता थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की। यहां अपने संबोधन में थल सेनाध्यक्ष ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए 'पड़ोसी प्रथम' की नीति को भारत की विदेश एवं सुरक्षा नीति

का एक अहम स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि सैन्य कूटनीति की भूमिका लगातार बढ़ रही है, जो मित्र राष्ट्रों के साथ विश्वास और सहयोग को सुदृढ़ करने में सहायक है।इस अवसर पर महानिदेशक इन्फैंट्री ने डाइरेक्टोरेट की ओर से सैद्धांतिक परिष्करण, स्वदेशीकरण और व्यावसायिक सैन्य शिक्षा के माध्यम से निरंतर क्षमता वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इन्फैंट्री मामलों पर विचार-विमर्श का यह सर्वोच्च मंच है। इस सम्मेलन ने संचालनात्मक तैयारियों, बल संरचना, क्षमता विकास, प्रशिक्षण तथा कल्याणकारी पहलों की व्यापक समीक्षा का अवसर प्रदान किया।

वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व ने चल रही परियोजनाओं का समग्र आकलन किया। यहां इन्फैंट्री के भविष्य की दिशा तय करने हेतु प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। दो दिनों के दौरान कई महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया गया। इनमें उभरती तकनीकों के एकीकरण व ऑपरेशनल तैयारी को सुदृढ़ करना शामिल रहा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप स्वदेशी समाधानों के माध्यम से आधुनिकीकरण को तेज करने पर विस्तृत चर्चाएं हुईं।

सम्मेलन में संगठनात्मक सुधारों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

इन सुधारों का उद्देश्य संचालनात्मक दक्षता और रणनीतिक फुर्ती को बढ़ाना है। भैरव बटालियनों और ड्रोन प्लाटूनों जैसी प्रमुख पहलों को बहु-डोमेन युद्धक्षेत्र में इन्फैंट्री की प्रभावशीलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां बताया गया। ये सुधार इन्फैंट्री को एक नेटवर्क-सक्षम, तकनीक-आधारित और चुस्त बल में रूपांतरित करने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।सम्मेलन का समापन वीरता, पेशेवर उत्कृष्टता और राष्ट्र के प्रति समर्पण के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। सम्मेलन में उप सेनाध्यक्ष, आर्मी कमांडर्स, इन्फैंट्री से जुड़े अधिकारी, महानिदेशक इन्फैंट्री, विभिन्न इन्फैंट्री रेजिमेंटों के कर्नल, रेजिमेंटल सेंटर्स के कमांडेंट्स तथा भारतीय सेना की विभिन्न इन्फैंट्री संरचनाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मान्यता, दीपावली यूनेस्को की विरासत सूची में दर्ज : विनोद बंसल

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किए जाने के बाद देशभर में खुशी और गर्व का माहौल है। इस फैसले पर विभिन्न संगठनों और विद्वानों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इसे भारत की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूत करने वाला ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला, दुर्गा पूजा, गरबा और योग जैसे उत्सव पहले ही यूनेस्को की सूची में शामिल होकर अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल कर चुके हैं, और अब दीपावली के जुड़ने से भारतीय परंपराओं की वैश्विक उपस्थिति और सुदृढ़ होगी। विनोद बंसल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि दीपावली सिर्फ दीपोत्सव नहीं, बल्कि

भारतीय सभ्यता की समृद्ध, वैभवशाली और प्राचीन विरासत का प्रतीक है। यह पर्व भगवान श्रीराम के आदर्शों, सामाजिक समरसता, विश्व बंधुत्व और दुर्बलों की सहायता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस मान्यता से दीपावली पर शोध को बढ़ावा मिलेगा और विश्व समुदाय भारत की संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक दर्शन को और गहराई से समझ सकेगा।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस उपलब्धि पर केंद्र सरकार को बधाई दी और कहा कि यह भारत की सांस्कृतिक ताकत को दुनिया के सामने और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करेगा।इधर, मौलाना नाजिम अशरफी ने भी इस निर्णय की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत में रहने वाले हर वर्ग, जाति और समुदाय में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यह बेहद सकारात्मक कदम है, क्योंकि यह त्योहार पूरे देश में व्यापक रूप से मनाया जाता है और आपसी सम्मान तथा भाईचारे को बढ़ावा देता है।

उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी परंपरा को जोड़ना अच्छी बात है, लेकिन उसे तोड़ने या विभाजन पैदा करने से बचना चाहिए। अशरफी ने कहा कि भारत की बहुसांस्कृतिक समाज व्यवस्था में ऐसे उत्सव ही सौहार्द के सेतु का काम करते हैं, और सभी समुदाय इसे सम्मान और खुशी के साथ मनाते हैं।

राहुल गांधी को भारत के लोकतंत्र पर भरोसा नहीं : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जर्मनी दौरे को लेकर भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने निशाना साधते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को भारत के लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद ने कहा कि वह सदन में होने वाली चर्चाओं में शायद ही कभी शामिल होते हैं, और जब वह बोलते हैं, तो बेतुकी बातें करते हैं। अब वह विदेश जा रहे हैं।

यह साफ दिखाता है कि उन्हें भारत के लोकतंत्र पर कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भले ही विपक्ष के नेता हैं, लेकिन संसद में खड़े होकर

अधिकारियों को धमकाना एक फासीवादी मानसिकता को दिखाता है, जो कांग्रेस की खासियत है। देश की जनता रिजेक्ट कर रही है।

भाजपा सांसद ने कहा कि लगातार चुनाव हार रहे राहुल गांधी को आत्मचिंतन करने की जरूरत है, लेकिन अगर वे झूठा आरोप लगाकर अधिकारियों को धमकाएंगे तो देश बर्दाश्त नहीं करेगा।

यूनेस्को द्वारा दीपावली को वैश्विक मान्यता देते हुए अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में शामिल किए जाने पर प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दीपावली सिर्फ एक त्योहार से कहीं ज्यादा है। यह भारत की शाश्वत भावना की एक चमकती हुई याद दिलाती है, जहां रोशनी निराशा पर जीत हासिल करती है और अच्छाई हर कदम पर रास्ता दिखाती है। जैसे-जैसे दीपावली को दुनिया भर में पहचान मिल रही है, यह भारत की सांस्कृतिक गहराई और सद्भाव के संदेश के प्रति बढ़ती प्रशंसा को दर्शाता है। भगवान श्रीराम की शिक्षाएं मानवता को साहस, करुणा और सच्चाई के साथ चलने के लिए प्रेरित करती हैं।

सदन छोड़ विदेश जाना गंभीरता की कमी दिखाता है, राहुल गांधी की यात्रा पर बोले बीएल. वर्मा

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । नई दिल्ली । संसद सत्र के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रस्तावित जर्मनी यात्रा पर घमासान जारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी के सदन छोड़कर विदेश दौरे पर जाना उनकी गंभीरता की कमी दिखाता है। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी विदेश जाते हैं, तो उनके दौरे देश के लिए मतलब वाले और फायदेमंद होते हैं, यह सब जानते हैं। लेकिन जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो ऐसा लगता है कि वे सिर्फ भारत और उसके नागरिकों की बुराई और बेइज्जती करने जाते हैं। विदेशी धरती पर वे जिस तरह के बयान देते हैं, वह जगजाहिर है। उन्होंने कहा, 'संसद सत्र महत्वपूर्ण होता है, फिर भी सदन छोड़कर विदेश दौरे पर जाना गंभीरता की कमी दिखाता है। बिहार में जैसा देखा गया, चुनाव के दौरान भी वे गायब रहे। कांग्रेस भी आज राहुल गांधी को गंभीरता से नहीं लेती है।

केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि संसद

सत्र में अगर नेता प्रतिपक्ष लोकसभा में न रहे, तो यह संसद, एसआईआर, विधेयकों और कानूनों के प्रति संवेदनहीनता का परिचय होता है।

उन्होंने कहा, राहुल गांधी कई सालों से चुनाव से जुड़े रिएक्शन देते आ रहे हैं। उदाहरण के लिए, जब भी कांग्रेस पार्टी चुनाव हारी है, उन्होंने लगातार ईवीएम पर शक जताया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करते रहे हैं। एसआईआर के खिलाफ उन्होंने देशभर में वातावरण बनाया, लेकिन संसद में चर्चा के दौरान उन्होंने कोई भी मुद्दे की बात नहीं की।

भाजपा की सहयोगी पार्टी टीडीपी के सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा पर कहा, यही तरीका है, जिससे कांग्रेस पार्टी चलाई जा रही है। मुझे लगता है कि कांग्रेस के नेता और उनके सांसदों को यह तय करना होगा कि वे राजनीति को अंशकालिक रूप से करना चाहते हैं या पूर्णकालिक।

वहीं, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी अनिवासी भारतीय राजनीतिज्ञ हैं। वो भारत में जितना रहते हैं उससे ज्यादा विदेश में रहते हैं। उनका मन विदेश में है, लेकिन मजबूरी से यहां वो राजनीति कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सत्र के दौरान एक सामान्य सांसद को भी छुट्टी लेकर जाना मुश्किल होता है, लेकिन राहुल गांधी विपक्ष के नेता होने के बावजूद भी संसद सत्र के मध्य भाग में 5-6 दिन की छुट्टी लेकर विदेश यात्रा करना, उनकी गंभीरता को दिखाता है।

राहुल गांधी 17 दिसंबर को जर्मनी में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के कार्यक्रम में होंगे शामिल

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । लोकसभा में विपक्ष के नेता व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन (जर्मनी) में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे भारतीय समुदाय से संवाद करेंगे। इंडियन ओवर्सीज कांग्रेस (आईओसी) ऑस्ट्रिया के अध्यक्ष औसफ खान ने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आगामी 17 दिसंबर को जर्मनी के बर्लिन में भारतीय प्रवासी समुदाय के एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होंगे। औसफ खान ने कहा कि बर्लिन में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पूरे यूरोप में स्थित इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सभी अध्यक्षों को एक मंच पर लाएगा, जहां वे राहुल गांधी के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे। यह संवाद कांग्रेस पार्टी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने और प्रवासी भारतीयों से जुड़ी चुनौतियों को समझने पर केंद्रित रहेगा।उन्होंने बताया, हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि हमें राहुल गांधी का

स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। यह कार्यक्रम कांग्रेस पार्टी को सशक्त करने, एनआरआई मुद्दों पर बात करने और यह समझने का अवसर देगा कि इंडियन ओ-वरसीज कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को लोगों तक पहुंचाने में और कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।खान ने कहा कि इस बैठक में राहुल गांधी के साथ-साथ सैम पित्रोदा, डॉ. अरथी कृष्णा और अन्य वरिष्ठ नेता भी मार्गदर्शन देंगे।वहीं, राहुल गांधी की इस यात्रा को लेकर भाजपा के नेता हमलावर हो गए हैं। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने राहुल गांधी को नॉन-रेज़िडेंट इंडियन पॉलिटिशियन बताया, जो भारत से अधिक समय विदेश में बिताते हैं।संसद भवन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में तेजस्वी सूर्या ने कहा, राहुल गांधी एक नॉन-रेज़िडेंट इंडियन पॉलिटिशियन हैं। वह भारत की तुलना में विदेश में ज़्यादा रहते हैं। उनका दिमाग विदेश में है, लेकिन मजबूरी में यहां राजनीति करनी पड़ रही है।उन्होंने आगे कहा, संसद सत्र के बीच किसी सामान्य सांसद के लिए विदेश जाना असंभव है। लेकिन नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद भी राहुल गांधी वही गैर-गंभीरता दिखा रहे हैं और सत्र के बीच 5-6 दिन की छुट्टी ले रहे हैं। देश को एक ऐसा नेता प्रतिपक्ष चाहिए जो यहां रहे, देश की परवाह करे और अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाए।

वोट चोरी के आरोपों पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे का जवाब- चोरों की सरदार है कांग्रेस

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ अपने मुस्लिम वोट बैंक से मतलब है। वह आज भी मुस्लिम परस्त राजनीति कर रही है। यही वजह है कि वे एसआईआर और ईवीएम के विरोध में हैं। निशिकांत दुबे ने बुधवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए

कांग्रेस को 'मूर्ख पार्टी' बताया। उन्होंने कहा, 'संसद में मैंने सुकुमार सेन के बारे में कहा था।

1953 में एक गवर्नर जनरल का एग्रीमेंट हुआ था। उस समय सूडान के मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए जाते थे, उन्हें गवर्नर बोला गया। इस पर कांग्रेस के लोग मुझे कह रहे हैं कि 'गवर्नर और एंबेसडर' के बारे में फर्क नहीं पता है। यही कांग्रेस की मूर्खता की पराकाष्ठा है।

निशिकांत दुबे ने 'वोट चोरी' पर जवाब देते हुए कहा, आरके त्रिवेदी और एस रमा देवी को गवर्नर बनाया। सोनिया गांधी को बचाने वाले एमएस गिल मंत्री बने। टीएन शेषन ने एक बयान में बोला था कि जब मैं कमेटी में जाता हूं तो 'स्टांप मुहर' बन जाता हूं।

कांग्रेस इलेक्शन हारती है तो दोष चुनाव आयोग को देती : रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । लोकसभा में बुधवार को चुनाव सुधार पर चर्चा के दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे सिर्फ चुनाव हारने पर ही चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा, जब विपक्ष चुनाव हारता है, तो वह तुरंत चुनाव आयोग और पूरी चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना शुरू कर देता है। अगर लोग आपको वोट नहीं दे रहे हैं तो हम क्या कर सकते हैं? हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन पर तंज कसते हुए भाजपा सांसद ने कहा, कांग्रेस और उसके नेताओं की बड़ी-बड़ी रैलियों और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के बारे में शोर मचाने के बावजूद बिहार की जनता ने उन्हें कम सीटें दी हैं। जनता भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से किए गए विकास कार्यों को देखती है और हमें वोट देती है। यही सच्चाई है।

रविशंकर ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के भाषण पर आपत्ति जताई। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से कहा कि उन्होंने जो कुछ भी कहा है, उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाए क्योंकि वेणुगोपाल सुप्रीम कोर्ट में एक पक्ष हैं जिन्होंने एसआईआर को चुनौती दी है।

उन्होंने मांग की कि केसी वेणुगोपाल खुद चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले में याचिकाकर्ता हैं। जो व्यक्ति इसी विषय पर सुप्रीम कोर्ट गया है, उसे इस सदन में बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। मैं अध्यक्ष से अनुरोध करता हूं कि उनके पूरे भाषण को रिकॉर्ड से हटा दिया जाए।

बता दें कि कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा था कि चुनाव आयोग 'वोट चोरी' जैसे राष्ट्रविरोधी कृत्यों को रोकने के बजाय उसे बढ़ावा दे रहा है।

वेणुगोपाल ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा सोचती है कि वह ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल करके देश पर शासन कर सकती है। हालांकि, अंतिम निर्णय इस देश की जनता ही लेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि आज भाजपा देशभक्ति की बातें करती है। हालांकि, उनके पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ कभी लड़ाई नहीं लड़ी।

जनता का विश्वास खो बैठे हैं राहुल गांधी : चिराग पासवान

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) । संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी का मुद्दा उठाए जाने पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि वोट चोरी नहीं हुआ है, बल्कि राहुल गांधी और इंडिया महागठबंधन का जनादेश चोरी हो गया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि समस्या यह है कि जब भी राहुल गांधी बोलते हैं तो वे तुरंत शिकायत करते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है या मौका नहीं दिया जा रहा है। विपक्ष के नेता होने के बावजूद राहुल गांधी सदन में अहम बहसों से गैर-मौजूद रहते हैं। पिछले

विपक्ष के नेताओं ने अपना पूरा समय सदन को दिया था, लेकिन राहुल गांधी के लिए विदेश यात्रा महत्वपूर्ण है। इससे साफ होता है कि उनमें गंभीरता का अभाव है।उन्होंने वोट चोरी के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस और उनके नेताओं, खासकर राहुल गांधी, को यह समझने की जरूरत है कि यहां कोई वोट चोरी नहीं हुई है। उनका पब्लिक सपोर्ट खत्म हो गया है। जब तक वे बहाने बनाना बंद नहीं करते और इस बात पर आत्ममंथन नहीं करते कि वे अलग-अलग राज्यों और लोकसभा चुनावों में क्यों हार रहे हैं, तब तक लोग उन्हें नकारते रहेंगे।चिराग पासवान ने कहा कि इनका विश्वास किसी संस्था पर बचा नहीं है। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर विश्वास नहीं कर रहे हैं।वहीं, राहुल गांधी के विदेश दौरे पर केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि बिहार चुनाव के नतीजों के समय राहुल गांधी विदेश में थे, उन्हें वोट चोरी को लेकर बोलने दो, उन्हें विदेश जाने दो, हम जीतते रहेंगे। राहुल गांधी असली समस्या नहीं समझेंगे, हम जीतते रहेंगे। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार के बाद पश्चिम बंगाल में हम सरकार बनाएंगे।भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उनके पास कोई काम नहीं है। उनका एकमात्र मुद्दा चुनाव आयोग और ईवीएम है, और चुनाव आयोग के मुद्दे पर बिहार की जनता पहले ही अपना जवाब दे चुकी है।उन्होंने कहा कि जब वह दिल्ली में होते हैं, तब भी क्या वह सेशन में आते हैं। सेशन में मौजूद रहना नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी है, लेकिन वे लापरवाही से आते हैं।

कांग्रेस का इतिहास दागदार, इसीलिए वर्तमान बागी हो गया : नकवी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां) ।भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे पर पलटवार किया है। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि चुनाव जीतेंगे तो सबकुछ ठीक है। लेकिन, हारेंगे तो वोट चोरी का मुद्दा उठाएंगे। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास बहुत दागदार रहा है और इसीलिए उनका वर्तमान बागी हो गया है। उन्हें लगता है कि सत्ता उनका जन्मसिद्ध अधिकार है।

अगर जनता किसी और को जनादेश देती है, तो वे इसे वोट चोरी कहते हैं, देश के सामने घमंड दिखाते हैं।भाजपा नेता ने कहा कि वंदे मातरम को लेकर लोकसभा में चर्चा हो रही थी, कांग्रेस सांसदों ने कैसा बर्ताव किया, देश ने अपनी आंखों से देखा है। जब कांग्रेसी और विपक्षी सांसदों के बोलने का वक्त आया तो किसी के भाषण में कोई तर्क नहीं था। कांग्रेस के सांसद अपना दागी चरित्र धोने में लगे हुए थे।लोकसभा में संघ के ऊपर राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि बिना सच की कहानियां और बिना लॉजिक की बातें ज्यादा दिन नहीं टिक सकतीं। आप संघ के बारे में कब तक रोते रहेंगे? संघ के खिलाफ आपका गलत जानकारी फैलाने का अभियान दशकों से चल रहा है। संघ आपके झूठे प्रोपेगेंडा को नजरअंदाज करते हुए राष्ट्रवाद के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। आप रोते और शिकायत करते रह सकते हैं, लेकिन जनता आपको नकार रही है।राहुल गांधी के जर्मनी दौरे को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियां और राजनीति अक्सर बेतुकी और बेकार रही हैं। आप देख सकते हैं कि जब लोकसभा में 'वंदे मातरम' जैसे अहम मुद्दे पर चर्चा हो रही है, तो कांग्रेस नेता कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।उन्होंने कहा कि एसआईआर पर चर्चा शुरू हुई तो राहुल गांधी महत्व-पूर्ण विषय पर चर्चा से भाग खड़े हुए। उनके लिए विदेश यात्रा महत्वपूर्ण है।

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना गर्व की बात : योगी

लखनऊ,10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में सम्मिलित किए जाने को गर्व का पल बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय उस उत्सव की वैश्विक पहचान है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय और नए आरंभ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति व परंपरा की महत्ता को विश्व पटल पर अधिक मजबूती प्रदान करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के दृष्टिकोण से इस उपलब्धि के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उत्तर प्रदेश के लिए इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अयोध्या प्रभु श्रीराम की पावन भूमि है। यहीं पर दीपावली की पहली ऐतिहासिक उत्सव परंपरा की शुरुआत हुई थी।

उन्होंने कहा कि अयोध्या केवल सांस्कृतिक आस्था

का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय परंपराओं की आत्मा है। ऐसे में इस पर्व की वैश्विक मान्यता अयोध्या के आध्यात्मिक महत्व को और भी प्रखर बनाती है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भारत की बढ़ती सांस्कृतिक प्रतिष्ठा का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व स्तर पर अपनी सांस्कृतिक उपस्थिति को व्यापक रूप से स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत की परंपराओं और उत्सवों को विश्व समुदाय द्वारा अपनाया जाना सकारात्मक संकेत है।सीएम योगी ने आशा व्यक्त की कि अयोध्या का शाश्वत प्रकाश मानवता को सत्य और सद्भाव के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता रहेगा। उनके अनुसार यह पर्व केवल उत्सव नहीं बल्कि जीवन दर्शन है, जो समाज को एकता और संस्कारों की दिशा में अग्रसर करता है।अयोध्या का दीपोत्सव विश्वविख्यात होता जा रहा है। इस बार के नौवें संस्करण में कई कीर्तिमान गढ़े गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में दीपोत्सव के अवसर पर रामलला के दरबार में दीप प्रज्ज्वलित किया और फिर सरयू की महाआरती में शामिल हुए। राम दरबार में दीप प्रज्ज्वलन होने के बाद ही राम की अयोध्या रोशनी से नहा उठी। यह आयोजन गिनीज बुक में दर्ज किया गया।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग खुद भ्रमित : यादव

लखनऊ,10 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश समेत 12 राज्यों में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को गलत ठहराया है। उन्होंने सवाल उठाए कि जिस तरह एसआईआर प्रक्रिया चल रही है, उससे मतदाता सूची में 50 प्रतिशत लोगों के वोट ही बच सकेंगे। रामगोपाल यादव ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, चुनाव आयोग एसआईआर को लेकर खुद ही भ्रमित है। बड़े पैमाने पर बीएलओ ने लोगों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से विस्थापित और मरा हुआ दिखाया, लेकिन हो सकता है कि उसमें से भी

कुछ जिंदा निकल आएं। फिरोजाबाद के टूंडला विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए सपा सांसद ने कहा, फिरोजाबाद के टूंडला विधानसभा क्षेत्र में 3,82,160 मतदाता हैं। मंगलवार तक एसआईआर प्रक्रिया के दौरान दिखाया गया है कि 3,82,159 फॉर्म बांटे गए।इनमें से 10,703 मतदाताओं को मृत, 11,964 को अनुस्थित और 29,364 को स्थायी रूप से दूसरी जगह शिफ्ट दिखाया गया। सवाल यह है कि जब इतने सारे लोग मृत, अनुस्थित और शिफ्ट हो चुके हैं, तब 100 प्रतिशत फॉर्म डिस्ट्रीब्यूशन कैसे हुआ?रामगोपाल यादव ने आगे कहा, इसमें सबसे खतरनाक स्थिति यह है कि 2003 का वोटर जो 2025 में भी वोटर है, उसे चुनाव आयोग के नियमों के हिसाब से किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं है।

उसे सिर्फ एक फॉर्म भरना है और वह फिर से वोटर बन जाता है। एक तरफ इलेक्शन कमीशन कहता है कि किसी डॉक्यूमेंट की जरूरत नहीं है, दूसरी तरफ अधिकारियों, स्टाफ और कलेक्टरों के एक्स्ट्रा काम से बचने के लिए सभी को कैटेगरी 'सी' में डाल दिया गया है।

मोबाइल स्नैचिंग गिरोह का भंडाफोड़, 4 शातिर गिरफ्तार

नोएडा,10 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने एनसीआर में मोबाइल फोन स्नैचिंग और चोरी की बढ़ती वारदातों में शामिल एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में विजय उर्फ पाती, अमन, रितेश शर्मा और कमरू शामिल हैं। इनके कब्जे से 52 चोरी के मोबाइल फोन, चोरी की एक मोटरसाइकिल, एक घटना में इस्तेमाल बाइक और दो अवैध चाकू बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से इन आरोपियों की गतिविधियों का पता लगाया गया। इसके बाद सेक्टर-60 स्थित विलमैर सिचवर कंपनी के पास सर्विस रोड से चारों को गिरफ्तार किया गया। गैंग के सदस्य चोरी की मोटरसाइकिल पर घूमकर नोएडा, गुरुग्राम, दिल्ली और एनसीआर में मोबाइल स्नैचिंग करते थे।इसके अलावा, ये लोग पीजी और घरों की रेकी करके मोबाइल व लैपटॉप चोरी करते थे। अभियुक्त रितेश, जिसकी मोबाइल रिपेयर की दुकान है, चोरी के फोन अनलॉक कराकर दिल्ली के चोर बाजार में बेच देता था। रकम मिलने के बाद चारों इसे आपस में बांट लेते थे। गिरोह के मास्टरमाइंड विजय और कमरू कई बार जेल जा चुके हैं। जिनमें सेक्टर-62 शक्ति कुंज अपार्टमेंट के पास चैन स्नैचिंग, 3 दिसंबर को सेक्टर-63 से मोटोरोला फोन छीनना, सेक्टर-68 ट्रांसपोर्ट नगर से रियलमी क्लासिक फोन छीनना, सेक्टर-64, 65 और 66 समेत कई क्षेत्रों में आईफोन 13, आईफोन 16 और आईफोन 14 प्रो मैक्स सहित कई हाई-एंड मोबाइल छीनना और सेक्टर-121 के क्लियो काउंटी गेट नंबर-3 से आईफोन 16 की लूट भी इनकी घटनाओं में शामिल थे।

ग्रेटर नोएडा पहुंचे अखिलेश यादव, योगी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

ग्रेटर नोएडा,10 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को ग्रेटर नोएडा के बिसरख गांव पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय जगत सिंह भाटी ग्रामीण टूर्नामेंट के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किया। यह कार्यक्रम सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व युवा सभा नेता द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखे राजनीतिक हमले किए और कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। अखिलेश यादव ने एनसीआर और वेस्टर्न यूपी में बढ़ते वायु प्रदूषण पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पेड़ों की पत्तियों पर जम चुकी मोटी धूल इस बात का संकेत है कि लोगों के फेफड़ों का भी हाल खराब होता जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि न केंद्र सरकार और न ही यूपी सरकार ने पर्यावरण सुधार को कभी प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि वेस्टर्न यूपी का कचरा कन्नौज तक पहुंच रहा है, जो बाद में गंगा में मिलता है, लेकिन गंगा की सफाई के नाम पर केवल बजट साफ हुआ, नदी नहीं।

अखिलेश यादव ने सर (समरी रिवीजन) के बहाने सरकार पर एनआरसी लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि यूपी में 5 करोड़ लोगों को दोबारा फॉर्म भरना पड़ेगा और बीएलओ बिना ट्रेनिंग के काम कर रहे हैं। यह पूरी प्रक्रिया वोट हटाने के लिए बनाई गई

है, जोड़ने के लिए नहीं।

उन्होंने कहा, अगर सर में वोट कटे, तो सरकार आपसे न जाने कौन सा कागज ढूंढवाएगी। यह सर नहीं एनआरसी है। अखिलेश ने इलेक्शन कमीशन के मैपिंग एप पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह जांच होनी चाहिए कि कहीं ये वही कंपनी तो नहीं बना रही, जिसने बीजेपी को इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से पैसा दिया हो।

अखिलेश यादव ने दावा किया कि 2027 के चुनाव में योगी आदित्यनाथ की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि जनता ही नहीं, बीजेपी के कई नेता भी मौजूदा मुख्यमंत्री को हटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अखलाक मामले में तक केस वापस किए जा रहे हैं और सरकार कानून के नाम पर पक्षपात कर रही है।

उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट का काम अभी पूरा नहीं हुआ है और इसकी अंतिम एनओसी सपा सरकार में दी गई थी। कोडीन कफ सिरप मामले पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस मामले में बुलडोजर का ड्राइवर ही बुलडोजर छोड़कर भाग गया, क्योंकि इसमें स्वजातीय लोग शामिल हैं।

ईवीएम पर दोबारा सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अमेरिका, जापान, और जर्मनी जैसे विकसित देश आज भी बैलेट पेपर से चुनाव कराते हैं। उन्होंने कहा कि यही सबसे बड़ा चुनाव सुधार होगा, जिसे भारत को भी अपनाना चाहिए। सरकार द्वारा रोहिंग्या और घुसपैठियों के मुद्दे पर कार्रवाई को लेकर अखिलेश ने कहा कि 11 साल बाद उन्हें ढूंढने की बात कहना सरकार की विफलता है।फिल्म सिटी को लेकर उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास इतने कलाकार मंत्री हैं कि उन्हें फिल्म सिटी की जरूरत ही नहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि जो लोग पीडीए के परिवार का घर गंगाजल से धुलवाते हैं, महाकुंभ में मौतों का आंकड़ा छिपाते हैं और पीड़ितों को ब्लैक मनी देते हैं, वही असली 'जंगली' हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में खुद मुख्यमंत्री तक को कभी माफिया कहा जा चुका है।

महाकुंभ के आयोजन के बाद माघ मेला-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में

लखनऊ,10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के बाद अब राज्य सरकार माघ मेला-2026 को भी अभूतपूर्व, व्यवस्थित और सौंदर्यपूर्ण स्वरूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में माघ मेले की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष प्रतीक चिन्ह का अनावरण, सेक्टरवार रंग योजना और अवसंरचनात्मक सुधारों पर विशेष चर्चा हुई थी। इस बार अनुमानित है कि प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु संगम पर पवित्र स्नान करेंगे, जिनमें प्रतिदिन आने वाले लाखों कल्पवासी भी शामिल होंगे।

अधिकारियों ने बताया कि पूरा मेला क्षेत्र रंग-समन्वित थीम पर आधारित होगा। हर सेक्टर एकरूपता का अनुभव कराएगा। मेले को सुसंगत और आकर्षक रूप देने के लिए सातों सेक्टर्स और सात पॉन्टून पुलों को सात ऊर्जा चक्रों के अनुरूप रंगों से सजाया जाएगा। हर सेक्टर की चहारदीवारी पर 3 फुट चौड़ी सीमांकन पट्टी बनाई जाएगी, जिससे मेले का आकार दृष्टिगत रूप से स्पष्ट, व्यवस्थित और सुंदर दिखाई देगा। सभी सेक्टर्स में उत्तर प्रदेश सरकार और माघ मेला-2026 का प्रतीक चिन्ह अंकित होगा। विभिन्न घाटों पर उपलब्ध चेंजिंग रूम भी सेक्टरवार रंग योजना के अनुरूप तैयार किए जाएंगे।

पहले की तुलना में दोगुनी क्षमता, रंग योजनाओं से मेल खाते हुए होंगे। अब 2 यूनिट में 2 के स्थान पर 4 लोग एक साथ सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। इससे भीड़ प्रबंधन अधिक सुचारू और सुविधाजनक होगा तथा मेले की एकरूपता कायम रहेगी।

एक अधिकारी ने बताया कि सातों पॉन्टून पुलों को इंद्रधनुषी सात रंगों से सजाया जाएगा। पुलों पर लगी लाइट और पोलों पर लगी एलईडी लाइटें धार्मिक चिन्हों के साथ प्रदर्शित होंगी, जो दिन और रात दोनों समय आकर्षण का केंद्र रहेंगी। हर पुल पर रंग अनुरूप झंडे लगाए जाएंगे। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलों पर कैनोपी का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि माघ मेला-2026 न केवल धार्मिक भावना का प्रतीक हो, बल्कि साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात, चिकित्सा सुविधाओं और आधुनिक अवसंरचना के मामले में भी देशभर के मेला आयोजनों के लिए एक आदर्श बने। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में मेला प्रशासन श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित, व्यवस्थित, आध्यात्मिक और विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने में जुट गया है।

एनसीआर में आठ दिन बाद थोड़ी राहत, एक्यूआई 'ऑरेंज' श्रेणी में पहुंचा, तेज हवाओं से टूटी प्रदूषण की चादर

नोएडा,10 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में लगातार आठ दिनों तक अति-गंभीर प्रदूषण स्तर झेलने के बाद मंगलवार को हवा की रफ्तार बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में मामूली सुधार दर्ज किया गया है। नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 'ऑरेंज' और 'रेड' के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा। हालांकि विशेषज्ञों ने इसे अस्थायी राहत बताया है। नोएडा में पीएम2.5 स्तर में गिरावट, कई स्टेशन ऑरेंज श्रेणी में दर्ज किए गए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 की शुरुआत से 8 दिन लगातार एक्यूआई 'रेड' श्रेणी में रहा। 1 दिसंबर को नोएडा में पीएम2.5 का स्तर 321 दर्ज किया गया, 2 दिसंबर को यह 395, 3 दिसंबर को 365, जबकि 6 दिसंबर तक अधिकांश दिन 300 से ऊपर ही रहा। 9 दिसंबर को पहली बार सूचकांक में गिरावट दिखी और पीएम2.5 स्तर 285 पर आ गया, जो 'ऑरेंज' श्रेणी में आता है।नोएडा में बुधवार के एक्यूआई की बात करें तो सेक्टर-125 में 296, सेक्टर-62 में 236, सेक्टर-116 में 294 दर्ज किया गया। यानी, ज्यादातर स्टेशनों पर हवा बेहद खराब से खराब की श्रेणी तक पहुंच गई है, जो पिछले आठ दिनों की तुलना में राहत भरा स्तर है। गाजियाबाद में भी सुधार देखने को मिला है, हालांकि लोनी में अभी भी एक्यूआई रेड जोन में ही है।गाजियाबाद के आंकड़ों के अनुसार, इंदिरापुरम में 249, संजय नगर में 231, लेकिन लोनी का स्तर अब भी गंभीर स्थिति में बना हुआ है, जहां 319 का एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के कई स्टेशन भी 'ऑरेंज' जोन में हैं। दिल्ली में भी प्रदूषण के स्तर में गिरावट दर्ज की गई है, जिनमें अलीपुर में 263, आनंद विहार में 297, अशोक विहार में 287, अया नगर में 183 और हालांकि बवाना में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां एक्यूआई 320 दर्ज हुआ है।

यूपी विधानसभा का शीतकालीन सत्र 19 से अनुपूरक बजट पेश करेगी योगी सरकार

लखनऊ,10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 19 दिसंबर से शुरू होगा। मंगलवार को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के माध्यम से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। अब औपचारिक अनुमोदन के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। वित्त और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना के मुताबिक बताया,यह सत्र काफी छोटा रहने की संभावना है। 24 दिसंबर तक संचालित किए जाने का अनुमान है। सत्र की अवधि छोटी है लेकिन इस दौरान कई महत्वपूर्ण विधायी और वित्तीय कार्यों को निपटाया जाएगा।राज्य सरकार शीतकालीन सत्र के दौरान चालू वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी। अनुपूरक बजट उन अतिरिक्त खर्चों और नई योजनाओं के

लिए आवश्यक होता है, जिनके लिए मुख्य बजट में प्रावधान नहीं किया गया था या जो बाद में सामने आए हैं। यह बजट प्रदेश के विकास कार्यों को गति देने और कुछ नई घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए महत्वपूर्ण होगा।माना जा रहा है कि दोनों सदनों विधानसभा और विधान परिषद में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा हो सकती है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों को त्रुटि रहित बनाना है। विपक्ष द्वारा अक्सर मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते रहे हैं, ऐसे में यह विषय सदन में गरमागरम बहस का मुद्दा बन सकता है।सरकार की कोशिश रहेगी कि वह अनुपूरक बजट को पारित कराने के साथ ही अन्य आवश्यक अध्यादेशों के प्रतिस्थानी विधेयक रिप्लेसिंग बिल को भी कानून का रूप दे सके। विपक्षी दल, कानून व्यवस्था, किसानों के मुद्दे और विकास कार्यों में हुई कथित देरी को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे, जिसके चलते सदन में हंगामा होने की भी पूरी संभावना है।

शिक्षामित्रों की हो सकती है 'घर वापसी'

लखनऊ,10 दिसंबर (एजेंसियां)। शिक्षा मित्रों को मूल विद्यालय में वापसी का मौका मिलेगा। इस बाबत संशोधित शासनादेश जारी कर दिया गया है। जिला स्तर पर प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दे दिए गए हैं। विवाहित महिला शिक्षा मित्र अपने मूल विद्यालय के अलावा अपनी ससुराल का नजदीकी स्कूल भी चुन सकेंगी।सपा सरकार में प्रदेश के 1.37 लाख शिक्षा मित्रों को शिक्षक बनाया गया था। शिक्षक बनने पर उनको दूसरे ब्लॉक में पोस्टिंग दी गई थी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उनका बतौर शिक्षक किया गया समायोजन रद्द कर दिया गया। वे फिर से शिक्षा मित्र बन गए, लेकिन मूल विद्यालय से दूर हो गए। शिक्षा मित्र अपने मूल विद्यालय में वापसी की मांग कर रहे हैं। सरकार ने इस साल मार्च और फिर जून में इस बाबत शासनादेश जारी किए, लेकिन अब तक तबादला प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी। महिला शिक्षा मित्रों के अपनी ससुराल का विकल्प चुनने सहित कुछ मुद्दों पर विभाग ने एक बार फिर शासन से राय मांगी थी। इस पर शासन ने अनुमति दे दी है। जल्द ही प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए हैं।शिक्षा मित्रों के लिए इसमें सभी विकल्प खुले रखे गए हैं। जो मूल विद्यालय में नहीं आना चाहते, उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

नशे से बचकर ही खुद को और देश के भविष्य को बचा पाएंगे युवा : योगी

गोरखपुर,10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज युवाओं के सामने दो चुनौतियां हैं: एक ड्रग्स का नशा और दूसरा मोबाइल या स्मार्टफोन का नशा। इन दोनों ही नशे से बचना होगा। इनसे युवा जितना बच पाएंगे, उतना ही खुद को और देश के भविष्य को भी बचा पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पाएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन पर आयोजित मुख्य महोत्सव की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह का स्वागत करते हुए सीएम योगी ने युवाओं को मोबाइल फोन के नशे से दूर रहने की सलाह दी। एक शिक्षक और अभिभावक के रूप में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आपको सतर्क रहना होगा क्योंकि नशा माफिया तेजी के साथ युवा पीढ़ी को अपनी चपेट में लेने का कुत्सित प्रयास करता है। अकादमिक संस्थाओं को भी इसके प्रति उतना ही अलर्ट रहना पड़ेगा। युवाओं को इसके खिलाफ एक नई लड़ाई लड़ने के लिए अपने आप को तैयार करना पड़ेगा क्योंकि देश का दुश्मन किसी न किसी रूप में आपके बीच में घुसना चाहता है। उसको हम अवसर नहीं दें।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि स्मार्टफोन पर युवाओं का अत्यधिक समय खर्च हो रहा है,

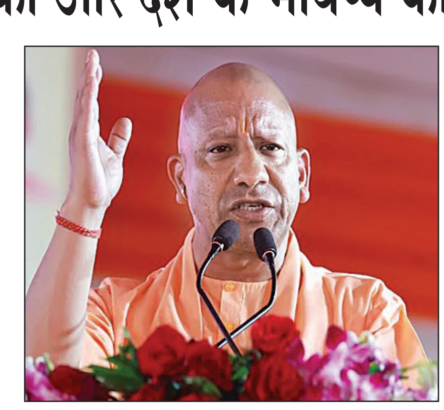

इसको कम करना होगा। उन्होंने युवाओं को समझाया, हालांकि एकाएक यह कर पाना कठिन होगा, इसलिए धीरे-धीरे कम करिए। आवश्यक हो तभी आधा या एक घंटा तक ही आप मोबाइल फोन का इस्तेमाल करिए। समय तय करिए कि मुझे जब आवश्यक बात करनी है तभी बात करूंगा, अनावश्यक नहीं। स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी आंख की साइट को प्रभावित करेगा। मस्तिष्क को कुंद कर देगा, बुद्धि, विवेक और शारीरिक क्षमता को भी यह पूरी तरह कमजोर कर देगा। इसलिए स्मार्टफोन से जितना बच सकते हैं, बचने का प्रयास करना चाहिए।

समय और तकनीक के साथ चलते हुए भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की सीख देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुकी है। हममें से कोई व्यक्ति उससे अपने आप को अलग नहीं कर सकता। हमें करना भी नहीं चाहिए। हमें उस मानसिकता से भी उबरना पड़ेगा कि तकनीक आएगी तो रोजगार के अवसर कम करेगी। यह तथ्य सही नहीं है, बल्कि तकनीक आएगी और रोजगार के नए अवसर अपने आप ही जुड़ जाएंगे। हमें अपने आप को उसके अनुरूप शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा।

समारोह में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में जीतता वही है जो हिम्मत नहीं हारता है और धैर्य बनाए रखता है। जीवन में हार तभी होती है जब हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक होता है। दूसरों को कोसने की बजाय, अंधकार को धिक्कारने की बजाय, यदि हम 'आओ मिलकर दीया जलाएं' का काम करने लग जाएं, हर व्यक्ति मिलकर एक साथ आगे बढ़ने लग जाए तो कहीं भी अंधकार नहीं रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल एक गेम में नहीं बल्कि पूरी जनरेशन में उपयोगी होता है। हमें अपने आप को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से, टीम वर्क से जोड़ना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि यह भी याद रखना होगा कि शॉर्टकट का रास्ता कभी जीवन में सफलता नहीं प्रदान कर सकता है। हर व्यक्ति और संस्था को हमेशा इस बात के लिए तैयार होना होगा कि तकनीक जितना आसान जीवन को कर रही है, उतनी ही चुनौतियां और कठिनाई भी हमारे सामने प्रस्तुत कर रही है। युवाओं और अकादमिक संस्थाओं को उसके प्रति अपने आप को तैयार करना होगा।

ठंड से बचना है, तो एक नजर इधर भी

सर्दियों के आते ही हम सब को कई तहर की नसीहतें मिलने लगती हैं। जैसे ठंडी चीजें मत खाओ वरना बीमार पड जाओगे, इस मौसम के लिए यह ठीक नहीं है। यह तुम्हें सर्दी से राहते दिलाएगा। ऐसे में मन परेशान हो उठता है और कई बार तय कर पाना मुश्किल हो जाता है। कि इस सीजन में में हमारे लिए क्या सही और क्या गलत है। कुछ विशेषज्ञों की सलाह से आपकी इसी समस्या को दूर करने की कोशिश की जा रही है। तो आइए जानते हैं–

बाहर जाते समय सिर और कान जरूर ढकना चाहिए-

यह सह है। भले ही नानी–दादी के जमाने का यह आइडिया आपको पसंद ना आए, पर सच्चाई यही है कि हमारे कंधे से ऊपर के हिस्से में रक्त संचार की गति सबसे तेज होती है। इसी कारण सिर से सबसे ज्यादा हीट रेडिएट होता है। इसलिए अगर घर से बाहर निकलते वक्त सिर ढंक कर रखा जाए तो हीट सिर से बाहर नहीं निकल पाता और ठंडक का एहसास कम होता है। इसके अलावा कान के जरिये सर्द हवाएं हमारे नाक, गला और मस्तिष्क तक पहुंचकर उन्हें नुकसान पहुंचाती हैं। इसलिए सर्दियों में घर से बाहर निकलते समय सिर, कान और गला अच्छी तरह ढक कर रखना चाहिए।

रूम हीटर देर तक न चलाएं-

पूरी तरह ठीक है। दरअसल रूम हीटर वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन और नमी को सोख लेता है। इससे कमरे में मौजूद लोगों को सांस लेने में तकलीफ, खांसी और सिरदर्द जैसी परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए कमरे में लगातार रूम हीटर नहीं चलाना चाहिए। हीटर चलाते समय उसके सामने एक बर्तन में पानी भरकर रखें। इससे वातावरण में नमी बनी रहती है। वैसे, आजकल ऑयल हीटर भी मिलते हैं, जो कमरे में तापमान, नमी और ऑक्सीजन के स्तर को संतुलित रखते हैं।

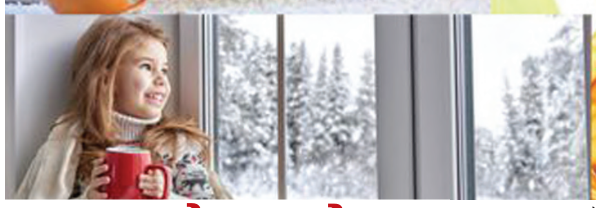

इस मौसम में हाइपरटेंशन, डिप्रेशन और हाई ब्लडप्रेशर की समस्या बढ़ जाती है

इस मौसम में अंतस्त्रावी ग्रंथियों से कुछ ऐसे हॉर्मोस निकलते हैं, जो शरीर में तनाव का स्तर और ब्लडप्रेशन बढाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में अपने खानपान में नमक और घी तेल का यूज सीमित मात्रा में करें। अकेले रहने के बजाय ज्यादा से ज्यादा समय लोगों के बीच बिताने की कोशिश करें। इससे आप डिप्रेशन और हाइपरटेंशन जैसी समस्याओं से बचे रहेंगे। अगर आप हाई ब्लेडप्रेशर के मरीज हैं तो अपनी दवाओं का नियमित रूप से सेवन करें।

सही है। ठंड से बचने के लिए इस मौसम में हमारा शरीर ज्यादा ऊर्जा बनाता है और उसे अतिरिक्त कैलरी की जरूरत होती है। इसीलिए स्वाभाविक रूप से हमारे शरीर का बेसिक मेटाबॉलिक रेट बढ जाता हे। इसी वजह से इस मौसम में हम जो भी खाते हैं, वह आसानी से पच जाता है और भोजन के प्रति हमारी रूचि बढ जाती है। सबसे अच्छी आत तो यह है कि इस मौसम में पौष्टिक गुणों से भरपूर फलों और सब्जियों की इतनी वरायटी मौजूद होती है कि इस मौसम में आप सेहत बनाने के साथ स्वादों की विविधता का भी पूरा आनंद उठा सकते हैं। इसीलिए जाडे को हैल्दी सीजन कहा जाता है, पर इस मौसम में आपका घी–तेल, मक्खन, चीनी और ड्राई फरूट्स जैसी ज्यादा कैलरी वाली चीजों का सेवन संतुलित मात्रा में करना चाहिए, ताकि सर्दियों के बाद आप ओवरवेट ना हों। बेशक, इस मौसम में मिलने वाली हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन आपका इम्यून सिस्टम मजबूत में मददगार साबित होगा।

एस्थमा के मरीजों के लिए अच्छा नहीं है

यह सच है, लेकिन सर्दियों की शुरूआत और इस मौसम के अंतिम दौर में यह परेशानी और ज्यादा बढ जाती है। दरअसल इस मौसम में फूलों के परागकण हवा में उडते रहते हैं। इससे एस्थमा के मरीजों की एलर्जी बढ जाती है। इसके अलावा सर्दियों में पूरे वातावरण में धूलकणों और गाडियों के धुएं का गहराआवरण छाया रहता है, जिसे स्मॉग कहा जाता है। अतः इस मौसम में कार का शीशा हमेशा बंद रखें। अपने घर के भीतर कॉर्पेट और परदों की सफाई का विशेष ध्यान रखें। एस्थमा के मरीज रात को करमरे की सारी खिडकियां बंद ना करें। इससे उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। घर से बाहर जाते समय इनहेलर हमेशा अपने साथ रखें।

अपनाएंगे ये टिप्स तो नहीं होंगे बाल रुखे और बेजान

बाल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। अगर बाल अच्छे ना हों तो आप कितनी भी कोशिश कर लें आपकी खूबसूरती में कहीं न कहीं कमी रह जाती है। यही कारण है कि जितनी देखभाल त्वचा की की जाती है उससे ज्यादा देखभाल अपने बालों की भी की जानी चाहिए। सर्दियों में न सिर्फ आपके त्वचा रुखी और बेजान हो जाती है बल्कि आप अपने बालों के साथ भी यही समस्याओं का सामना करते हैं। हालांकि बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट मौजूद हैं जो आपके बालों को सर्दियों में मजबूत और खूबसूरत बनाने के दावा करते हैं लेकिन इस मामले में घरेलू नुस्खे उनसे ज्यादा प्रभावी होते हैं। इसे अपनाने से आपके बाल न केवल नेचुरली ब्यूटीफुल होंगे बल्कि उनमें जरुरी चमक और नर्माहट भी आएगी। ये आपके बालों में नमी बनाये रखने में मददगार साबित होगा। पेश है ये टिप्स–

केले और जैतून के तेल का प्रयोग

केले की प्यूरी और जैतून के तेल को आपस में मिला कर मिक्सचर बना लें। इसका प्रयोग सिर की त्वचा और बालों पर करें। आधे घंटे छोड़ने के बाद इसे किसी अच्छे माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे आप स्वस्थ और नर्म बाल पा सकते हैं।

बालों के लिए प्रभावी नारियल का तेल

नारियल का तेल बालों के लिए हमेशा से बेस्ट साबित हुआ है। अगर सर्दियों में रुखे बालों से परेशान हैं तो इनमें नारियल का तेल लगाकर रातभर के लिए छोड़ दें। इससे आपके बाल घने और बाउंसी होंगे साथ ही ये आपके बालों में नमी को बढ़ाता है।

बालों का झड़ना कैसे रोकें

सर्दियों में रुखेपन की वजह से डैंड्रफ एक आम समस्या बन जाती है जिसकी वजह से बालों के झड़ने की समस्या भी उत्पन्न हो जाती है। इसके उपचार के लिए आलू, चाय और नींबू के का पेस्ट बना लें फिर इसे बालों पर लगायें। कुछ देर छोड़ने के बाद शैंपू कर लें। ब्लो ड्राई करने के बाद अपने बालों की खूबसूरती देखें।

घने बालों के लिए इस्तेमाल करें लौकी

लौकी और शहद का पेस्ट बना कर हेयर पैक तैयार कर लें। इसे सिर की त्वचा और बालों पर प्रयोग करें। 15 मिनट तक छोड़ने के पश्चात नरम और मुलायम बाल प्राप्त करें।

गर्म तेल का ट्रीटमेंट

बालों में तेल लगाना बहुत जरुरी होता है इसके लिए कोई भी तेल जैसे बादाम, जैतून या नारियल का तेल ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आप बादाम का तेल, जैतून का तेल और नारियल के तेल को बराबर मात्रा में लेकर 4–5 मिनट के लिए गर्म कर लें। अधिक गर्म तेल आपके बालों को और सिर को नुक्सान पहुंचा सकता है। सिर में हल्के गुनगुने तेल को अपनी उंगलियों की सहायता से 5–10 तक मालिश करें। इसके बाद बालों पर एक गर्म तौलिया लपेंटें। एक या दो घंटे के लिए छोड़ दें फिर हल्के शैंपू से धो लें।

केला और एवोकैडो का ट्रीटमेंट

एक पका केला और दो पका एवोकैडो को अच्छी तरह से मैश करके मिक्स कर लें। इस मिश्रण को अपने बालों पर लगा लें। से बालों पर 20–30 मिनट के लिए छोड़ दें फिर इसे सादे पानी और एक हल्के शैंपू से धो लें। ये ट्रीटमें ट आपके बालों में नमी बनाये रखने में सहायक होता है।

अंडे का ट्रीटमेंट

एख कटोरी में दो अंडे की सफेदी लेकर इसमें चार बड़े चम्मच पानी को मिला लें। इसे अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण को पूरे बालों पर लगायें। अब इसे 30–40 मिनट के लिए छोड़ दें फिर सादे पानी और शैंपू से धो लें। ये उपचार भी आपके बालों में नमी को बरकरार रखता है।

चावल के दूध से ट्रीटमेंट

चावल को पानी के साथ पीसकर चावल का दूध तैयार किया जाता है। इस एक कप दूध में तीन बड़े चम्मच शहद मिलायें। इस मिश्रण को अपने बालों की जड़ों पर टिप्स और लटों पर अच्छी तरह से लगायें। 5 से 20 मिनट के लिए छोड़ने के बाद इसे सादे पानी से धो लें। इससे आपके बालों में अच्छी खूशबू आएगी। इससे आप चमकदार और चिकने बाल पा सकते हैं।

सफर के दौरान बचना चाहते हैं हर परेशानी से, तो ध्यान रखें ये टिप्स

घूमने जाने के लिए आप कितनी भी तैयारियां कर लें, हमेशा कुछ न कुछ छूट ही जाता है. पर इसका मतलब ये नहीं है कि आप अगर कहीं जा रहे हैं तो बैग में जितना मर्जी सामान पैक कर लें. ट्रेवल के दौरान ऐसी किन बातों का ध्यान रखा जाए जो आपकी यात्रा को मज़ेदार बना दे, आइए जानते हैं.

■ ट्रेवल के दौरान कई सिक्योरिटी एप्स को अपने फोन में डाऊनलोड करके रखें. ये सफर में मुश्किल होने के दौरान आपके लिए मददगार साबित हो सकती हैं. मैप्स, होटल से लेकर फ्लाइट्स और लेंग्वेज ट्रांसलेटर्स तक ये एप्स आपकी मदद कर सकते हैं.

■ किसी भी बीमारी को संभालने के लिए अपने पास दवाईयां हमेशा रखें. डॉक्टर्स द्वारा बताई गई पैन किलर्स, एंटी फगल क्रीम, एंटीबॉडी दवाईयों को अपने बैग में ज़रूर रखें.

■ अपने बैग में स्कार्फ ज़रूर रखें। ये काफी हल्के होते हैं और आपके आऊटफिट को स्टाइलिश लुक भी देते हैं.

■ अपने सामान की सही पहचान के लिए इसे कस्टमाइज़ करें। अपने बैग के हैंडल या बेल्ट पर आप कलरफुल रिबन बांध दें, ताकि ये आसानी से पहचाना जा सके.

■ अपने बैग में कुछ ऐसे स्नैक्स भी रखें, जो आपकी हल्का–फुल्का खाने की इच्छा को पूरा कर सकें.

■ आप जिस भी जगह पर घूमने जा रहे हैं, वहां के टूरिज्म से जुड़ी वेबसाइट पर एक बार नज़र ज़रूर डाल लें.

सर्दी छू भी नहीं पाएगी आपके बच्चों को

जैसे–जैसे मौसम के तापमान में कमी होती जाती है पेरेंट्स के लिए अपने बच्चों को गर्म और स्वस्थ रखने की चिंता बढ़ जाती है। इस मौसम में उन्हें हेल्दी रखने के लिए एक्स्ट्रा केयर की जरुरत पड़ती है। बच्चों का बाहर खेलना उनका फेवरेट होता है। ऐसे में पेरेंट्स की रिस्पॉसिब्लिटी बनती है उन्हें सुरक्षित रखने और ठंड से बचाने की ताकि वे अपनी हॉबी से भी दूर ना रहें और सर्दी के खतरों से भी बच जायें। दूसरी तरफ छोटे बच्चों की बात की जाए तो उन्हें जल्दी सर्दियां लग जाती है। यहां ऐसे ही बच्चों को सर्दी से बचाने के कुछ टिप्स दिये जा रहे हैं।

■ अपने बच्चों को कवर करते समय इस बात को सुनिश्चित कर लें उनका हाथ, गला और सिर पूरी तरह से कवर्ड हैं। छोटे बच्चों को एडल्ट बच्चों की तुलना में में एक लेयर ज्यादा कपड़े पहनाने की जरुरत होती है। उन्हें कपडे पहनाते समय भी कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना जरुरी है। हुडेड ड्रेस और स्कार्फ पहनाने की जगह कोई दूसरा ऑप्शन सेलेक्ट करें। क्योंकि ये आपके बच्चे के गले में प्रॉब्लम भी कर सकता है जिससे वे सफोकेशन में जा सकते हैं।

■ उन पर नजर रखतें रहें कि वे कहीं किसी कारण से गीले तो नहीं हो रहे हैं। क्योंकि अक्सर बच्चो को कुछ फर्क नहीं पड़ता और वे बाहर ही खेलना पसंद करते हैं और खेल खेल में मस्ती में गीले होकर आ जाते हैं।

■ घर पर स्मोक और कार्बनमोनोक्साइड अलार्म इंस्टॉल करें। जिससे आग लगने का खतरा कम जाए। स्कीइंग स्नोबोर्डिंग, स्लेडिंग और आइस हॉकी खेलने के लिए उत्सुक बच्चों को अच्छी तरह से हेलमेट और सारी एक्सेसरीज से लैस कर रखें।

■ सर्दियों में बच्चों के नाक बहने की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में उनके कमरे को प्रॉपर तरीके से गर्म रखने की व्यवस्था करें। सैलिन नोज ड्रॉप इसमें आपकी मदद कर सकता है।

■ उन्हें जितना हो सके हाईड्रेटेड रखने की कोशिश करें। अक्सर सर्दियों में बच्चों को नमी कम पड़ जाती है। इससे बचने के लिए समय समय पर उन्हें गर्म सूप देते रहें। सर्दी के मौसम में उनके शरीर पर किसी तरह के निशान तो नहीं पड़ रहे हैं इस बात का भी विशेष ध्यान रखें।

■ ठंड लग जाने पर उन्हें गर्म पानी के संपर्क में लेकर आएं। ठंड लग जाने पर बच्चे साधारणत कांपने लगते हैं और उनकी आवाज भी कांपने लगती है। बार बार उनके हाथ धुलाने की आदत बनाये रखें ये उन्हें बाहरी पॉल्युशन से बचाये रखता है।

गुनगुने पानी से नहाने के होते हैं फायदे

दिल्ली समेत उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है, पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने तापमान को और गिरा दिया है और? ठिठुरन बढ़ गई है। ऐसे मौसम में भला कौन बिना गर्मी पानी के नहाना चाहेगा। अगर आप गुनगुने पानी से नहाते हैं तो आपको कई फायदे होते हैं...

1. ऐसा माना जाता है कि गुनगुने पानी से नहाने पर शरीर की अच्छी तरह से सफाई हो जाती है क्योंकि गर्म तापमान से कई तरह के कीटाणु मर जाते हैं।

2. सर्दी और जुकाम में गुनगुने पानी से नहाने से फायदा होता है। गर्म पानी और भाप से बंद नाक खुलने में आसानी होती है, गला भी साफ होता है।

3. गुनगुने पानी में नहाने से अनिद्रा की बीमारी दूर होती है। अच्छी नीद आती है।

4. अगर आप गुनगुने पानी से नहाते हैं तो तनाव कम करने में मदद मिलती है। चोटिल मांसपेसियों को आराम मिलता है।

5. कुछ अध्ययन में पाया गया है कि गुनगुने पानी से नहाने पर शुगर लेवल कम होता है। शुगर से पीड़ति लोगों के लिए गुनगुने पानी से नहाना फायदेमंद हो सकता है।

6. जिन लोगों के हड्डियों के जोड़ों में दर्द होता है उनको गुनगुने पानी से नहाने पर आराम मिलता है। इससे हड्डियों और नसों की सूजन कम होती है।

7. सर्दी के मौसम में हल्के गुनगुने पानी से नहाना चाहिए, लेकिन ध्यान रहे कि पानी ज्यादा गर्म ना हो। ज्यादा गर्म पानी से त्वचा की नमी खत्म हो जाती है।

नोट ■ इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

संपादकीय

पुनरीक्षण पर सुप्रीम मोहर

मतदाता सूचियों की शुद्धता व पारदर्शी चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं। साथ ही अदालत ने इस प्रक्रिया पर किसी तरह की रोक लगाने से इनकार किया। इसके अलावा अदालत का कहना था कि यदि भविष्य में किसी तरह की अनियमितता सामने आती है तो तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए जाएंगे। निस्संदेह, विगत में भी देश में समय-समय पर मतदाता सूचियों में पुनरीक्षण का कार्य होता रहा है। लेकिन यह कभी इतना बड़ा राजनीतिक विरोध का मुद्दा नहीं बना। बहरहाल, अदालत के इस आदेश के बाद विशेष गहन पुनरीक्षण को मुद्दा बनाकर विरोध करने वाले राजनीतिक दलों को झटका अवश्य लगा होगा। हालांकि, इससे पहले भी अदालत ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार किया था। साथ ही उससे जुड़ी विसंगतियों को दूर करने को जरूरी निर्देश अवश्य दिए थे। जहां तक बूथ लेवल अधिकारियों पर काम के दबाव का सवाल है तो निश्चित ही यह एक श्रम साध्य कार्य है। इस काम में लगे शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े दस्तावेजों के प्रमाणीकरण और शिकायतों के निवारण में खासी माथापच्ची करनी पड़ती है। इसलिए बीएलओ के काम के बोझ को कम करने का प्रयास करना बेहद जरूरी है। जिसके लिये कर्मचारियों की संख्या तुरंत बढ़ाने की जरूरत है, जिससे बीएलओ का काम का बोझ कम हो सके। उन्हें साप्ताहिक अवकाश लेने का अवसर मिल सके। निस्संदेह, सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन नियुक्त कर्मचारियों के लिये अपरिहार्य है। ऐसी ही जटिलता का सामना कर्मचारियों को जनगणना आदि कार्यक्रमों व स्वास्थ्य से जुड़े मिशनों में करना पड़ता है। घर-घर जाना और लोगों की तल्ख प्रतिक्रियाओं का भी सामना करना पड़ सकता है। वहीं विशेष गहन पुनरीक्षण का विरोध कर रहे राजनीतिक दलों का भी दायित्व है कि वे अपने दल के बूथ स्तरीय अधिकारियों को बीएलओ की मदद करने को प्रेरित करें। महज सत्ता पक्ष की नीतियों के विरोध के लिये विरोध करना स्वस्थ लोकतंत्र के हित में नहीं कहा जा सकता। विपक्ष को लोकतंत्र के हित में विरोध के साथ रचनात्मक सहयोग भी करना चाहिए। लोकतंत्र को संबल देने वाली विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया को सफल बनाने में जहां सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका है, वहीं राजनीतिक दलों व आम नागरिकों के भी दायित्व हैं। नागरिकों को राष्ट्रीय कार्यों में नागरिक धर्म का भी निर्वाह करना चाहिए। आम लोगों की सजगता व सक्रियता बूथ लेवल अधिकारियों के बोझ को कुछ कम जरूर कर सकती है।

चुनावों के लिये चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को जारी रखने का निर्देश देकर देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को राहत ही दी है। वहीं दूसरी ओर संसद से सड़क तक एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश में लगे विपक्ष को इस निर्णय से बैकफुट पर आना पड़ेगा। दरअसल, विपक्षी दल बिहार में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर लगातार मुखर विरोध करते रहे हैं और मामला कई बार अदालत तक भी पहुंचा था। लेकिन बिहार में बहुत कम समय में यह काम पूरा हुआ और राज्य में नई सरकार भी चुन ली गई है। हालिया प्रक्रिया की कथित विसंगतियों के बाबत सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत के नेतृत्व वाली बेंच ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकारों के कर्मचारी एसआईआर व अन्य वैधानिक दायित्वों के निर्वहन के लिये बाध्य हैं। वहीं कोर्ट ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों को निर्देश दिए हैं कि एसआईआर में लगे बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाएं। इसके लिये अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों विशेष गहन पुनरीक्षण में लगे कई बीएलओ के तनाव से मरने व आत्महत्या करने के समाचार आए थे। जिसके चलते चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिये आगे बढ़ाया था। वहीं दूसरी ओर अदालत ने स्पष्ट किया कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारों को चुनौती नहीं दी जा सकती। यह भी कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसके पास मतदाता सूचियों में पारदर्शिता लाने के लिये एसआईआर को अंजाम देने के संवैधानिक व कानूनी अधिकार हैं।

क्लब की पहली मंजिल पर आग की लपटें उठने लगीं तथा उस वत्त वहां डांस फ्लोर पर 100 से अधिक पर्यंटक थे

मनोरंजन स्थल या मौत का अड्डा? गोवा नाइट क्लब अग्निकांड ने खोले सुरक्षा के राज

सुनील वुमार महला

राज्य सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों। मनोरंजन स्थल या मौत का अड्डा? गोवा नाइट क्लब अग्निकांड ने खोले सुरक्षा के राज गोवा के नाइट क्लब में लगी आग ने 25 लोगों की जान ले ली, वहीं 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें पांच पर्यंटक (तीन महिलाएं) तथा 20 क्लब के कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। इन पर्यटकों में चार दिल्ली के हैं तथा तीन एक ही परिवार के हैं, यह बहुत ही दुखद है। हाल फिलहाल, इस मामले में क्लब प्रबंधक समेत चार को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी अनुसार यह हादसा 6 दिसंबर 2025 शनिवार देर रात पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा नदी के पास स्थित 'बर्च बाईं रोमियो लेन' नाइट क्लब में हुआ। बताया जा रहा है कि उस समय क्लब में 200 से अधिक लोग मौजूद थे।

आंकड़े बताते हैं कि यह राज्य के जीडीपी का 16 प्रातिशत से भी ज्यादा हिस्सा है। इस साल गोवा में पर्यंटकों की संख्या भी बढ़ी है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं गोवा की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं, जो पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यंटकों से बदसलूकी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इसलिए राज्य सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों। मनोरंजन स्थल या मौत का अड्डा? गोवा नाइट क्लब अग्निकांड ने खोले सुरक्षा के राज गोवा के नाइट क्लब में लगी आग ने 25 लोगों की जान ले ली, वहीं 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं। इनमें पांच पर्यंटक (तीन महिलाएं) तथा 20 क्लब के कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। इन पर्यंटकों में चार दिल्ली के हैं तथा तीन एक ही परिवार के हैं, यह बहुत ही दुखद है। हाल फिलहाल, इस मामले में क्लब प्रबंधक समेत चार को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में उपलब्ध जानकारी अनुसार यह हादसा 6 दिसंबर 2025 शनिवार देर रात पणजी से 25 किलोमीटर दूर अरपोरा नदी के पास स्थित 'बर्च बाईं रोमियो लेन' नाइट क्लब में हुआ। बताया जा रहा है कि उस समय क्लब में 200 से अधिक लोग मौजूद थे। क्लब की पहली मंजिल पर आग की लपटें उठने लगीं तथा उस वत्त वहां डांस फ्लोर पर 100 से अधिक पर्यंटक थे। वुछ ही पल में क्लब में धुआं भर गया और भगदड़ मच गईं। जान बचाने के लिए लोग भूतल पर पहुंचे, लेकिन बाहर निकलने के दरवाजे छोटे और रास्ते संकरे होने से कईं लोग पंसे रह गए और आग ने पूरे क्लब को चपेट में ले लिया। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आशंका जताईं है कि क्लब के अंदर बिजली से संचालित आतिशबाजी के दौरान निकली तेज चिगारियों से आग भड़की। हालांकि, पुलिस ने प्रारंभिक जांच में इसे सिलेंडर फटने से लगी बताया है। वास्तव में आग किस कारण से लगी, यह तो जांच के बाद ही सामने आ पाएगा। हाल फिलहाल, आगजनी की इस घटना पर हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृह मंत्री अमित शाह ने गहरा शोक जताया है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि उत्तरी गोवा के इस नाइट क्लब में आग लगने से हुईं मौतों की वजह लापरवाही है। क्या यह हमारे देश की विडंबना नहीं है कि हमारे यहां कोईं घटना घट जाती है तो उसके बाद तत्परता दिखाईं जाती है। इससे पहले किसी चीज़ की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है। चाहे नाइट क्लब हों या मॉल हों, होटल हों या बहुमिंज़ला आवासीय इमारतें या कोईं भी ऊँची इमारत, आज आगजनी जैसी दुर्घटनाएँ न हों-इसके लिए बने नियमों को अक्सर खुलेआम ताक पर रख दिया जाता है। वास्तव में कड़वा सच तो यह है कि आज भवन निर्माण से लेकर उसके संचालन तक हर स्तर पर लापरवाही साफ दिखाईं देती है। फायर सेफ्टी के अनिवार्यं इंतज़ामजैसे अग्निशमन यंत्र, स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास द्वार और नियमित मॉक ड्रिल आदि या तो काग़जों तक सीमित रहते हैं या

फिर दिखावे के लिए लगाए जाते हैं। नाइट क्लबों और बंद हॉल जैसी जगहों पर अधिक भीड़, ज्वलनशील सजावटी सामग्री, तेज़ रोशनी और ध्वनि उपकरण आग के खतरे को और बढ़ा देते हैं, फिर भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम बात हो गईं है। क्या यह सबसे चिताजनक बात नहीं है कि कईं इमारतों को अग्निशमन विभाग से वैध एनओसी मिले बिना ही संचालित कर दिया जाता हैऔर जब कभी औपचारिक जांच होती भी है तो वह केवल खानापरूति बनकर रह जाती है। वास्तव में, मुनाफ़ा, जल्दबाज़ी और भ्रष्टाचार के गठजोड़ में इंसानी ज़िदगियाँ सबसे सस्ती हो जाती हैं। दुर्घटना होने के बाद वुछ दिनों तक शोर- शराबा होता है, जांच समितियाँ बनती हैं, दोषियों पर कार्रवाईं की बातें की जाती हैं, लेकिन समय गुजरते ही सब वुछ फिर पुराने ढर्रे पर लौट आता है। आगजनी की ये घटनाएँ हमें यह सिखाती हैं कि सुरक्षा कोईं विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। जब तक नियमों का सख्ती से पालन, नियमित निरीक्षण और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक नाइट क्लब हों या कोईं भी इमारत-हर जगह लोग मौत के साए में ही खुशियाँ मनाने को मजबूर रहेंगे। जरूरत इस बात की है कि कानून केवल किताबों में नहीं, जमीन पर भी उतरे, ताकि हर नागरिक नित होकर सुरक्षित जीवन जी सके। गोवा में आगजनी की इस घटना के बादजितनी तत्परता अब दिखाईं जा रही है, अगर ऐसी संजीदगी नियमों का पालन करने और कराने में होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। 6 दिसंबर 2025 शनिवार को हुईं यह घटना बताती है कि वैसे अनेकों बार छोटी-छोटी लापरवाहियाँ मिलकर बड़ी त्रासदी बन जाती हैं। शनिवार आधी रात को जब गोवा के इस नाइट क्लब में आग लगी, तब वहां लोग वीवेंड मनाने के लिए भारी संख्या में मौजूद थे। अचानक आग की लपटें और धुआं पैल गया। लोग घबरा गए, तथा वहां भगदड़ मच गईं और कईं लोगों को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला। उपलब्ध जानकारी के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ भी समय पर पास नहीं पहुंच सकीं, क्योंकि क्लब तक जाने का रास्ता बहुत संकरा था। आज अनियोजित शहरीकरण महानगरों में अनेक समस्याओं को लगातार जन्म दे रहा है। संकरे रास्ते, भीड़-भाड़ कहीं न कहीं समस्याओं को ही जन्म देते हैं। क्या यह चिताजनक बात नहीं है कि मनोरंजन के नाम पर खुल रहे नाईंट क्लब अक्सर सुरक्षा मानकों को ताक पर रखकर संचालित होते हैं। सबसे बड़ा खतरा तब पैदा होता है जब इन संकरी गलियों में स्थित क्लबों में आगजनी जैसी घटनाएँ होती हैं। दमकल की गाड़ियाँ इन स्थानों पर समय रहते पहुँच नहीं पातीं, निकासी के रास्ते अवरुद्ध होते हैं और भगदड़ में जान-माल का भारी नुकसान हो जाता है। हैरानी की बात यह है कि अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार, क्षमता से अधिक लोगों की मौजूदगी और अवैध निर्माण जैसे नियमों की खुलेआम अनदेखी होती है। प्रशासन की लापरवाही, सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार और नियमित निरीक्षण की कमी इन हादसों को और भयावह बना देती है। असल में, यह केवल एक नाइट क्लब या एक हादसे की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे शहरी ढांचे, प्रशासनिक व्यवस्था और हमारी सामाजिक ज़िम्मेदारी पर सवाल है। जब तक संकरी गलियों में बिना योजना के बने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सख्ती नहीं होगी और अग्नि-सुरक्षा नियमों का ईंमानदारी से पालन नहीं कराया जाएगा, तब तक ऐसे हादसे बार-बार निदरेष जिदगियाँ लीलते रहेंगे। उपलब्ध जानकारी अनुसार गोवा नाईंट क्लब मेंसजावट में ताड़ के सूखे पत्तों का इस्तेमाल किया गया था, जिससे आग और तेजी से पैल गईं। सबसे बड़ी लापरवाही यह रही कि इमरजेंसी एग्जिट की सही व्यवस्था नहीं थी। इसी वजह से वुछ लोग रास्ता भटककर किचन तक पहुंच गए, जहां से बाहर निकलने का कोईं रास्ता नहीं था और जान-माल का व्यापक नुक़सान हुआ। यह भी सामने आया है कि यह नाइट क्लब बिना किसी वैध अनुमति के चल रहा था और इसका निर्माण भी नियमों के खिलाफ था। यानी सुरक्षा से जुड़े नियमों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। यह पहली बार नहीं है, जब ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हुईं हो। गौरतलब है कि इसी साल यानी कि 2025 में मईं माह में हैदराबाद के गुलजार हौज इलाके में एक आवासीय इमारत में आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गईं थी, और वहां भी संकरे रास्ते और वेंटीलेशन को बड़ा कारण माना गया था। अब सरकार सभी क्लबों की जांच कराने की बात कर रही है, लेकिन सच्चाईं यह है कि इन जांचों को किसी हादसे के बाद नहीं, बल्कि पहले ही नियमित रूप से होना चाहिए। बिना लाइसेंस चल रहे क्लब, होटल और रेस्तरां बंद होने चाहिए और यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि वे खुलते वैसे हैं और सालों तक वैसे चलते रहते हैं? यह भी कि गोवा की अर्थव्यवस्था में पर्यंटन का बहुत बड़ा योगदान है। आंकड़े बताते हैं कि यह राज्य के जीडीपी का 16™ से भी ज्यादा हिस्सा है। इस साल गोवा में पर्यंटकों की संख्या भी बढ़ी है। ऐसे में इस तरह की घटनाएं गोवा की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं, जो पहले ही टैक्सी चालकों की मनमानी और पर्यंटकों से बदसलूकी जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। इसलिए राज्य सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाएं दोबारा न हों।

देश दुनिया से

सांसदों को पार्टी व्हिप से 'आजादी' क्यों दिलवाना चाहते हैं मनीष तिवारी?

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने संसद में ऐसा गैर-सरकारी विधेयक पेश किया है जो भारतीय संसदीय लोकतंत्र की बहस को नई दिशा दे सकता है। हम आपको बता दें कि यह विधेयक सांसदों को पार्टी व्हिप के कठोर बंधन से मुक्त कर, उन्हें अधिकांश विधेयकों और प्रस्तावों पर स्वतंत्र रूप से मतदान करने की अनुमति देने का प्रावधान करता है। मनीष तिवारी का प्रस्ताव है कि विश्वास और अविश्वास प्रस्ताव, वित्त विधेयक और सरकार की स्थिरता से जुड़े मुद्दों को छोड़कर बाकी सभी विषयों पर सांसदों को अपने विवेक, अपने निर्वाचन क्षेत्र की प्राथमिकताओं और सामान्य समझ के आधार पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता हो। मनीष तिवारी का तर्क है कि आज की संसदीय प्रक्रिया में सांसद अक्सर अपनी पार्टी की आधिकारिक लाइन के दबाव में मतदान करने को मजबूर होते हैं, चाहे उनके निर्वाचन क्षेत्र की जनता का हित इससे मेल खाता हो या नहीं। उनके शब्दों में, "पार्टी व्हिप के चलते प्रतिनिधि का कोई महत्व नहीं रह जाता, उसे सोचने और कार्य करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।" हम आपको बता दें कि मनीष तिवारी बार-बार यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि क्या लोकतंत्र में प्राथमिकता उस मतदाता की होनी चाहिए जो नेताओं को चुनने के लिए घंटों धूप में खड़ा होता है, या उस राजनीतिक दल की जिसके निर्देशों का पालन करने को सांसद बाध्य हो जाते हैं? देखा जाये तो मनीष तिवारी का यह विधेयक नया नहीं है, उन्होंने 2010 और 2021 में भी इसी प्रकार का प्रस्ताव रखा था। लेकिन समय बदलने के साथ इसका महत्व और बढ़ गया है। हम आपको बता दें कि भारत की संसद में व्हिप की व्यवस्था मूलतः दल-बदल रोकने और सरकार की स्थिरता बनाए रखने के लिए बनी थी, लेकिन कई बार ऐसा लगता है कि यह व्यवस्था सांसदों को मात्र संख्या बल का हिस्सा बना देने का साधन है। ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव संसदीय गरिमा और स्वतंत्र विचार की पुनर्स्थापना की मांग करता है। हम आपको बता दें कि इस विधेयक में यह भी स्पष्ट किया गया है कि सांसद की सदस्यता केवल उन्हीं मामलों में समाप्त होनी चाहिए जहां सरकार के अस्तित्व या वित्तीय मसलों पर पार्टी लाइन से विचलन हो। बाकी मामलों में स्वतंत्र मतदान से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी, क्योंकि कानून-निर्माण तभी गुणवत्तापूर्ण हो सकता है जब सांसद अपने व्यक्तिगत और क्षेत्रीय अनुभवों के आधार पर

विचार रख सकें। मनीष तिवारी ने 10वीं अनुसूची में संशोधन की जरूरत पर भी जोर दिया है, ताकि यह आज के राजनीतिक संदर्भ में अधिक प्रासंगिक बन सके। उनका सुझाव है कि 10वीं अनुसूची से जुड़े मामलों की सुनवाई एक न्यायिक अधिकरण करे और अपील की प्रक्रिया स्पष्ट समयसीमा के भीतर पूरी हो। दूसरी ओर, मनीष तिवारी के इस विधेयक को समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि वह स्वयं किस प्रकार की राजनीतिक भूमिका निभाते रहे हैं। हम आपको बता दें कि वह कांग्रेस पार्टी के उन नेताओं में रहे हैं जिन्होंने समय-समय पर आधिकारिक रुख से हटकर अपनी स्वतंत्र राय व्यक्त की है। उदाहरण के लिए अग्निपथ योजना के प्रति कांग्रेस का आधिकारिक रुख आलोचनात्मक रहा, मगर मनीष तिवारी ने सार्वजनिक रूप से उसकी तारीफ की थी और उसे एक सुधारवादी कदम बताया था। यह साहस किसी भी बड़े दल में असहमति के सीमित दायरे को देखते हुए उल्लेखनीय है। इसी प्रकार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद मनीष तिवारी उस सरकारी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बने जो विदेश गया था। विपक्षी दल के सांसद का ऐसी आधिकारिक भूमिका में शामिल होना दर्शाता है कि मनीष तिवारी न केवल एक धारा के भीतर चलने वाले नेता हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे मुद्दों पर भी एक स्वतंत्र व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते हैं। साथ ही, मनीष तिवारी कांग्रेस के जी-23 समूह का हिस्सा रहे हैं। यह वह समूह था जिसने कांग्रेस नेतृत्व की निर्णय प्रक्रिया, संगठनात्मक चुनावों और आंतरिक लोकतंत्र पर गंभीर सवाल उठाए थे। जी-23 का गठन ही इस बात का संकेत था कि कांग्रेस जैसे बड़े दल में भी कई वरिष्ठ नेता अधिक पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया की मांग कर रहे थे। इस परिप्रेक्ष्य में मनीष तिवारी का विधेयक केवल तकनीकी संशोधन का मामला नहीं है; यह भारतीय राजनीति में एक व्यापक सिद्धांत यानि सांसद का विवेक बनाम पार्टी अनुशासन, पर बहस का निमंत्रण है। सवाल उठता है कि यदि सांसद जनता की ओर से चुने जाते हैं, तो उन्हें हर मुद्दे पर कठोर पार्टी लाइन के अनुरूप मतदान क्यों करना चाहिए? बहरहाल, आज जब राजनीतिक दलों में नेतृत्व केंद्रीकरण बढ़ रहा है और संसदीय बहस कई बार औपचारिकता भर रह जाती है, ऐसे में मनीष तिवारी का प्रस्ताव एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। यह संसद को फिर से विचार, विमर्श और स्वतंत्र राय का मंच बनाने की दिशा में एक कदम माना जा सकता है। आगे यह विधेयक पास हो या न हो, पर यह बहस अवश्य शुरू करता है कि लोकतंत्र किसके लिए है, दलों के लिए या जनता और उनके प्रतिनिधियों के लिए? वैसे यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा और राज्यसभा सदस्यों को उन विषयों पर विधेयक पेश करने की अनुमति है, जिन पर उन्हें लगता है कि सरकार को कानून लाना चाहिए। हालांकि कुछ मामलों को छोड़कर, सरकार के जवाब के बाद ज्यादातर निजी विधेयक वापस ले लिए जाते हैं।

आप का नजरिया

क्या यह संकट जानबूझकर बनाया गया?

जानबूझकर बनाया गया? देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो पिछले वुछ दिनों से भारी अव्यवस्था का सामना कर रही है। एक और उड़ानों का बड़े पैमाने पर रद्द होना तो दूसरी ओर आसमान छूते किराए ने यात्रियों की नाक में दम कर दिया है। एयरलाइन्स ने जिम्मेदारी नए एफडीटीएल (फ्लाइट डूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों पर डाली, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इंडिगो के पास तैयारी के लिए पर्यांप्त समय था। इस कारण यह आरोप भी गंभीर हो गया है कि एयरलाइन ने नियमों में ढील पाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने का रास्ता चुना। एविएशन विशेषज्ञों के अनुसार इस संकट की जड़ जनवरी 2024 में दायर उस याचिका में है जिसमें पायलट यूनियन ने दिल्ली हाईंकोर्ट के सामने थकान और लम्बी डूटी को गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया था। कोर्ट के निर्देश के बाद डीजीसीए ने एफडीटीएल नियमों में बदलाव किए और उन्हें एक जुलाईं 2025 से लागू कर दिया। इन नियमों में पायलटों को साप्ताहिक 36 घंटे की बजाए 48 घंटे का अनिवार्य आराम दिया और किसी भी छुट्टी को वीकली रेस्ट मानने पर रोक लगा दी। नवम्बर 2025 में इनका दूसरा चरण लागू हुआ, जिसमें लगातार नाइट शिफ्ट पर बड़ी पाबंदी लगा दी गईं। इन्हीं बदलावों का असर इंडिगो पर सबसे अधिक पड़ा। 2 दिसम्बर को दिल्ली, मुंबईं और बंगलुरू जैसे बड़े एयरपोट्र्स पर उड़ाने अनियमित होना शुरू हुईं और ऑन टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) गिरकर 35 प्रातिशत पर आ गया। 3 दिसम्बर को यह स्थिति और बिगड़ी और ऑन टाइम परफॉर्मेंस 19.7 प्रातिशत तक गिर गया। 4 दिसम्बर को हालात लगभग ठप हो गए। करीब 800 उड़ानें रद्द करनी पड़ी और ओटीपी सिर्प 8.5 प्रातिशत पर रह गया। कईं रूट्स पर टिकट का किराया 10,000 से बढ़कर 40,000-50,000 तक देखा गया। क्या यह समस्या मोनोपॉली की वजह से हुईं? साल 2006 के अगस्त में दिल्ली-मुंबईं के बीच उड़ान से शुरू हुईं इंडिगो की कहानी इस मोड़ पर आ जाएगी तब राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल ने सपने में भी नहीं सोचा होगा, जिन्होंने 2005 में इंडिगो के मालिक इंटर ग्लोबल एंटरप्राइजेस की नींव रखी थी। आज भारत के विभिन्न बाजार में इंडिगो सबसे बड़ी खिलाड़ी है और इसके पास करीब 64 प्रातिशत हिस्सेदारी है। अब यही बढ़ा कद उसकी हजारों उड़ाने वैंसल होने और यात्रियों को हुईं बेशुमार दिक्कतों के चलते सवालों के घेरे में हैं। संसद में भी इंडिगो की कथित मोनोपॉली यानि एकाधिकार पर सवाल उठे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि इस संकट के लिए वेंद्र का मोनोपॉली मॉडल जिम्मेदार है। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि जो वुछ हुआ यह जानबूझ कर किया गया या बनाया गया। इस संकट से यह साबित होता है कि एक मोनोपॉली वंपनी जब चाहे देश को अपनी उंगलियों पर से नचा सकती है। सरकार ने एयर इंडिया को पीछे धकेल कर इंडिगो को एकाधिकार दिया जिससे वह विमानन क्षेत्र में मनमजा कर सके। जो वुछ हुआ है उससे यह छवि बनी है कि कोईं एक बड़ी वंपनी भारत के विमानन नियमों में बदलाव करा सकती है। लिहाजा इस घटना से किसी एक वंपनी नहीं, बल्कि देश के पूरे विमानन क्षेत्र की साख पर आंच आईं है। एविएशन सेफ्टी फर्म कंसलिटिग के सीईंओ मार्व डी. मार्टिन ने कहा— एकाधिकार बड़ी वजह है। जिस तरह से यह मामला हुआ है उससे दुनिया भर में यह संदेश गया है कि भारत में एविएशन रेगुलेशन में दम नहीं है।

एयरलाइन्स ने जिम्मेदारी नए एफडीटीएल (फ्लाइट डूटी टाइम लिमिटेशन) नियमों पर डाली, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इंडिगो के पास तैयारी के लिए पर्यांप्त समय था। इस कारण यह आरोप भी गंभीर हो गया है कि एयरलाइन ने नियमों में ढील पाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने का रास्ता चुना। एविएशन विशेषज्ञों के अनुसार इस संकट की जड़ जनवरी 2024 में दायर उस याचिका में है जिसमें पायलट यूनियन ने दिल्ली हाईंकोर्ट के सामने थकान और लम्बी डूटी को गंभीर सुरक्षा जोखिम बताया था। कोर्ट के निर्देश के बाद डीजीसीए ने एफडीटीएल नियमों में बदलाव किए और उन्हें एक जुलाईं 2025 से लागू कर दिया। इन नियमों में पायलटों को साप्ताहिक 36 घंटे की बजाए 48 घंटे का अनिवार्यं आराम दिया और किसी भी छुट्टी को वीकली रेस्ट मानने पर रोक लगा दी। नवम्बर 2025 में इनका दूसरा चरण लागू हुआ, जिसमें लगातार नाइट शिफ्ट पर बड़ी पाबंदी लगा दी गईं। इन्हीं बदलावों का असर इंडिगो पर सबसे अधिक पड़ा। 2 दिसम्बर को दिल्ली, मुंबईं और बंगलुरू जैसे बड़े एयरपोट्र्स पर उड़ाने अनियमित होना शुरू हुईं और ऑन टाइम परफॉर्मेंस (ओटीपी) गिरकर 35 प्रातिशत पर आ गया। 3 दिसम्बर को यह स्थिति और बिगड़ी और ऑन टाइम परफॉर्मेंस 19.7 प्रातिशत तक गिर गया। 4 दिसम्बर को हालात लगभग ठप हो गए। करीब 800 उड़ानें रद्द करनी पड़ी और ओटीपी सिर्प 8.5 प्रातिशत पर रह गया। कईं रूट्स पर टिकट का किराया 10,000 से बढ़कर 40,000-50,000 तक देखा गया।

कुछ अलग

ममता की क्षमता

संत चिदंबरम् दक्षिण भारत की अग्रणी विभूतियों में से थे। वे साधना तथा धर्म-शास्त्रों के अध्ययन में लीन रहते थे। जो भी उनके दर्शनों के लिए पहुंचता उसे सदुपदेश देते तथा कल्याण का मार्ग सुझाते। एक दिन एक महिला अपने पति के साथ संत के पास पहुंची और बोली, 'महाराज संतान न होने के कारण हमारा जीवन निराशा से भर गया है। आशीर्वाद दें कि पुत्र न सही एक पुत्री ही हो जाए।' संत ने उसे एक मुट्ठी चने दिए तथा कहा, 'तुम आराम से बैठकर चने खाओ। मैं एक घंटे बाद तुमसे बातें करूंगा।' संत ने देखा कि महिला के पास बैठा भूखा बच्चा उससे चने मांगने लगा। महिला ने उसे झिड़क दिया तथा एक भी चना नहीं दिया। कुछ देर बाद महिला संत के पास पहुंची तो उन्होंने कहा, 'देवी, तूने भूखे बच्चे के हाथ पर चार चने रखने तक से इन्कार कर दिया। तेरे हृदय में भूखे बच्चे को देखकर करुणा नहीं जागी। फिर तुझ जैसी कंजूस महिला को भगवान कीमती बच्चा क्यों देगा?' संत जी ने उसे समझाया, 'तुम प्रत्येक बच्चे को प्यार देना सीखो।

दृष्टि कोण

मोदी और पुतिन : बदलते विश्व में नईं रणनीतिक साझेदारी

मोदी और पुतिन की यह मुलाकात न केवल दो नेताओं की बातचीत थी, बल्कि दो विश्वसहभागि यों की वह संयुत्त घोषणा भी थी, जो भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में शांति, स्थिरता और विकास के नए मानदंड स्थापित करती है। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक, भारत और रूस के संबंध वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप के बीच एक स्थिर और विश्वसनीय धुरी की तरह खड़े रहे हैं। कभी शीत युद्ध के संघर्षपूर्ण वातावरण में, तो कभी तेजी से उभरते बहुध्रुवीय विश्व में-दोनों देशों ने एक-दूसरे को न केवल रणनीतिक साझेदार की तरह बल्कि दीर्घकालिक मित्र के रूप में भी देखा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हाल की भारत यात्रा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी विस्तृत और महत्त्वपूर्ण वार्ताओं ने इस ऐतिहासिक संबंध को एक नईं ऊर्जा प्रदान की है। यह केवल वूटनीतिक शिष्टाचार या पारंपरिक मित्रता का दोहराव नहीं था, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन के नए अध्याय में भारत-रूस सहयोग की प्रासंगिकता का गंभीर और बहुआयामी संकेत भी था। पुतिन की यह यात्रा ऐसे समय हुईं, जब विश्व शक्ति-संरचना गहन बदलावों से गुजर रही है। यूरोप- रूस संबंधों में तनाव, एशिया में उभरते सामरिक समीकरण, ऊर्जा बाज़ारों में अनिातिता, तथा तकनीकी प्रतिस्पर्धा ने नईं विश्व - व्यवस्था की रचना शुरू कर दी है। इस वातावरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुईं मुलाकात ने यह प्रर्दशित किया कि भारत और रूस अपने संबंधों को केवल अतीत की विरासत के रूप में नहीं देखते, बल्कि भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों के अनुरूप उसे नए रूप में परिभाषित करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति पुतिन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच वार्ताओं का सबसे प्रमुख बिदु रहा -रणनीतिक स्वायत्तता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की साझा अवधारणा। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को

लेकर स्पष्ट है; वह किसी एक धुरी का हिस्सा बनने के बजाय सबके साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहता है। रूस इस सिद्धांत को लंबे समय से समझता और स्वीकार करता आया है। यही कारण है कि भारत-रूस संबंध कभी भी वैश्विक दबावों या अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के शिकार नहीं बने। पुतिन और मोदी की बातचीत ने इसी परिप्रेक्ष्य को और अधिक मजबूत किया। यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग वार्ता का विशेष वेंद्र रहा। भारत की रक्षा संरचना में रूस का योगदान दशकों से अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है। आज भी एस- 400 एयर ड़िपेंस सिस्टम, ब्रrोस सुपरसोनिक मिसाइल, अमेठी में एके-203 राइफल निर्माण और विभिन्न नौसैनिक एवं वायुसेना परियोजनाएँ इस साझेदारी की शत्ति को रेखांकित करती हैं। मोदी और पुतिन की बैठक में इन परियोजनाओं की प्रगति, भविष्य की आवश्यकताओं और उच्चस्तरी य तकनीक के साझा विकास पर विस्तृत विमर्श हुआ। बदलते युद्ध-परिदृश्य, र्आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस आधारित रक्षा प्रणालियों और साइबर सुरक्षा जैसे समकालीन विषयों पर भी नए सहयोग-क्षेत्र पहचाने गए। रक्षा के बाद ऊर्जा वह क्षेत्र है, जहाँ भारत और रूस के संबंध नईं ऊँचाइयों को छू रहे हैं। वैश्विक ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और पामि प्रतिबंधों के बावजूद रूस भारत का प्रमुख ऊर्जा-सहयोगी बना हुआ है। कच्चे तेल के आयात में रिकॉर्ड वृद्धि तथा उर्वरक और गैस सहयोग में स्थिरता इसका प्रमाण है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

नेपाल : बयान के लिए उपस्थित नहीं होने पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की गिरफ्तारी की तैयारी

काठमांडु, 10 दिसंबर (एजेंसियां) ।

जेन जी आंदोलन के दौरान हुए अत्यधिक पुलिस बल प्रयोग की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग तत्कालीन प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमन्त्री रमेश लेखक के बयान के लिए उपस्थित न होने की स्थिति देखते हुए उन्हें गिरफ्तार कर पेश कराने की तैयारी में है।

इस आयोग की अवधि केवल दो सप्ताह शेष रहते हुए आयोग की तरफ से अब तक बयान का काम पूरा नहीं हो पाया है। फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बयान लेने के बाद अब आयोग राजनीतिक स्तर के बयान लेने की प्रक्रिया में है।

आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा के अनुसार लगभग डेढ़ सौ लोगों से बयान लेने का काम पूरा हो चुका है। अब पूर्व प्रधानमन्त्री ओली, पूर्व गृहमन्त्री लेखक, तत्कालीन गृह सचिव गोकर्णमणि दुवाडी, तत्कालीन प्रधानसेनापति अशोकराज सिग्देल और नेपाल पुलिस प्रमुख आईजीपी दानबहादुर कार्की का बयान लेना बाकी है।

आयोग की सिफारिश के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की विदेश यात्रा और बिना अनुमति काठमांडू से बाहर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। ओली की तरफ से आयोग को असंवैधानिक बताते हुए बयान न देने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है।

प्रवक्ता शर्मा का कहना है कि बयान लेने में किसी प्रकार की शंका नहीं होनी चाहिए। यदि नहीं आए, तो कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी। आयोग सरकार को कानूनी रूप से उन्हें पेश कराने का अनुरोध करेगा। गृहमन्त्री ओमप्रकाश अर्याल ने स्पष्ट किया है कि यदि आयोग लिखित अनुरोध करता है तो सरकार पुलिस भेज कर उन्हें उपस्थित कराएगी। गृहमंत्री ने कहा 'कानून सबके लिए समान है। उम्मीद है कि वे मानेंगे; न मानने पर कानून लागू किया जाएगा।' जांच आयोग के प्रवक्ता शर्मा के अनुसार बयान लेना अनिवार्य होने के कारण ही उनकी विदेश यात्रा पर प्रतिबंध लगाया गया है। प्रक्रियागत रूप से जल्द से जल्द बयान लेने का निर्णय आयोग कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रमुख सचिव, संसद महासचिव और सुरक्षा निकायों के प्रमुख तक आयोग में आकर बयान दे चुके हैं। इधर, एमाले उपमहासचिव प्रदीप ज्ञवाली ने कहा कि 'आयोग स्वयं अमान्य है इसलिए पूर्व प्रधानमन्त्री ओली के बयान के लिए उसके समक्ष जाने का प्रश्न ही नहीं उठता। हम पहले ही इसकी निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न उठा चुके हैं और इसे अस्वीकार्य घोषित किया है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने फिर किया बड़े पैमाने पर बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन शुरू, इजराइली चिंतित

तेल अवीव। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर मिसाइलों का उत्पादन शुरू कर दिया है। बता दें इजराइल और ईरान के बीच इस साल जून में 12 दिन का भीषण सैन्य संघर्ष हुआ था। इस दौरान ईरान की मिसाइल फैसिलिटी को इजराइल ने निशाना बनाया था। वहीं ईरान ने भी इजराइल को भारी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि अब इजराइल को लगता है कि ईरान की मिसाइल बनाने की क्षमता पहले जैसी हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आईडीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संसद को बताया कि ईरान ने जून के संघर्ष के बाद अपनी बैलिस्टिक मिसाइल उत्पादन क्षमता को बढ़ाना शुरू कर दिया है। इजराइली सैन्य अधिकारी की ओर से यह जानकारी ऐसे समय में आई है, जब ईरानी नेवी ने फारस की खाड़ी में बड़े पैमाने पर अभ्यास किया। इस अभ्यास में बैलिस्टिक, क्रूज मिसाइलें और ड्रोन शामिल थे। ईरान ने सार्क देशों के साथ भी बीते हफ्ते सैन्य अभ्यास किया था। इजराइल और अमेरिका ने जून में ईरान पर हवाई हमलों के बाद दावा किया था कि तेहरान ने अपनी मिसाइल क्षमता खो दी है। हालांकि अब इजराइल ही नहीं पश्चिमी देशों के राजनयिक भी कह रहे हैं कि ईरान मिसाइल रिकवरी में तेजी ला रहा है।

आपदाओं को लोग जोड़ रहे हैं बाबा वेंगा की भविष्यवाणी से

लंदन। दुनिया भर में साल 2025 के अंतिम महीनों में लगातार आ रहीं प्राकृतिक आपदाओं को लोग बुल्गारिया की रहस्यमयी भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों से जोडकर देख रहे हैं। बीते दिनों म्यांमार में भूकंप, इथोपिया में ज्वालामुखी विस्फोट, श्रीलंका में आए भीषण तूफान की तबाही और वियतनाम में बाढ़ से व्यापक जान-माल का नुकसान हुआ है। दिसंबर 2024 में सोशल मीडिया पर वायरल हुई वेंगा की कथित भविष्यवाणी में वर्ष के अंत में भयावह प्राकृतिक आपदाओं और वैश्विक संकट की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने कहा था कि बदलता मौसम और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव दुनिया को गंभीर खतरे की ओर धकेल सकते हैं। इन घटनाओं को देखकर कई लोग मान रहे हैं कि मौजूदा परिस्थितियाँ उन्हीं भविष्यवाणियों का संकेत हैं। नवंबर 2025 में श्रीलंका को तबाह करने वाले दित्वा तूफान ने 153 से अधिक लोगों की जान ले ली और हजारों परिवार बेघर हो गए। वहीं 23 नवंबर को इथोपिया में हुए ज्वालामुखी विस्फोट का प्रभाव क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर जाकर कई देशों में महसूस किया गया। इसी तरह मलेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया में आई बाढ़ ने जीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। दूसरी ओर, रूस-यूक्रेन युद्ध, इज़रायल-हमास संघर्ष और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव भू-राजनीतिक अस्थिरता की ओर संकेत करता है—जो उनकी भविष्यवाणी में भी शामिल था।

दुनिया यूनुस को एक नायक रूप में देखती है उसके चेहरे के पीछे छिपा है शैतान

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व इंटेलिजेंस ऑफिसर और डिप्लोमैट अमीनुल हक पोलाश ने देश की अंतरिम

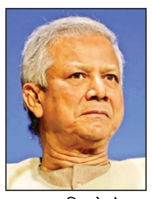

सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के बारे में कई खुलासे किए हैं। पोलाश ने नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस के पीछे छिपे पावर स्ट्रक्चर, वित्तीय हेरफेर और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बात का खुलासा किया। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद निर्वासन का सामना कर रहे पोलाश का कहना है कि यूनुस अपना जो भोला चेहरा दुनिया को दिखाते हैं, असल में वह उससे एकदम आगे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पोलाश ने एक चैनल से बातचीत में बांग्लादेश की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली के अंदरूनी रहस्यों पर अपने अनुभवों को साझा किया और मोहम्मद यूनुस का वह पहलू दिखाया है, जिसे दुनिया ने पहले कभी नहीं देखा। पोलाश ने बताया कि उन्होंने एक दशक तक राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश सेवा में काम किया है। इस दौरान जब उनकी जांच यूनुस के नेटवर्क की वित्तीय जड़ों को छूने लगी तो वह चौंक गए। पोलाश ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाली तो पता चला कि मेरे लिए गायब कर दो जैसे शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है। इसके बाद भारत में उनके राजनयिक पद से अचानक वापसी का आदेश आया। मेरे लिए ढाका लौटना मौत की तरफ जाना जैसा था।

यूएससीआईएस के फैसले से हजारों परिवारों, नौकरी करने वालों और विदेशी छात्रों का भविष्य सकंट में

वाशिंगटन, 10 दिसंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिका में इमिग्रेशन को लेकर फिर तेज हो गई है। जेडी वेंस की हालिया टिप्पणियों के बीच ट्रंप प्रशासन ने इमिग्रेशन पर अभूतपूर्व सख्ती दिखाकर 3 दिसंबर को बड़ा फैसला लिया। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) ने 19 हाई-रिस्क देशों से आने वाली हर इमिग्रेशन प्रक्रिया—ग्रीन कार्ड, नागरिकता, वीज़ा और शरण को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। यूएससीआईएस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर कहा है कि वाशिंगटन डीसी में एक अफगान शरणार्थी द्वारा नेशनल गार्ड सदस्य की हत्या के बाद हालात को देखकर रोक लगानी जरूरी थी। इस कदम से 22 लाख से अधिक लंबित मामलों पर विराम लग गया है, जिससे हजारों परिवारों, नौकरी करने वालों और विदेशी छात्रों का भविष्य अचानक अनिश्चितता में फंस गया है। ट्रंप प्रशासन ने पहले सीमा सुरक्षा और वीज़ा प्रक्रियाओं पर कड़ा रुख अपनाया था, लेकिन मौजूदा निर्णय उन नीतियों को एक नया कठोर मोड़ देता है। प्रवासन को 'अमेरिकन ड्रीम की चोरी' और 'सांस्कृतिक खतरे' के रूप में पेश करने वाली बयानबाजी सामाजिक तनाव बढ़ा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक चिंता को नस्लीय और सांस्कृतिक भय में बदलना एक राजनीतिक रणनीति है, जो देश को और अधिक ध्रुवीकृत कर सकती है। हालांकि यह माना जाता है कि अनियंत्रित प्रवासन से पब्लिक सिस्टम पर दबाव बढ़ता है और कम-कौशल वाले सेक्टर में मजदूरी 5-10 प्रतिशत तक प्रभावित हो सकती है, अमेरिकी अर्थव्यवस्था में प्रवासियों की बड़ी भूमिका प्रवासन विरोधी माहौल सिर्फ सामाजिक विभाजन ही नहीं बढ़ाता, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक जोखिम भी पैदा कर सकता है। एशियाई-अमेरिकी और हिस्पैनिक समुदाय आज कुल मतदाताओं का 7 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखते हैं और कई स्विंग स्टेट्स में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। अमेरिका में इस समय लगभग 4.5 करोड़ प्रवासी (वैध और अवैध) मौजूद हैं, जो देश की सालाना जीडीपी वृद्धि का करीब 25 प्रतिशत योगदान देते हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका की असली ताकत उसकी विविधता और 'मेल्टिंग पॉट' पहचान में है।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि समाधान किसी कठोर बयानबाजी में नहीं, बल्कि इसतरह के द्विदलीय सुधारों में है जो इमिग्रेशन को मानवीय संवेदना और आर्थिक यथार्थवाद के साथ संतुलित कर सकें।

अमेरिका में महंगा इलाज, डॉक्टरों की लंबी वेटिंग सूची लोग एआई चैटबॉट्स का सहारा ले रहे

वाशिंगटन। अमेरिका में महंगी मेडिकल लागत, डॉक्टरों की लंबी वेटिंग लिस्ट, और सतही चिकित्सा सलाह से परेशान लोग एआई चैटबॉट्स का सहारा ले रहे हैं। सर्वे के अनुसार, अमेरिका में हर छह में से एक वयस्क और हर चार में से एक युवा (30 वर्ष से कम) महीने में कम से कम एक बार

स्वास्थ्य जानकारी के लिए चैटबॉट्स का उपयोग कर रहा है। लोग मानते हैं कि चैटबॉट्स डॉक्टरों की तुलना में अधिक विस्तार से और तुरंत जवाब देते हैं, जैसा कि लॉस एंजिलिस की 79 वर्षीय वेंडी गोल्डबर्ग के उदाहरण से स्पष्ट है, जिन्हें प्रोटीन की मात्रा पर डॉक्टर से सामान्य सलाह मिली, लेकिन चैटजीपीटी से विस्तृत जवाब मिला। विशेषज्ञों का कहना है कि चैटबॉट्स द्वारा दी गई विस्तृत और आत्मविश्वासपूर्ण भाषा एक सटीकता का भ्रम पैदा करती है, जो सबसे बड़ा जोखिम है। एक अध्ययन में पाया गया कि एआई-जनित मेडिकल उत्तरों का एक बड़ा हिस्सा गलत या आधा-अधूरा था, जिससे मरीज गलत निर्णय ले सकते हैं। डॉक्टरों का मानना है कि पेशेवर चिकित्सा मार्गदर्शन के बिना एआई का उपयोग बेहद खतरनाक हो सकता है। गलत दवा की सलाह, प्रोटीन की मात्रा या लक्षणों की गलत व्याख्या से मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का आरोप है कि एआई कंपनियां उपयोगकर्ताओं को इन जोखिमों के बारे में पर्याप्त चेतावनी नहीं देती हैं। चैटबॉट्स भले ही खुद को डॉक्टर न कहें, लेकिन उनकी आत्मविश्वासपूर्ण भाषा को लोग पेशेवर सलाह मान लेते हैं। एआई चैटबॉट्स भरोसेमंद और त्वरित जानकारी की कमी को पूरा कर रहे हैं, लेकिन यह चलन अनियंत्रित मेडिकल जोखिमों का कारण बन सकता है, खासकर तब जब एआई कंपनियां इन खतरों से लोगों को आगाह नहीं कर रही हैं।

चीनी महिला के कदम से लोगों के बीच छिड़ी बहस

बाजिंग, 10 दिसंबर (एजेंसियां) ।

एक चीनी महिला ने ऐसा हैरान कर देने वाला कदम उठाया है, जिसने लोगों के बीच बहस छेड़ दी है। इस महिला ने अपनी ही दो बेटियों के स्थान पर एक बेटी को विज्ञापन के जरिए नौकरी पर रखने की पेशकश की है, जिसके बदले वह करीब 420 डॉलर मासिक वेतन और रहने के लिए एक फ्लैट देने को तैयार है।

एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हेनान प्रांत की रहने वाली इस महिला का नाम मा है, जिसने एक स्थानीय टीवी कार्यक्रम पर यह विज्ञापन जारी किया। कार्यक्रम के दौरान मा ने बताया कि वह अपनी दो बेटियों के बावजूद अकेली हैं। उनकी बड़ी बेटी ने पोती की परवरिश को लेकर हुए विवाद के बाद उनसे सारे संबंध तोड़ लिए। बड़ी बेटी का कहना है कि वह बेरोजगार है और न तो मा की देखभाल कर सकती है, न ही उससे कोई नाता रखना चाहती है। दूसरी ओर, उनकी छोटी बेटी मानसिक रूप से बीमार है और स्वयं की देखभाल करने में सक्षम नहीं। मा काफी पहले अपने पति से तलाक ले चुकी हैं और समय के साथ अन्य रिश्तेदारों से भी उनका संपर्क धीरे-धीरे समाप्त हो गया। विज्ञापन में मा ने लिखा कि वह अस्थमा से पीड़ित हैं और उन्हें ऐसी लड़की की जरूरत है, जो उनकी देखभाल करे, समय पर अस्पताल ले जाए और उन्हें एक बेटी की तरह स्नेह दे। बदले में वह अपनी संपत्तियों में से एक फ्लैट और 420 डॉलर की नियमित पेंशन देने के साथ, पूरे समझौते का कानूनी कॉन्ट्रैक्ट करने को भी तैयार हैं।

इस अनोखे विज्ञापन ने चीनी सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया पैदा की है। कुछ लोगों ने इसे मानवीय परिस्थिति से उपजा दुखद प्रयास बताया, जबकि कई लोगों ने इसे भावनात्मक शोषण माना। एक यूजर ने लिखा कि ऐसा लगता है जैसे मा किसी ऐसी लड़की की तलाश कर रही है जो उसकी और उसकी बीमार बेटी दोनों की देखभाल करे। एक अन्य व्यक्ति ने टिप्पणी की कि प्रॉपर्टी मार्केट के गिरावट और कम पैसों में दो लोगों की सेवा करने के लिए नेनी भी नहीं मिल सकती। वहीं एक वकील ने कहा कि कानून के अनुसार वृद्ध माता-पिता की देखभाल करना बड़ी बेटी की जिम्मेदारी है और मा इस जिम्मेदारी से कानूनी प्रक्रिया के जरिए अलग नहीं हो सकतीं। ध्यान देने योग्य है कि चीन में बुजुर्गों की अकेलेपन की समस्या लगातार बढ़ रही है। 2021 में हुए सर्वे के अनुसार, 60 वर्ष से अधिक आयु के लगभग 60 प्रतिशत बुजुर्ग अकेले रहते हैं।

फ्लोरिडा में कार से भिड़ा विमान, एक महिला घायल

वॉशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में एक विमान ने सड़क पर चलती कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार चालक महिला घायल हो गई। ये आई-95 हाईवे पर इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक कार को टक्कर मार दी। यह हादसा मेरिट आईलैंड के पास मील मार्कर 201 के आसपास शाम करीब 5:45 बजे हुआ। विमान में तकनीकी खराबी के कारण पायलट को मजबूरन हाईवे पर उतरना पड़ा, लेकिन भारी ट्रैफिक के बीच उतरते समय यह 2023 मॉडल टोयोटा कैमरी से जा टकराया। बीचक्राफ्ट 55 मॉडल का यह विमान मेरिट आईलैंड से इंस्ट्रक्शनल फ्लाइट पर उड़ा था। इसमें 27 वर्षीय ओरलैंडो निवासी पायलट और उनके 27 वर्षीय टेम्पल टेरेस निवासी साथी सवार थे। फ्लोरिडा हाइवे पेट्रोल के अनुसार, विमान के दोनों इंजनों में अचानक पावर लॉस हो गया, जिससे पायलट ने तत्काल इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। सौभाग्य से, पायलट और उनके साथी को कोई चोट नहीं आई। कार कैमरी चला रही 57 वर्षीय मेलबर्न निवासी महिला को मामूली चोटें आईं। उन्हें तुरंत निकटवर्ती विएरा अस्पताल ले जाया गया। वीडियो फुटेज में दिखा कि टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन राहगीरों ने महिला की सहायता की। हादसे से इलाके में भगदड़ मच गई।

दक्षिण कोरिया में चौंकाने वाला साइबर हमला उजागर

सियोल, 10 दिसंबर (एजेंसियां) ।

हाल ही में दक्षिण कोरिया में एक चौंकाने वाला साइबर हमला सामने आया है। इस ताजा हमले ने तकनीकी सुरक्षा और निजी गोपनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लगभग 1 लाख 20 हजार सीसीटीवी कैमरों को चार आरोपियों ने हैक कर लिया और उनकी रिकॉर्डिंग को विदेशी वेबसाइट पर यौन शोषण संबंधी सामग्री के रूप में बेचा।

यह घटना इसलिए और भी चिंता का विषय है क्योंकि भारत में भी घरों और दुकानों में सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अधिकांश लोग इसके साइबर खतरों से अनजान हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, सबसे ज्यादा खतरा आईपी कैमरों को हैक होने का रहता है। ये कैमरे इंटरनेट से जुड़े होने के कारण सुविधाजनक तो हैं, लेकिन साइबर हमलावरों के लिए इन्हें निशाना बनाना आसान हो जाता है।

ज्यादातर कैमरे डिफॉल्ट पासवर्ड के साथ आते हैं, जिसे बदलना लोग भूल जाते हैं। अगर पासवर्ड कमजोर या फैक्ट्री सेट रहता है, तो कोई भी हैकर दूर बैठे-बैठे कैमरा एक्सेस कर सकता है और घर के अंदर की गतिविधियों पर नजर रख सकता है। 'शोडन' नाम की वेबसाइट ऐसे कैमरों की खोज करती है और उनकी लाइव फीड को इंटरनेट पर उजागर कर देती है। कई बार हैकर्स इन वीडियो को विदेशी वेबसाइट पर भी अपलोड कर देते हैं। हैकर्स कैमरे का डायरेक्शन बदलकर घर के बेडरूम या निजी जगहों तक की गतिविधियों को देख सकते हैं। इसका मतलब यह है कि आपके रोजमर्रा के काम जैसे सोना, खाना या कपड़े बदलना भी उनके हाथों में आ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस खतरे से बचने के लिए सबसे जरूरी कदम है मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड सेट करना, जिसमें बड़े और छोटे अक्षर, नंबर और स्पेशल कैरेक्टर शामिल हों। इसके अलावा मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करना, सॉफ्टवेयर और फर्मवेयर को हमेशा लेटेस्ट वर्जन में अपडेट रखना बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा में सावधानी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कैमरा कभी अपने आप घूमे या असामान्य आवाज़ आए तो तुरंत पासवर्ड बदलें और साइबर सेल या पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। बेडरूम, बाथरूम या संवेदनशील जगहों में कैमरा लगाने से बचें। अगर ये सरल लेकिन प्रभावी उपाय अपनाए जाएं, तो घरों और दुकानों के कैमरे हैकर्स की पहुंच से सुरक्षित रह सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में अहम कानून: 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फेसबुक-इंस्टा के इस्तेमाल पर पाबंदी

कैनबरा,10 दिसंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर बुधवार से पाबंदी प्रभावी हो गई है। फेसबुक और इंस्टा सहित ऐसे 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ब्लॉक किए गए हैं। इससे पहले मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने नये कानून को समर्थन के लिए राज्यों और स्थानीय नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि इससे बचपन को सुरक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस सुधार के प्रभावी बनाने के लिए आगे कुछ बदलाव की जरूरत हो सकती है।

प्रधानमंत्री अल्बनीज का कहना है कि बच्चों परे सोशल मीडिया के नकारात्मक असर को रोकने के लिए कदम उठाना जरूरी था ।इससे बच्चों के स्वास्थ्य और उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा था। उनके एक्स हैंडल पर जारी वीडियो संदेश में उन्होंने इसे एतिहासिक बताते हुए कहा कि यह वह दिन है जब ऑस्ट्रेलियाई परिवार प्रौद्योगिकी कंपनियों से एकाधिकार वापस लेकर अपने बच्चों के बचपन को सुरक्षित कर रहे हैं।

नवंबर, 2024 में फेडरल पार्लियामेंट में पास हुए कानूनों के तहत कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए अनिवार्य रूप से उचित कदम उठाने होंगे ।शुरुआत में जिन 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पाबंदी लगाई गई है उनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, एक्स शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर पाबंदी वाले सोशल साइट्स की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर न तो बच्चे और न ही उनके माता-पिता को सजा दी जाएगी। इसे लागू करने की पूरी जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होगी। इसका उल्लंघन करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 295 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

इसे लागू करने से पहले सरकार ने इसे लेकर अध्ययन कराया था जिसमें इसके प्रभावी बनाने के तौर-तरीकों की जांच परख की गई थी। ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी को लेकर बनाए गए कानून ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है। दुनिया के कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं और ऑस्ट्रेलिया में लाए गए इस कानून के बाद न्यूजीलैंड और नीदरलैंड ने भी ऐसा ही कानून लाने की तैयारी शुरू कर दी है।

एडिलेड टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस की वापसी

एडिलेड, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हो गई है। यह टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें कमिंस की वापसी ही एकमात्र नया बदलाव है।

पैट कमिंस ने पीठ के निचले हिस्से (लंबर बैक स्ट्रेस) में चोट के कारण एशेज सीरीज़ के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में खेले गए तीसरे टेस्ट में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था।

कमिंस पिछले हफ्ते गाबा टेस्ट के लिए चयन के काफी करीब थे, क्योंकि उनकी रिकवरी उम्मीद से तेज़ रही थी। हालांकि, टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह तैयार करने के लिए मैच सिमुलेशन के तहत कई स्पेल्स गेंदबाज़ी करवाने का निर्णय लिया।

मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा, 'वह हमारी उम्मीद से काफी आगे थे और ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए उनके चयन पर गंभीर चर्चा हुई थी। अब हम मानते हैं कि एडिलेड की चुनौती के लिए वह पूरी तरह तैयार होंगे। नेट्स में किए गए सिमुलेशन से उनकी स्किल्स भी तैयार हैं और उनका शरीर खेलने के लिए फिट है। अगर अगले एक हफ्ते में कुछ अप्रत्याशित नहीं होता, तो मुझे उम्मीद है कि पैट कप्तान के तौर पर टॉस करते और ब्लेज़र पहनते दिखेंगे।'

इस बीच, बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वह पर्थ टेस्ट में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे थे और पीठ में चोट के कारण गाबा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। मैकडॉनल्ड ने बताया कि ख्वाजा ने ब्रिस्बेन में नेट्स में अच्छी बल्लेबाज़ी की और उनके अगले हफ्ते तक पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'उज़ी (ख्वाजा) फिट और उपलब्ध होने चाहिए। सामान्य तौर पर वह सलामी बल्लेबाज़ के रूप में ही खेलते हैं, लेकिन उनमें क्रम में बदलाव की क्षमता भी है। हम मानते हैं कि हमारे सभी बल्लेबाज़ किसी भी स्थान पर खेलने की काबिलियत रखते हैं।' नाथन लियोन की भी एडिलेड टेस्ट में वापसी की संभावना है, जिससे चयन को लेकर टीम मैनेजमेंट के सामने मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ऐसे में स्कॉट बोलैंड, माइकल नेसर और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ियों को अंतिम एकादश से बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं ख्वाजा की उपलब्धता से बल्लेबाज़ी क्रम को लेकर भी कुछ फैसले लेने होंगे। मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, 'पर्थ और ब्रिस्बेन टेस्ट के बीच और फिर ब्रिस्बेन से एडिलेड के बीच का अंतराल ऐसा था जिसे हम संभाल सकते थे। इसलिए एडिलेड के लिए सबसे संतुलित और उपलब्ध गेंदबाज़ी आक्रमण के साथ उतरने की योजना है। किसी खिलाड़ी को आराम देने का विचार फिलहाल नहीं है, यह फैसला शायद चौथे और पांचवें टेस्ट (मेलबर्न और सिडनी) के लिए लिया जा सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

पांडिचेरी में अंडर-19 टीम के मुख्य कोच पर हमले के मामले में कार्रवाई करेगा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने पांडिचेरी में अंडर-19 टीम के मुख्य कोच एस वेंकटरमन पर हमले के मामले को गंभीरता से लिया है और कहा है कि इसमें दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्य कोच वेंकटरमन पर सोमवार को तीन स्थानीय क्रिकेटरों ने इसलिए हमला कर दिया था क्योंकि उन्हें सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए राज्य टीम में शामिल नहीं किया गया था, इसी बात को लेकर ये पूरा विवाद हुआ था। वेंकटरमन के सिर और कंधे में फ्रैक्चर हुआ है। इस हमले में वेंकटरमन के माथे पर 20 टांके आए हैं हालांकि उनकी हालत स्थिर है. जिन खिलाड़ियों पर आरोप है। वे फरार है और पुलिस उनकी तलाश में लगी है। वहीं इससे पहले एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि पुडुचेरी क्रिकेट संघ राज्य में जन्मे क्रिकेटरों की जगह बाहरी क्रिकेटरों को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर स्थानीय दिखाकर टीम में जगह दे रहा है। इसी कारण साल 2021 से अब तक रणजी ट्रॉफी में पुदुचेरी की ओर से केवल पांच स्थानीय खिलाड़ियों ने ही खेला है। इस रिपोर्ट को लेकर भी सैकिया ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार के आरोप गंभीर है। इसलिए बीसीसीआई जल्द ही इस मामले की भी जांच करेगा। हमले को लेकर पुलिस में दी गई शिकायत में वेंकटरमन ने तीन स्थानीय क्रिकेटरों, कार्तिकेयन जयसुंदरम , ए अरविंदराज और एस संतोष कुमारन के नाम लिए हैं। इसके अलावा पांडिचेरी क्रिकेटर्स फोरम के सचिव जी चंद्रन पर भी हमले के लिए उकसाने के आरोप हैं।

आईपीएल नीलामी में इस बार पृथ्वी सरफराज के नाम भी शामिल

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 16 दिसंबर को अबुधाबी में होने वाली नीलामी में कुल 350 क्रिकेटरों की बोली लगेगी, जिनमें 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। पिछली बार नीलामी में नहीं बिके बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को भी इसमें शामिल किया गया है। इसके अलावा बल्लेबाज सरफराज खान को भी इसमें जगह मिली है। इन दोनों का ही बेस प्राइज 75 लाख रुपये है। शॉ ने 2018 से 2024 तक आईपीएल खेला था पर खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें पिछली बार किसी टीम ने नहीं खरीदा था। वहीं सरफराज को साल 2021 के बाद से ही निलामी सूची में शामिल नहीं किय गया था। वहीं कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) द्वारा रिलीज किए गए ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी नीलामी में जगह मिली है। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले कुणाल चंदेला और अशोक कुमार भी नीलामी की अंतिम सूची में शामिल हैं। नीलामी सूची में दो करोड़ बेस प्राइज में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कैमरन ग्रीन और जेक फ्रेजर मैकगर्क के अलावा न्यूजीलैंड और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर है।

भारत के खिलाफ तीसरी बार दक्षिण अफ्रीका ने बनाया सबसे कम स्कोर

कटक। एडेन मार्करम की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम कटक में भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 में 74 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार उसे पहले टी20 मे 101 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इन मैच में टीम ने अब तक का सबसे कम स्कोर बनाया। ये तीसरी बार है जबकि दक्षिण अफ्रीकी टीम इतने कम रनों पर आउट हुई थी। इससे पहले साल 2022 में राजकोट में भारतीय टीम के खिलाफ वह 87 रन ही बना पायी थी। वहीं जोहान्सबर्ग में भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने 95 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने अपने टी20 इतिहास का सबसे कम स्कोर बनाया है। इससे पहले उनका न्यूनतम स्कोर 87 रन था, जो 2022 में भारत के खिलाफ बना था। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका का स्कोर सिर्फ 74 रन था। यह दक्षिण अफ्रीका की टी20 में छठी सबसे बड़ी हार है, जिसमें से तीन बार उसे भारत के खिलाफ हार मिली है। इससे पहले 2022 में राजकोट में 87 रनों पर दक्षिण अफ्रीका की टीम आउट हो हो गई थी। साल 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की टीम 89 रन ही बना पायी थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल ने जारी मेंस वनडे प्लेयर रैंकिंग

कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे, रोहित शर्मा शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाज बनने की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी ताजा मेंस वनडे प्लेयर रैंकिंग में कोहली ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जबकि रोहित शर्मा नंबर-1 की कुर्सी पर बने हुए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के बाबर आजम के हाथों अप्रैल 2021 में वनडे बल्लेबाजों की नंबर-1 रैंकिंग गंवाई थी, लेकिन अब वह एक बार फिर शीर्ष स्थान के बेहद करीब पहुंच गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद कोहली को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला। 37 वर्षीय कोहली ने सीरीज में कुल 302 रन बनाए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया।

सीरीज के आखिरी मुकाबले में विशाखापत्तनम में खेली गई नाबाद 65 रन की पारी के दम पर कोहली अब रोहित शर्मा से सिर्फ आठ रेटिंग अंकों पीछे हैं। वहीं रोहित शर्मा ने सीरीज में 146 रन बनाकर अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। रोहित के 781 रेटिंग अंक हैं, जबकि कोहली के 773 रेटिंग अंक हैं।

भारतीय टीम अब 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी, जहां कोहली और रोहित के बीच नंबर-1 स्थान की रेस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल दो स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए, जो इस सूची में सबसे बड़ा फायदा है।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। क्विंटन डी कॉक 13वें, एडेन मार्कराम 25वें और टेम्बा बावुमा 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज के पहले मैच के बाद प्रोटियाज के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस तीन स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के गेंदबाजों में अक्षर पटेल 13वें, अर्शदीप सिंह 20वें और जसप्रीत बुमराह 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त छलांग लगाई है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो एशेज टेस्ट में लगातार 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन के दम पर स्टार्क तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इन दो मैचों में कुल 18 विकेट झटके हैं और करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि केन विलियमसन दूसरे और स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जो रूट अब भी टेस्ट बल्लेबाजों में नंबर-1 बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच क्राइस्टचर्च में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा, लेकिन दोनों टीमों के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र ने नौ स्थान की छलांग लगाकर 15वां स्थान हासिल किया, जबकि टॉम लैथम छह स्थान ऊपर चढ़कर 34वें नंबर पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त बनाई, वहीं तेज गेंदबाज केमार रोच ने टेस्ट गेंदबाजों की सूची में पांच स्थान का फायदा उठाया।

प्रीति झंगियानी 'स्पोर्ट्स महिला बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।

पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष, एशियन आर्मरेसलिंग फेडरेशन (एएएफ) की उपाध्यक्ष और प्रो पंजा लीग की सह-संस्थापक प्रीति झंगियानी को तीसरे सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवॉर्ड्स 2025 में प्रतिष्ठित 'स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर (महिला)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह 9 दिसंबर को नई दिल्ली स्थित एक होटल में आयोजित किया गया, जो सीआईआई स्कोरकार्ड 2025 के 10वें संस्करण के साथ हुआ। इस वर्ष का मुख्य विषय 'वन नेशन, वन स्पोर्ट विजन' रहा।

सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवॉर्ड्स देश के सबसे प्रतिष्ठित खेल व्यवसाय सम्मान समारोहों में गिने जाते हैं, जहां खेल जगत में नेतृत्व, नवाचार और प्रभाव को मान्यता दी जाती है। इससे पहले यह सम्मान जय शाह, नीता अंबानी, पार्थ जिंदल और वीटा दानी जैसी नामी हस्तियों को मिल चुका है। अब यह सम्मान प्रीति झंगियानी को भारतीय आर्मरेसलिंग को वैश्विक मंच पर मजबूती से स्थापित करने के लिए दिया गया है। जूरी ने सर्वसम्मति से प्रीति झंगियानी को भारतीय आर्मरेसलिंग के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए चुना। पीएएफआई के जरिए उनके दूरदर्शी नेतृत्व, एएएफ में उनकी अहम भूमिका और प्रो पंजा लीग के दूसरे सीजन की शानदार सफलता ने खेल को एशिया में नई पहचान दिलाई है। देशभर में संरचित प्रतियोगिताओं का आयोजन, उभरती प्रतिभाओं की खोज और उन्हें निखारने की दिशा में किए गए प्रयासों से खिलाड़ियों के लिए एक मजबूत विकास प्रणाली तैयार हुई है, जिससे भारतीय आर्मरेसलिंग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयां मिली हैं। इस समारोह में अन्य पुरस्कार विजेताओं में राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बदाले को स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर (पुरुष) चुना गया। पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया को स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ द ईयर, टाटा समूह को लीगेसी ऑफ एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स पैट्रोनेज और तमिलनाडु को बेस्ट स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद प्रीति झंगियानी ने कहा, 'यह सम्मान हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि भारत में आर्मरेसलिंग सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

मेजर लीग सॉकर : लगातार दूसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने लियोनेल मेसी

मियामी। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरी बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) अवॉर्ड जीत लिया है। इंटर मियामी को एमएलएस खिताब दिलाने और लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के शानदार प्रदर्शन के चलते मेसी को मंगलवार को यह सम्मान दिया गया। 38 वर्षीय मेसी लगातार दो बार एमएलएस एमवीपी बनने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह एमएलएस इतिहास में दो बार एमवीपी जीतने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल प्रेकी ने हासिल की थी, जिन्होंने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था। मेसी ने इस सीज़न के नियमित मुकाबलों में 29 गोल दागे और 19 गोल असिस्ट कर एमएलएस गोल्डन बूट अपने नाम किया। वह नियमित सत्र में गोल और असिस्ट दोनों में लीग का नेतृत्व करने वाले भी केवल दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले यह कारनामा 2015 में टोरंटो एफसी के सेबास्टियन जियोविन्को ने किया था। अक्टूबर में इंटर मियामी के साथ तीन साल का अनुबंध विस्तार करने वाले मेसी ने एमएलएस प्लेऑफ में भी शानदार प्रदर्शन किया।

पुरुष और महिला बॉक्सिंग नेशनल्स 31 दिसंबर से, ग्रेटर नोएडा करेगा मेजबानी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बॉक्सिंग के इतिहास में पहली बार सीनियर एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 31 दिसंबर से 6 जनवरी 2026 तक गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा में होगी। इस आयोजन में देशभर के शीर्ष पुरुष और महिला बॉक्सर एक ही मंच पर प्रतिस्पर्धा करते नजर आएंगे।

पुरुष वर्ग में सर्विसेज की टीम डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी, जबकि महिला वर्ग में रेलवे की टीम अपने खिताब की रक्षा करने की कोशिश करेगी। प्रतियोगिता का आधिकारिक ड्रॉ 30 दिसंबर को निकाला जाएगा, जिसके साथ ही भारत के अगले हाई-परफॉर्मेंस साइकिल की शुरुआत होगी।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देशभर की यूनिट्स पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10-10 वज़न श्रेणियों में भाग लेंगी। प्रत्येक यूनिट को हर वज़न वर्ग में केवल एक बॉक्सर उतारने की अनुमति होगी और किसी भी श्रेणी में रिज़र्व खिलाड़ी नहीं रखे जा सकेंगे। प्रतियोगिता में वही बॉक्सर भाग ले सकेंगे जिनका जन्म 1 जनवरी 1985 से 31 दिसंबर 2006 के बीच हुआ हो।

सभी मुकाबले अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता प्रारूप के तहत खेले जाएंगे, जिसमें तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे। राउंड्स के बीच एक मिनट का विश्राम रहेगा और मुकाबलों का फैसला 10-प्वाइंट मस्ट स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर किया जाएगा।

इस अवसर पर बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'मजबूत सिस्टम ही लंबे समय तक सफलता की नींव होता है और राष्ट्रीय चैंपियनशिप उसी सिस्टम की वास्तविक शुरुआत है। यही मंच खिलाड़ियों को अवसर देता है, प्रतिभा को सामने लाता है और राष्ट्रीय शिविर तक पहुंचने का निष्पक्ष रास्ता प्रदान करता है।'

उन्होंने आगे कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में हमारी हालिया सफलता इस व्यवस्था की ताकत को दर्शाती है। आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ये चैंपियनशिप उन खिलाड़ियों की पहचान और तैयारी में अहम भूमिका निभाएगी, जो भविष्य में देश की उम्मीदों को आगे ले जाएंगे।'

गौरतलब है कि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में चमकने वाले भारत के कई स्टार मुक्केबाज़ों ने अपना सफर राष्ट्रीय चैंपियनशिप से ही शुरू किया था। सचिन सिवाच और हितेश गुलिया, जिन्होंने वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीता, पहले राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन मीनाक्षी और जैस्मिन ने भी इन्हीं प्रतियोगिताओं के ज़रिए अपनी पहचान बनाई थी।

लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक चक्र की ओर बढ़ते अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बीच, यह राष्ट्रीय चैंपियनशिप एक बार फिर भारत के एलीट बॉक्सिंग कार्यक्रम के लिए प्रवेश द्वार साबित होगी।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का आगाज अगले साल 16 फरवरी से

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)।

बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का आयोजन 16 से 26 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। यह घोषणा पहले किए गए उस ऐलान के बाद हुई है, जिसमें लीग के उद्घाटन सत्र को वर्ष 2026 की शुरुआत में कराने की जानकारी दी गई थी। अब अंतिम तारीखें इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के अनुरूप तय की गई हैं, ताकि किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से टकराव न हो। इस लीग में देश और विदेश के कई शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, जिससे दर्शकों को रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबले देखने को मिलेंगे। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का उद्देश्य लीग-फॉर्मेट में विश्वस्तरीय शूटिंग को प्रस्तुत करना और खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाना है।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'शूटिंग लीग ऑफ इंडिया हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। यह फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ी-केंद्रित और वैश्विक कैलेंडर के अनुरूप है, जिससे अधिकतम अंतरराष्ट्रीय भागीदारी संभव होगी। मिश्रित टीम मुकाबलों और प्रीमियम प्रसारण के साथ हम विश्वस्तरीय उद्घाटन सत्र प्रस्तुत करने के लिए तैयार हैं।' एनआरएआई के महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा, 'हमें खुशी है कि शूटिंग लीग ऑफ इंडिया का पहला संस्करण अगले साल की शुरुआत में होगा। इसमें भारत और विदेश के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिससे मुकाबले बेहद प्रतिस्पर्धी होंगे। यह लीग शूटिंग खेल को बढ़ावा देने और घरेलू खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर के एथलीटों के साथ खेलने का बेहतरीन अवसर प्रदान करेगी।'

पूर्व विश्व चैंपियन और शूटिंग दिग्गज रंजन सोढ़ी ने कहा, 'कसा हुआ प्रारूप, मिश्रित टीम प्रणाली और उम्दा प्रसारण शूटिंग जैसे तकनीकी खेल को भी दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक बना सकते हैं। यह मंच खेल की बारीकियों को रोचक कहानी में बदलने की क्षमता रखता है।'

पूर्व विश्व नंबर-1, खेल रत्न एवं अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अंजलि भगवत ने कहा, 'यह मंच जूनियर और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को वैश्विक सितारों के साथ खेलने और उनसे सीखने का मौका देगा। सुरक्षित कैलेंडर और मजबूत आयोजन व्यवस्था के साथ यह लीग आने वाली पीढ़ी को प्रेरित कर सकती है।'

इस प्रतियोगिता में मिश्रित टीम स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री-पोज़िशन) और शॉटगन (ट्रैप व स्कीट) शामिल हैं। फ्रेंचाइजी आधारित टीमों को लीग चरण में दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे। खिलाड़ियों का ड्राफ्ट चार श्रेणियों — एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर एवं यूथ में किया जाएगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय सितारों, शीर्ष भारतीय निशानेबाजों और उभरती प्रतिभाओं का संतुलित मिश्रण तैयार किया जा सके।

स्पेसएक्स अब शेयर मार्केट में उतरेगी, 30 अरब डॉलर से ज्यादा पैसा जुटाने की तैयारी

कंपनी पूरे बिजनेस को करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यू पर ले जाना चाहती है

वाशिंगटन, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अब शेयर मार्केट में उतरेगी। कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी करीब 30 अरब डॉलर से ज्यादा पैसा जुटा सकती है और अगर ऐसा होता है तो ये इतिहास की सबसे बड़ा लिस्टिंग साबित होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अपने पूरे बिजनेस को करीब 1.5 ट्रिलियन डॉलर यानी 1 लाख 50 हजार अरब डॉलर की वैल्यू पर ले जाना चाहती है। ये वैल्यू सऊदी अरामको के 2019 के रिकॉर्ड के बराबर होगी, जब अरामको ने 29 अरब डॉलर जुटाए थे। अगर ऐसा हुआ तो स्पेसएक्स दुनिया की सबसे महंगी लिस्टेड कंपनी बन जाएगी। स्पेसएक्स एग्जीक्यूटिव 2026 के बीच या आखिर तक कंपनी को शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन मार्केट की स्थिति देखकर तारीख बदल भी सकती है, और ये आईपीओ 2027 तक भी आ सकता है। स्पेसएक्स के आईपीओ की खबर के बाद मंगलवार को दूसरे स्पेस कंपनियों के शेयरों में तगड़ा उछाल आया। एकोस्टार कंपनी, जो स्पेसएक्स को स्पेक्ट्रम लाइसेंस बेच रही है, उसके शेयर न्यूयॉर्क में 12फीसदी तक चढ़ गए और नया रिकॉर्ड बना लिया। रॉकेट लैब कंपनी के शेयर भी 4.3फीसदी तक बढ़ गए। ब्लूमबर्ग के मुताबिक एलन मस्क और कंपनी के बोर्ड ने हाल के दिनों में लिस्टिंग और फंड जुटाने के प्लान को तेज कर दिया है, यहां तक कि जरूरी पोस्ट के लिए हायरिंग भी शुरू हो गई और पैसे कहां लगाए जाएंगे इसकी प्लानिंग भी हो रही है। ये सब तब हुआ जब स्पेसएक्स अपनी लेटेस्ट इनसाइडर शेयर सेल को फाइनल कर रही थी। इस आईपीओ को इतनी जल्दी लाने की एक बड़ी वजह है कि कंपनी का स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट बिजनेस जो बहुत तेजी से बढ़ रहा है, साथ ही मोबाइल पर डायरेक्ट इंटरनेट देने का नया प्लान भी है। ऊपर से स्टारशिप रॉकेट का डेवलपमेंट चल रहा है। इन सबकी वजह से कंपनी को लग रहा है कि अभी मार्केट में पैसा जुटाना का सही समय है और आईपीओ से मिले पैसे से ये सारे बड़े-बड़े सपने पूरे किए जाएंगे। ये कंपनी साल 2025 तक करीब 15 बिलियन डॉलर का रिवेन्यू कमाने वाली है। स्पेसएक्स इस साल करीब 15 अरब डॉलर की कमाई करने वाली है और अगले साल 2026 में ये आंकड़ा 22 से 24 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। स्पेसएक्स आईपीओ से जुटाए पैसा का कुछ हिस्सा स्पेस में डेटा सेंटर बनाने पर खर्च किया जाएगा। इन डेटा सेंटरों को चलाने के लिए कंपनी जरूरी चिप्स भी खरीदेगी। एलन मस्क ने हाल ही में बैरन कैपिटल के इवेंट में इस आइडिया पर खुलकर उत्साह दिखाया था। स्पेसएक्स के एग्जीक्यूटिव कई बार स्टारलिंक बिजनेस को अलग कंपनी बनाकर उसका अलग से आईपीओ लाने की बात कर चुके हैं, ये आइडिया सबसे पहले कंपनी की प्रेसिडेंट ग्विन शॉटवेल ने 2020 में दिया था, लेकिन मस्क ने हर बार टाइमिंग पर शक जताया और 2024 में कंपनी के सीएफओ ब्रेट जॉनसन ने साफ कहा कि स्टारलिंक का आईपीओ अभी जल्दी नहीं आएगा, ये आने वाले कुछ सालों में ही आएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश

नई दिल्ली। गोवा में आयोजित मोटासाउल 2025 इवेंट में टीवीएस ने अपनी एडवेंचर-टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश किया है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण ब्लैक व गोल्ड रंग संयोजन है, जो इसे बाकी मॉडलों से अलग बनाता है। नया एडिशन पूरी तरह से स्टाइलिंग अपडेट पर आधारित है और इसमें इंजन, फ्रेम, सस्पेंशन और ब्रेकिंग सेटअप में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किया गया है। यानी परफॉर्मेंस और राइडिंग अनुभव स्टैंडर्ड अपाचे आरटीएक्स 300 जैसा ही रहेगा। बाइक में ब्लैक बॉडी पैनल पर शैंपेन गोल्ड ग्राफिक्स दिए गए हैं, जो इसकी डिजाइन लाइंस को और उभारते हैं। रेड हाईलाइट्स के इस्तेमाल से इसमें स्पोर्टी और एग्रेसिव टच भी मिलता है। वहीं डुअल-टोन एलॉय व्हील्स (ब्लैक और गोल्ड) इसका मुख्य आकर्षण बनते हैं। टीवीएस ने सेलिब्रेशन एडिशन में इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स और राइडर एड्स भी वही रखे हैं जो स्टैंडर्ड मॉडल में मौजूद हैं और इस बार कोई नया फीचर पैकेज शामिल नहीं किया गया है। कंपनी ने फिलहाल कीमत की घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह सामान्य मॉडल की तुलना में थोड़ी अधिक हो सकती है, क्योंकि इसे लिमिटेड एडिशन के रूप में बाजार में उतारा जाएगा।

भारत ने श्रीलंका को दान की सात यूटिलिटी गाड़ियां

नई दिल्ली। दितवाह तूफान से श्रीलंका में मचे भारी विनाश के बीच राहत और पुनर्वास कार्य के लिए भारत ने मानवीय सहायता बढ़ाते हुए श्रीलंका को सात यूटिलिटी गाड़ियां दान की हैं। इन गाड़ियों की कुल कीमत 65 मिलियन रुपये से अधिक बताई गई है। यह सौंपने का कार्यक्रम श्रीलंका में भारत के हाई कमिश्नर संतोष झा, इंडस्ट्री मंत्री सुनील हंदुनेट्टी और उप रक्षा मंत्री मेजर जनरल (रि.) अरुणा जयसेकरा की उपस्थिति में हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारतीय दूतावास ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्थानीय अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद इस सहायता पैकेज को अंतिम रूप दिया गया। इस योगदान में लंका अशोक लेलैंड के कर्मचारियों द्वारा दिए गए 2.5 मिलियन रुपये की सहायता भी शामिल है। गाड़ियां श्रीलंका डिज़ास्टर मैनेजमेंट सेंटर को सौंप दी गई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 5 दिसंबर तक इस प्राकृतिक आपदा में मौत का आंकड़ा बढ़कर 607 पहुंच गया है, जबकि 214 लोग लापता हैं और करीब 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इस आपदा में 4,164 घर पूरी तरह नष्ट हुए और 67,505 मकानों को आंशिक क्षति पहुंची है।

नई मोटरसाइकिल एक्स 440टी लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में हार्ले-डेविडसन ने अपनी नई मोटरसाइकिल एक्स 440टी लॉन्च कर दी है। बाइक

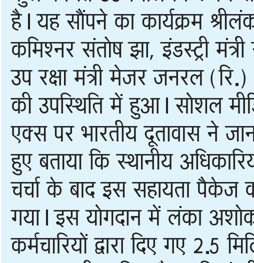

एक्स 440 प्लेटफॉर्म पर आधारित है, हालांकि डिजाइन और फीचर्स में इसे काफी अपडेट किया गया है। इस बाइक की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.79 लाख रुपये रखी गई है। नई एक्स 440टी अधिक स्ट्रीट-फोकस्ड डिजाइन के साथ आती है, जिसमें बड़े रियर फेंडर, चौड़े ग्रैब हैंडल और री-डिजाइन्ड सीट शामिल हैं, जो राइडर और पिलियन दोनों के लिए बेहतर कम्फर्ट प्रदान करते हैं। इसके अलावा बाइक में कई आकर्षक कलर विकल्प दिए गए हैं पर्ल ब्लू, पर्ल रेड, पर्ल व्हाइट और विविड ब्लैक। फीचर्स की बात करें तो इसमें एक्स440 जैसी फ्रंट प्रोफाइल के साथ बार-एंड मिरर और ब्लैक फ्रंट फेंडर के रूप में एक्सक्लूसिव बदलाव शामिल हैं। बाइक एडवांस राइड-बाय-वायर सिस्टम, ट्रैक्शन कंट्रोल और स्विचेबल रियर एबीएस के साथ आती है। उपयोगकर्ता रोड और रेन दो राइडिंग मोड चुन सकते हैं। बाइक में 440सीसी सिंगल-सिलेंडर एयर-ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है, जो 27 बीएचपी पावर और 38 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी इसके माइलेज को करीब 35 केएमपीएल बताती है। इसमें 18-इंच फ्रंट व 17-इंच रियर व्हील, 1,418 एमएम व्हीलबेस और 170 एमएम ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है, जो बेहतर स्थिरता सुनिश्चित करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ग्रेटर हैडराबाद...

(53) कोंगारा कलन, (54) अदिबटला, (55) तुर्कायमजल, (56) बालापुर, (57) नादिरगुल, (58) प्रशांति हिल्स, (59) जलील गुडा, (60) मीरपेट, (61) बदंगपेट, (62) बांडलागुडा,(63) शाहीन नगर), (64) पहाड़ी शरीफ, (65) गरश्ररिश्रिश्रळ जलपल्ली, (66) थुकुगुडा, (67) इमामगुडा, (68) बांडलागुडा, (69) नूरी नगर, (70) बरकस, (71) कंचनबाग, (72) चंद्रयानगुट्टा, (73) रियासतनगर, (74) ईद बाजार, (75) जंगममेट, (76) कंडिकल गेट, (77) कादरी चमन, (78) गौलीपुरा, (79) अमन नगर, (80) याकुत्पुरा, (81) दबीरपुरा, (82 रेन बाजार, (83) मदनपेट, (84) बानूनगर, (85) संतोष नगर, (86) आई एस सदन, (87) सरस्वती नगर, (88) सैदाबाद, (89) असमंगढ़, (90) मूसा राम बाग, (91) ओल्ड मलकपेट, (92) एम सी एच कॉलोनी), (93) अकबर बाग, (94) चावनी, (95) काला डेरा, (96) आज़मपुरा, (97) पुरानी हवेली, (98) पत्थरगट्टी, (99) हरी बोवली, (100) काजीपुरा।

(101) घांसी बाजार, (102) पुरानापुल, (103) बहादुरपुरा, (104) शाह अली बांदा, (105) फलकनुमा, (106) जहाँनुमा, (107) नवाब साहब कुंटा, (108) तीगल कुंटा, (109) चंदू लाल बारादरी, (110) रामनास्तपुरा, (111) किशनबाग, (112) अत्तापुर, (113) हैदरगोवड़ा, (114) सुलेमान नगर, (115) शास्त्रीपुरम, (116) काटेधन, (117) मेल-ारदेवपल्ली, (118) शमशाबाद, (119) कोटवालगोवड़ा, (120) राजेंद्रनगर, (121) बांडलागुडा जागीर, (122) किस्मातपुर, (123) हैदरशाहकोटे, (124) नर्सिंगी, (125) गांधीपेट, (126) कोकापेट, (127) मानिकोंडा, (128) नेकनामपुर, (129) निज़ाम कॉलोनी, (130) नानल नगर, (131) टोलिचोवकी, (132) गोलकोंडा, (133) इब्राहिम बाग, (134) लंगर हाउज, (135) गुड्डी मलकापुर, (136) कारवां, (137) तप्पाचबूतरा, (138) जिया गुडा, (139) आसिफ नगर, (140) पद्मनाभ नगर, (141) मेहदीपत्तनम, (142) सैयद नगर, (143) विजय नगर कॉलोनी, (144) अहमद नगर, (145) शांति नगर, (146) रेड हिल्स, (147) मल्लेपल्ली, (148) दत्तात्रेय नगर, (149) मंगलहाट, (150) गोशामहल, (151) बेगम बाजार, (152) जंबाग, (153) एग्जीबिशन ग्राउंड, (154) गन फाउंड्री, (155) काचीगुडा, (156) तुलसी रामनगर, (157) गोल नाका, (158) पटेल नगर, (159) अंबरपेट, (160) डीडी कॉलोनी, (161) तिलक नगर, (162) नल्लाकुंटा, (163) आदिकमेट, (164) बाग लिंगमपल्ली, (165) गांधी नगर, (166) कवाड़ीगुडा, (167) बाकाराम, (168) भोलापुर, (169) मुशीराबाद, (170) राम नगर, (171) बापूजी नगर, (172) बुद्धा नगर, (173) तारनाका, (174) सीताफल मंडी, (175) चिलकल गुडा, (176) मेट्टुगुडा, (177) लालापेट, (178) नॉर्थ लालागुडा, (179) अड्डागुट्टा, (180) ईस्ट आनंदबाग, (181) मिर्जल गुडा, (182) गौतम नगर, (183) मलकाजगरी, (184) बलराम नगर, (185) सफील गुडा, (186) मौला अली, (187) विनायक नगर, (188) नेरेडमेट, (189) याप्राल, (190) तुरकपल्ली, (191) माचा बोल्लाराम, (192) टेम्पल आलवाल, (193) वेंकटापुरम, (194) भूदेवी नगर, (195) कानाजी गुडा, (196) मोंडा मार्केट, (197) पद्माराव नगर, (198) भंसी लालपेट, (199) राम गोपालपेट, (200) बेगमपेट।

(201) अमीरपेट, (202) एसआर नगर, (203) बीके गुडा, (204) सनथ नगर, (205) एरागुडा, (206) मधुरा नगर, (207) श्रीनगर कॉलोनी, (208) यूसुफ गुडा, (209) वंगल राव नगर, (210) कृष्णा नगर, (211) रहमत नगर, (212) कर्मिका नगर, (213) राजीव नगर, (214) बोराबंडा, (215) जुबली हिल्स, (216) वेंकटेश्वरा कॉलोनी, (217) इरम मंज़िल, (218) सोमाजीगुडा, (219) खैरातबाद, (220) हिमायत नगर, (221) बंजारा हिल्स, (222) फिल्म नगर, (223) शेखपेट, (224) ओयू कॉलोनी, (225) गाचीबोवली, (226) नल्लागंडला, (227) सेरिलिंगमपल्ली, (228) मस्जिद बांदा, (229) श्री राम नगर, (230) अंजैया नगर, (231) हाई-टेक सिटी, (232) माधापुर, (233) इज़्ज़त नगर, (234) कोंडापुर, (235) मातृश्री नगर, (236) हफीजपेट, (237) मदीनागुडा, (238) चंदा नगर, (239) दीप्तिश्री नगर, (240) मियापुर, (241) बीके एन्क्लेव, (242) मयूरी नगर, (243) हैदरनगर, (244) भाग्यानगर कॉलोनी, (245) शमशीगुडा, (246) आलविन कॉलोनी, (247) विवेकानंद नगर कॉलोनी, (248) कमलाप्रसाद नगर, (249) कुकटपल्ली, (250) बालाजी नगर।

(251) वसंत नगर, (252) केपीएचबी कॉलोनी, (253) कैथलपुर, (254) गायत्री नगर, (255) अल्लापुर, (256) मोती नगर, (257) मूसापेट, (258) प्रशांत नगर, (259) बालानगर, (260) फतेह नगर, (261) प्रकाश नगर, (262) ओल्ड बोवेनपल्ली, (263) तेल्लापुर, (264) हशमतपेट, (265) मुथांगी, (266) पटांचेरु, (267) जेपी कॉलोनी, (268) रामचंद्रपुरम, (269) भारती नगर, (270) अमीनपुर, (271) सुल्तानपुर, (272) बोल्लाराम, (273) निज़ामपेट, (274) बाचुपल्ली, (275) बंदारी लेआउट, (276) प्रगति नगर, (277) महादेवपुरम, (278) गजुलारामारम, (279) रोड्समेस्ट्री नगर, (280) जगतगिरी गुट्टा, (281) रंगारेड्डी नगर, (282) चिंटल, (283) गिरी नगर, (284) कुतुबुल्लापुर, (285) पद्मा नगर, (286) सुचित्रा, (287) जीदीमेटला, (288) कोमपल्ली, (289) दूलापल्ली, (290) राम रेड्डी नगर, (291) शाहपुर नगर, (292) सुभाष नगर, (293) सुराराम, (294) बहादुरपल्ली, (295) बौरामपेट, (296) दुंदीगल, (297) मेडचल, (298) किस्तापुर, (299) गुंडलापोचमपल्ली, (300) थुमकंटा।

चुनाव आयोग पर...

वह भारत का नागरिक हो और दूसरी शर्त है कि उसकी उम्र 18 साल हो। श्री शाह ने कहा कि विपक्ष और खासकर कांग्रेस एसआईआर को लेकर शुरु से ही सरकार पर हमला कर रहा है। उसका आरोप है कि भाजपा की यह चुनाव जीतने की रणनीति है लेकिन विपक्ष को यह भी समझना चाहिए कि चुनाव में जीत हार का फैसला जनता करती है। उसमें एसआईआर जैसा कोई फैक्टर काम नहीं करता है। एसआईआर के जरिए सिर्फ वैध मतदाता को ही मतदाता सूची में रखने का काम हो रहा है इसलिए एसआईआर मतदाता सूची में शुद्धि की एक प्रक्रिया है और चुनाव आयोग ने इस प्रक्रिया को साफ सुथरी चुनाव सूची के लिए शुरु किया है। उनका कहना था कि एसआईआर की प्रक्रिया पहले चुनाव से ही चल रही है और इस क्रम में सबसे पहले एसआईआर 1952 में हुआ था। उसके बाद 1957, फिर 1962 और 1965 तथा 66 में हुआ और फिर 2004 के बाद अब 2025 में हो रहा है। यह चुनाव आयोग के काम का हिस्सा है और चुनाव में निष्पक्षता तथा पारदर्शिता के लिए वह इस तरह की प्रक्रिया को अपनाता रहता है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष माहौल बनाने का प्रयास करता रहा है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा नहीं करना चाहती है। इसी का परिणाम है कि इस सत्र की शुरुआत में पहले दो दिन संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी। विपक्ष का यह जनता के बीच यह संदेश देने का प्रयास था कि सरकार चर्चा नहीं कराना चाहती है और सच में सरकार एसआईआर पर चर्चा कराने को कभी तैयार भी नहीं थी। उनका कहना था कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लोग हमेशा चर्चा के पक्ष में रहते हैं और हम चर्चा से कभी नहीं भागते नहीं हैं लेकिन यहां एसआईआर पर चर्चा के लिए हमने उनकी सरकार ने ही नहीं कहा, और इसके पीछे भी कुछ कारण थे। विपक्ष एसआईआर की विस्तार से समीक्षा की मांग कर रहा है लेकिन यह संभव नहीं था क्योंकि यह चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है। चर्चा के दौरान यदि कोई बड़ा सवाल आता तो उसका जवाब कौन देता इसलिए हमने तय किया कि एसआईआर पर चर्चा नहीं करवाएंगे। इस पर चर्चा होगी तो जवाब कौन देगा। विपक्ष जब चुनाव सुधार पर चर्चा के लिए तैयार हुआ, सरकार ने इस पर दो दिन चर्चा करा दी।

श्री शाह ने कहा चर्चा तय हुई चुनाव सुधार पर लेकिन विपक्ष के सदस्यों ने एसआईआर पर ही बोला। जवाब तो मुझे देना पड़ेगा। मैंने पहले के भी सभी एसआईआर का गहन अध्ययन किया है और कांग्रेस की ओर से फैलाए गए झूठ का अपने तर्कों के हिसाब से जवाब देना चाहता हूं। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। श्री शाह ने कहा कि विपक्ष एसआईआर का मुद्दा छेड़कर बहस को भटकाना चाहता था, जबकि सरकार व्यापक चुनावी सुधारों पर सार्थक चर्चा चाहती थी।

उन्होंने कहा कि चुनाव के लिए चुनाव आयोग जिम्मेदार है, यह व्यवस्था जब बनी, तब हम थे ही नहीं। अनुच्छेद 324 में चुनाव आयुक्त को विशेष अधिकार दिए गए। अनुच्छेद 326 में मतदाता की पात्रता तय की गई है। एसआईआर का अधिकार चुनाव आयोग को अनुच्छेद 327 में है। एसआईआर चुनाव को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। चुनाव जिस आधार पर होते हैं, वह वोटर लिस्ट ही अशुद्ध है, तो चुनाव कैसे पवित्र हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि घुसपैठिए यह तय नहीं कर सकते कि सीएम-पीएम कौन हो।गृह मंत्री ने कहा हम भी विपक्ष में रहे हैं। हम जीतने से ज्यादा हारे हैं। कई चुनाव हम हारे हैं। हमने चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग पर कभी आरोप नहीं लगाए। अब एक नया पैटर्न खड़ा किया गया है। सुश्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए, श्री स्टालिन ने लगाए, श्री राहुल गांधी ने लगाए, श्री अखिलेश यादव ने लगाए, श्री हेमंत सोरेन ने लगाए, श्री भगवंत मान ने लगाए। पहले ऐसी परंपरा सिर्फ कांग्रेस में थी लेकिन कड़ी ऐसी जुड़ी की यह आरोप अब इंडी गठबंधन के लोग भी लगाने लगे।

उन्होंने कहा कि विपक्ष पूरे चुनाव आयोग की छवि को पूरी दुनिया में धूमिल करने की कोशिश कर रहे हैं। आपको लग रहा है कि आप सरकार की छवि धूमिल कर रहे हैं, आप देश की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के नाम पर देशवासियों को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर लोकतंत्र को पवित्र रखने की प्रक्रिया है। समय समय पर गहन पुनरीक्षण जरूरी है इसलिए आयोग ने इसे कराने का फैसला किया गया। उन्होंने सवाल किया किसी भी देश का लोकतंत्र सुरक्षित रह सकता है जब देश का प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री चुनने वाले घुसपैठिये होंगे। एसआईआर सिर्फ मतदाता सूची का शुद्धिकरण है।

मतदान के सीसीटीवी फुटेज 45 दिनों बाद डिलीट करने के विपक्षी दलों के सवाल पर उन्होंने कहा कि 45 दिन बाद किसी चुनाव के संबंध में कोई याचिका दाखिल नहीं की जा सकती इसलिए इनकी जरूरत नहीं होती है। यदि इन्हें पूरे देश में रखने की प्रक्रिया शुरु की जाए तो यह कठिहन हो जाएगा क्योंकि बहुत बड़ी संख्या में मतदान के सीसीटीवी फुटेज होते हैं, यदि सभी के फुटेज रखना शुरु कर दिया जाय और हर कोई मांगने लगे तो, उन्हें दे पाना संभव नहीं हो सकेगा।

श्री शाह ने कहा कि उनकी सरकार की मंशा घुसपैठियों का पता लगाना, उन्हें मतदाता सूची से हटाना और उन्हें देश से बाहर भेजना है। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकी में परिवर्तन बहुत बड़ा खतरा है। घुसपैठ को रोकना बहुत जरूरी है। देश एक बार धर्म के आधार पर बंट चुका है, भविष्य में ऐसी नौबत न आये, इसलिए घुसपैठ पर रोक लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार सीमा पर बाड़ लगाने में सहयोग नहीं कर रही है, इसलिए घुसपैठ होती है। घुसपैठिये जिन गांवों में आते हैं, वहां के ग्राम प्रधान, पटवारी और संबंधित थाने में इसकी जानकारी हो जाती है, लेकिन कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। इसका जवाब दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि अनेक संस्थाओं में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के लोग बैठा दिये गये हैं, लेकिन इसमें बुराई क्या है। देश के प्रधानमंत्री संघ की विचारधारा के हैं, गृह मंत्री संघ की विचारधारा के हैं।

दीपावली...

वाले परिवार शामिल हैं। इस पर्व की महत्ता में प्रवासी भारतीयों की जीवंत भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया, अफ्रीका, खाड़ी देशों, यूरोप और कैरेबियन में मनाए जाने वाले दीपावली समारोहों ने दीपावली के संदेश को महाद्वीपों में फैलाया और सांस्कृतिक सेतुओं को मजबूत किया है। यह शिलालेख विरासत की रक्षा करने और इसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने की नयी जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से दीपावली की एकता की भावना को अपनाने और भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक परंपराओं का समर्थन जारी रखने का आग्रह किया।

संस्कृति मंत्रालय ने कहा कि दीपावली का शिलालेख भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के बारे में वैश्विक जागरूकता को बढ़ावा देगा तथा भावी पीढ़ियों के लिए समुदाय-आधारित परंपराओं की रक्षा के प्रयासों को सुदृढ़ करेगा। दीपावली विभिन्न क्षेत्रों, समुदायों तथा वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय में मनाए जाने वाले जन त्योहार के रूप में मान्यता प्राप्त एकता, नवीनीकरण और सामाजिक सामंजस्य के सिद्धांतों के प्रतीक का त्योहार है। दीये जलाना, रंगोली बनाना, पारंपरिक शिल्पकला, अनुष्ठान, सामुदायिक समारोह और पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान का हस्तांतरण इसकी जीवंतता और भौगोलिकता की सीमाओं के अनुकूलन की क्षमता को दर्शाता हैं।

तिरुपति मंदिर...

टीटीडी के मुताबिक, रिपोर्ट से पता चला है कि शॉल में पॉलिएस्टर की मात्रा ज्यादा थी और इनमें शुद्ध रेशम नहीं था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि, ङ्गरेशमी शॉल की खरीद के लिए नियम यह है कि शॉल का कपड़ा पूरी तरह से शुद्ध शहतूत रेशम से बुना होना चाहिए, उस पर भारत के सिल्क मार्क संगठन द्वारा प्रमाणित सिल्क मार्क लेबल होना चाहिए और इसमें सोना और चांदी से मुक्त और टेस्टेड जरी का इस्तेमाल होना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है, कपड़े में 100 एंड्स प्रति इंच, 80 पिक्स प्रति इंच होना चाहिए, दोनों तरफ 2.5 इंच का बॉर्डर होना चाहिए और बीच में शंकु, चक्र और नामम के साथ तेलुगु और संस्कृत में ङ्गओम नमो वेंकटेशायफ लिखा होना चाहिए। शॉल का वजन 180 ग्राम होना चाहिए, जिसमें कम से कम 110 ग्राम गोंद रहित और रंगे हुए रेशम शामिल हों, और शेष वजन जरी और बॉर्डर का हो।

टीटीडी के अधिकारियों ने कहा कि जब उन्होंने तिरुमाला में रेशमी शॉल के स्टॉक की जांच की तो उन्हें शक हुआ कि यह कपड़ा रेशम नहीं है और उन्होंने इसकी जांच के लिए सैंपल भेजे। सतर्कता विभाग ने कहा, यह नकली रेशम था, शुद्ध रेशम नहीं, कपड़े में काफी मात्रा में पॉलिएस्टर मिला हुआ था।

टीटीडी ने कहा कि यह टेंडर की शर्तों का उल्लंघन है और धोखाधड़ी का मामला है, इसलिए एसीबी इस मामले में जांच शुरू कर रही है। इसके साथ ही मेसर्स वीआरएस एक्सपोर्ट्स और उसकी दो सहयोगी कंपनियों को दिया गया कांट्रेक्ट भी रद्द किया जा रहा है।

इससे पहले तिरुमाला मंदिर में 2019 से 2024 के बीच प्रसाद के लिए जो लड्डू बनाए गए थे, इन लड्डुओं को बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट के आरोप लगे थे।

जांच में पता चला था कि एक ऐसी डेयरी कंपनी जिस पर बैन लगा था, उसने नकली घी की सप्लाई की और इनका इस्तेमाल लड्डू बनाने में किया गया। तब यह मामला काफी चर्चा में रहा था।

अनुपस्थित और मृत...

अब इन मतदाताओं की स्थिति की पुष्टि करना जरूरी है, ताकि मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले गलतियों को ठीक किया जा सके। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर बूथ स्तरीय अधिकारी, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ स्तरीय एजेंटों से मुलाकात करेंगे और उन्हें पूरी एएसडी सूची सौंपी जाएगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, इन 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लगभग 5 लाख बूथ स्तर अधिकारी और 12 लाख से अधिक बूथ स्तर एजेंट मिलकर बूथवार बैठकों में भाग लेंगे। आयोग का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और हर त्रुटि समय रहते सुधार ली जाए।

चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बूथवार, विधानसभा वार और जिला वार एएसडी सूची संबंधित जिलाधिकारियों तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। यह लिस्ट पहचान पत्र संख्या के आधार पर खोजे जाने योग्य रूप में भी उपलब्ध होगी। बिहार में अपनाई गई इसी व्यवस्था को अब देश के अन्य राज्यों में भी लागू किया जा रहा है।

आयोग का कहना है कि पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने के लिए यह कदम महत्वपूर्ण है। इससे राजनीतिक दलों को भी वास्तविक स्थिति का पता चलेगा और वे मतदाता सूची से जुड़े कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले सकेंगे। चुनाव आयोग ने सभी राज्यों से कहा है कि वे निर्देशों का पालन समयबद्ध तरीके से करें, ताकि विशेष सुधार प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो सके।

जानबूझकर संकट...

एयरलाइन की सेवाएं उम्मीद से पहले ही सामान्य हो गई है।

मेहता ने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) उन घटनाओं की पूरी श्रृंखला की जांच कर रहा है, जिनके चलते देशभर में हजारों यात्री फंस गए। उन्होंने पुष्टि की कि इंडिगो, प्रबंधन के साथ मिलकर काम करने के लिए बाहरी तकनीकी विशेषज्ञों की नियुक्ति करेगा, ताकि इस पूरी गड़बड़ी के मूल कारणों का पता लगाया जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस तरह का व्यवधान दोबारा कभी न हो। उन्होंने इस अव्यवस्था की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस दावे को सख्ती से खारिज किया कि यह व्यवधान जानबूझकर किया गया था. उन्होंने कहा कि कुछ आरोप ऐसे हैं जो सरासर गलत हैं। यह कहना कि इंडिगो ने जानबूझकर इस संकट को पैदा किया, कि हमने सरकारी नियमों को प्रभावित करने की कोशिश की, या कि हमने सुरक्षा से समझौता किया. ये सभी दावे तथ्यहीन हैं। हमने जुलाई से नवंबर तक पूरे समय पायलटों की थकान से जुड़े अपडेट नियमों के तहत ही परिचालन किया और उन्हें दरकिनार करने की कोई कोशिश नहीं की।

चेयरमैन मेहता ने तीन से पांच दिसंबर के बीच के दिनों को ऐसा समय बताया, जब अप्रत्याशित घटनाओं की एक श्रृंखला ने एयरलाइन की प्रणालियों पर भारी दबाव डाला. उन्होंने इसके लिए मामूली तकनीकी खामियों, सर्दियों के दौरान के शेड्यूल में बदलाव, प्रतिकूल मौसम, पूरे विमानन नेटवर्क में भीड़भाड़ और नए क्रू रोस्टरिंग मानकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह कोई बहाना नहीं है। यही सच्चाई है और उन्होंने इस पूरे प्रकरण को कंपनी के अब तक बेदाग रहे रिकॉर्ड पर लगा एक दाग बताया।हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि जनता का भरोसा दोबारा हासिल करने में समय लगेगा. मेहता ने कहा कि हमारी कंपनी से चूक हुई है। उसे आपका विश्वास फिर से जीतना होगा. यह शब्दों पर नहीं, बल्कि हमारे कार्यों पर निर्भर करेगा।

संघ प्रमुख ने...

देखा जाये तो मोदी के उत्तराधिकारी के बारे में मोहन भागवत का बयान राजनीतिक रूप से संयमित और रणनीतिक है। एक ओर उन्होंने उत्तराधिकार के प्रश्न से खुद को दूर रखकर यह संदेश दिया है कि भाजपा नेतृत्व अपने निर्णय लेने में स्वतंत्र है। दूसरी ओर उन्होंने सामाजिक एकता और ङ्गविश्वगुरुफ की अवधारणा को केंद्र में रखकर संघ के दीर्घकालिक एजेंडे को मजबूती से पेश किया। हालांकि यह कहना जल्दबाज़ी होगी कि उत्तराधिकार बहस यहीं समाप्त हो गई। दरअसल, राजनीति में संकेत कई बार वास्तविकता से ज्यादा प्रभावशाली होते हैं और भागवत का यह बयान भी उसी श्रेणी में आता है। परंतु इतना निश्चित है कि संघ खुद को औपचारिक रूप से इस बहस से दूर दिखाकर भाजपा के भीतर किसी भी संभावित शक्ति संतुलन को खुला छोड़ देना चाहता है। बहरहाल, यह दूरी चाहे वास्तविक हो या रणनीतिक, आने वाले समय की भारतीय राजनीति को दिलचस्प बनाए रखने वाली है।

गुरुवार की शाम करें पांच सरल उपाय

भगवान विष्णु होंगे प्रसन्न, धन-दौलत की नहीं होगी कमी

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन विष्णुजी की विधि-विधान से पूजा और व्रत करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। वहीं, ज्योतिषशास्त्र में गुरुवार के कुछ ऐसे आसान उपाय भी बताए गए हैं जिन्हें करने से विष्णुजी के साथ-साथ माता लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। क्योंकि मान्यता है का जहां भगवान विष्णु का वास होता है वहां लक्ष्मी मां का भी वास बना रहता है। साथ ही, गुरुवार की शाम के उपाय करने से जातक के धन-दौलत में वृद्धि हो सकती है और तरक्की के मार्ग खुलते हैं।

पीले चावल और दीपक का उपाय

गुरुवार को सुबह और शाम के समय विधि-विधान से भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, शाम को प्रदोष काल में पूजा के वक्त विष्णुजी के सामने थोड़े से चावल को हल्दी से रंग कर रखें और फिर, उस पर घी का दीपक जलाकर रख दें। अब अगले दिन सुबह चावल को मंदिर से उठाकर एक पीले वस्त्र में बांधकर पोटली बनाएं। इसे अपने धन रखने वाले स्थान पर रखें। जब चावल की मात्रा अधिक हो जाए तो उसे लेजाकर बहते जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को करने से पैसों की तंगी से मुक्ति मिल सकती है और धन-दौलत की कभी भी कमी नहीं होती है।

केसर की खीर का भोग लगाएं

शाम के समय भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा और आरती करने के बाद उन्हें केसर की खीर का भोग लगाना चाहिए। यह प्रसाद विष्णुजी को बहुत प्रिय है। ऐसे में इस उपाय को करने से जातक को भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, माता लक्ष्मी की आशीर्वाद भी परिवार के सदस्यों पर बना रहता है। गुरुवार के दिन पीले रंग का खास महत्व है। ऐसे में इस दिन स्नानादि के पश्चात पीले रंग के वस्त्र धारण करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

मंदिर में चने की दाल करें दान

गुरुवार के दिन कुछ विशेष चीजों का दान करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन शाम के वक्त अपने पास में मौजूद भगवान विष्णु के मंदिर जाना चाहिए। फिर, अपने सामर्थ्य अनुसार पीले रंग के वस्त्र में चने की दाल डालकर पोटली बनाएं और मंदिर में दान कर दें। इस उपाय को करने से जातक पर विष्णुजी की कृपा बनी रह सकती है। साथ ही, जरूरी कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होने लगती हैं और कारोबार में भी लाभ प्राप्त होता है। अगर आपकी तरक्की में अड़चनें आ रही हैं तो गुरुवार को यह सरल उपाय जरूर करके देखें।

मुख्य द्वार का दीपक जलाएं

मान्यता है कि शाम के वक्त माता लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। ऐसे में प्रदोष काल में भगवान विष्णु और लक्ष्मीजी की विधि-विधान से पूजा करने के बाद मुख्य द्वार पर एक दीपक जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न हो सकते हैं और घर से नकारात्मकता दूर रहती है। साथ ही, परिवार के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। मुख्य द्वार दीपक जलाने से आसपास का वातावरण भी सुखद होता है।

शाम को इस मंत्र का करें जाप

गुरुवार के दिन शाम के भगवान विष्णु की पूजा के साथ-साथ एक मंत्र का जाप करने से आपको जीवन की समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। इसके लिए शाम के वक्त विष्णुजी के सामने एक दीपक जलाएं और फिर शांत मन के साथ आसन पर बैठकर 'ओम नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का 108 बार जाप करें। ऐसा नियमित करने से जातक को जीवन और करियर में आ रही समस्याओं से राहत मिल सकती है। साथ ही, घर का माहौल खुशनुमा बना रहता है।

भूलकर भी किसी के साथ साझा न करें अपनी वस्तुएं

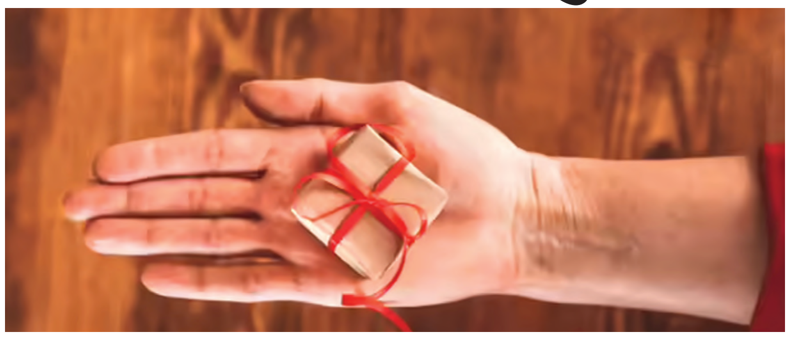

अगर आप अपनी चीजों को दूसरों के साथ साझा करे हैं तो यह अच्छी बात है लेकिन, शास्त्रों में बताया गया है कि व्यक्ति को भूलकर भी किसी के साथ कुछ विशेष चीजों को साझा नहीं करना चाहिए। अनजाने में हम सभी के साथ अपनी उन चीजों को भी साझा कर लेते हैं। लेकिन, इन गलतियों के कारण हम धीरे धीरे खुद को ही नुकसान पहुंचा लेते हैं। आइए जानते हैं कौनसी 5 चीजें हमे भूलकर भी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए।

जूते और चप्पल

अपने जूते चप्पल भूलतक भी किसी के साथ साझा न करें। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से दूसरे व्यक्ति को शनि आपको प्रभावित कर सकता है अगर आप किसी दूसरे के जूते पहनते हैं। तो उसने अनुकूल ग्रहों का प्रभाव आप पर पड़ सकता है। साथ ही अपने जूते चप्पल भी आपको किसी ओर के सात साझा नहीं करने चाहिए।

कपड़े किसी ओर के साथ न पहने

आपने देखे होगा कि अक्सर लोग एक दूसरे के कपड़े पहनते हैं। आपको दुर्भाग्य का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही व्यक्ति के कपड़ों के जरिए उनकी ऊर्जा भी एक दूसरे को प्रभावित कर सकती है।

अंगूठी किसी दूसरे की न पहने न अपनी दें

शास्त्रों के अनुसार, अपनी अंगूठी किसी के साथ भी साझा न करें। शास्त्रों के अनुसार, जो अंगूठी आप रोजाना पहनते हैं तो उसे तो किसी के साथ भी शेयर न करें बल्कि अगर आप भी उसे निकाल देते हैं तो फिर से उसे साफ पानी से साफ करके ही पहनें।

झाड़ू किसी दूसरे को न दें

शास्त्रों में झाड़ू को धन समृद्धि का प्रतिक माना गया है। अपनी झाड़ू किसी दूसरे के साथ साझा न करें। ऐसा करने से आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही ऐसा करने से आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित हो सकती है।

घड़ी किसी के साथ साझा करें

शास्त्रों के अनुसार, किसी व्यक्ति को घड़ी भी दूसरे के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। अगर आप अपनी पहनी हुई घड़ी किसी दूसरे के साथ साझा करते हैं को आपके भाग्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रात में कुत्ते-बिल्ली का रोना नहीं है आम, देते हैं ऐसे बड़े संकेत

अक्सर सुनने को मिलता है पशु पक्षियों में छठी इंद्रियां होती हैं। उन्हें आसपास कुछ होने का पता पहले ही चल जाता है। यही कारण है कई बार अचानक से कुत्तों या बिल्लियों के व्यवहार में बदलाव आ जाता है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि कुत्ते या बिल्ली का रोना यूं ही नहीं होता है। काफी बार ये हमें कई चीजों से सतर्क रहने का संकेत देते हैं। अगर आपके मोहल्ले में या घर के आसपास भी रात के समय कुत्ते या बिल्ली रोती है तो आइए जानते हैं कि ये हमें क्या बड़े संकेत दे सकते हैं।

रात में कुत्ते का रोना

अगर रात के वक्त अचानक कुत्ता रोने लगे तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यता है कि ये कोई अशुभ घटना का संकेत हो सकता है। कई बार ऐसा होता है की आसपास कुत्ता के रोने की आवाज आती है और अगले दिन अड़ोस-पड़ोस से कोई दुखद समाचार सुनने को मिलता है। माना जाता है की लगातार रात में कुत्ते के रोने का अर्थ यह भी हो सकता है कि आने वाले समय में कोई प्राकृतिक आपदा आ सकती है। ऐसा होने पर कुत्तों के व्यवहार में भी एक बदलाव देखने को मिलता है।

रात में बिल्ली का रोना

मान्यता है कि अगर रात में किसी व्यक्ति के दरवाजे के सामने बिल्ली आकर रोने लगे तो इसे शुभ संकेत नहीं माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि परिवार के किसी सदस्य पर कोई मुसीबत आ सकती है। साथ ही, इसे कुछ बुरा होने का संकेत भी माना जाता है। वहीं, अचानक से सोती हुई बिल्ली दिखना इस बात का संकेत माना जाता है की कोई छोटा मोटा रोग परेशान कर सकता है। हालांकि, ऐसा भी कहा जाता है की सर्दियों के मौसम में कुत्ते-बिल्लियों को परेशानी होने पर भी वे रोने लगते हैं। या फिर शरीर में तकलीफ होने पर भी पशु ऐसा कर सकते हैं।

रात में गाय का बोलना

कुत्ते और बिल्ली के रोने के अलावा रात के समय गाय का बोलना भी शुभ संकेत नहीं माना जाता है। कई बार गाय हमें सतर्क होने का संकेत भी दे सकती है। मान्यता है की अगर रात में गाय बोले तो इसका अर्थ हो सकता है कि आने वाले कुछ समय में आसपास के क्षेत्रों में कोई समस्या आने वाली है। आपने देखा भी होगा की आमतौर पर रात में गाय नहीं बोलती है। उनका ऐसा करना बहुत दुर्लभ होता है क्योंकि, गाय की आवाज ज्यादातर सुबह के समय ही सुनने को मिलती है।

रात में महिलाएं भूलकर भी न करें ये 6 काम, नकारात्मक शक्तियां कर सकती है परेशान

हम अपने जीवन में जो भी कार्य करते हैं उसका सीधा प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। दान-पुण्य के कार्य करने से लेकर शाम को नाखून काटने तक का असर हमारे व्यक्तित्व, करियर और जीवन पर देखने को मिलता है। शास्त्रों के अनुसार, महिलाओं को रात के समय यानी सूर्यास्त के बाद भूलकर भी 6 कार्य नहीं करने चाहिए। ऐसा करने से नेगेटिविटी आपको परेशान कर सकती है और जीवन से सकारात्मकता दूर जाने लगती है। ऐसे में एक के बाद एक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और घर में अलक्ष्मी का वास हो सकता है।

रात को बाल खुले रखकर न सोएं

मान्यता है कि महिलाओं को सूर्यास्त के बाद बाल खुले नहीं रखना चाहिए और न ही खुले बालों के साथ सोना चाहिए। कहा जाता है कि इससे नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होते हैं। बालों के द्वारा कई प्रकार की तंत्र क्रियाएं की जाती हैं। यही कारण है कि खुले बाल रखने से नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होने लगती हैं। ऐसे में आपको कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, इससे पारिवारिक समस्याएं भी बढ़ सकती हैं।

रात में भूलकर भी न लगाएं इत्र

अगर आप रात में इत्र लगाकर सोते हैं या अकेले परफ्यूम लगाकर बाहर निकलते हैं तो ऐसा बिल्कुल भी न करें। माना जाता है कि इत्र की महक से नकारात्मक शक्तियां आकर्षित होती हैं। ऐसे में आपको नेगेटिविटी परेशान कर सकती है। यही कारण है कि रात में इत्र लगाकर घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए और न ही एकांत में रहना चाहिए। महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी रात के समय इत्र का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

रात में नाखून काटना है वर्जित

मान्यता है की शाम के समय माता लक्ष्मी का घर में आगमन होता है। ऐसे में सूर्यास्त के बाद कुछ कार्यों को भूलकर भी नहीं करना चाहिए। गलती से भी रात के वक्त नाखूनों को नहीं काटना चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और घर में अलक्ष्मी आ सकती है जिसके चलते जातक दरिद्रता का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, घर से जुड़ी समस्याएं भी परेशान करने लगती हैं। इसलिए गलती से भी सूर्यास्त के बाद नाखून नहीं काटने चाहिए।

सूर्यास्त के बाद न संवारें बाल

कई बार कहीं बाहर से आने के बाद बाल बहुत ज्यादा उलझे रहते हैं। ऐसे में महिलाएं रात में कंघी करके सोती हैं। लेकिन शास्त्रों में इसे अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार भूलकर भी महिलाओं को सूर्यास्त के बाद अपने बाल नहीं संवारने चाहिए। इससे टूटे हुए बाल पूरे घर में फैल सकते हैं और शाम का समय माता लक्ष्मी के आगमन का वक्त होता है। ऐसे में मां लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और घर में अलक्ष्मी आ सकती है। इसलिए सूर्यास्त से पहले ही बालों को संवार लेना बेहतर माना जाता है।

रात में किसी भी प्रकार के झगड़े से बचें

अच्छी नींद के लिए रात में मन का शांत होना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में रात के वक्त विवाद और किसी भी प्रकार के झगड़े से दूर रहना चाहिए। सूर्यास्त के बाद कोई भी ऐसी बात नहीं छेड़नी चाहिए, जिससे विवाद उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आसपास नेगेटिविटी फैल सकती है और मन अशांत रहता है। जिसके चलते नींद प्रभावित हो सकती है और इसका प्रभाव अगले दिन पर भी पड़ता है।

रात में ठहाके मारकर हंसने से बचें

मान्यता है कि रात के वक्त कभी भी ठहाके मारकर नहीं हंसना चाहिए। क्योंकि सूर्यास्त के बाद का वक्त शांत होना चाहिए। इससे नींद अच्छी आने के साथ-साथ सुबह की शुरुआत भी अच्छी होती है। वहीं, ऐसा माना जाता है कि रात को जोर-जोर से हंसने से अगला दिन खराब जा सकता है और इससे नकारात्मक ऊर्जाएं भी आकर्षित होती हैं। यही कारण है कि रात में ठहाके मारकर हंसने वर्जित माना गया है।

सूर्य-बुध युति से निम्न राशियों को होगा धन लाभ

सूर्य और बुध की युति वृश्चिक राशि में होने से 11 दिसंबर 2025, गुरुवार को बुधादित्य योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष में नवग्रहों के राजा सूर्य और बुद्धि के कारक बुध के एक साथ आने को बेहद ही शुभ माना जाता है। बुधादित्य योग व्यक्ति को बुद्धि, मान-सम्मान और अपार धन प्रदान करता है। कुंडली में बन रहा यह योग जातक को सफलता दिलाता है। वहीं, इसका प्रभाव कोई राशियों के लिए बहुत शुभ फलदायी रहने वाला है। इससे नौकरी, व्यवसाय और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हालांकि, बुध-सूर्य की युति के दौरान कुछ राशियों को थोड़ी बहुत परेशानी का भी सामना करना पड़ सकता है।

मेष– राशि का स्वामी नवम प्रमुख त्रिकोण भाव लग्न तुला में धनु राशि का होकर संचार कर रहा है। द्वादश व्यय भाव में मीन राशि का शनि मार्गी होकर भी उत्तम राजयोग का निर्माण कर रहा है। इसके कारण आज आपकी राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। ऐसे में कुछ आकस्मिक लाभ होने की भी संभावना बनती हुई दिख रही है। सायंकाल से लेकर रात्रि तक शुभ व धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। सत्कर्म में खर्चा हो सकता है।

वृष – आपकी राशि का स्वामी शुक्र सप्तम सुख भाव भाव केंद्र में चंद्रमा के साथ मार्गी है। चंद्रमा का चतुर्थ भाव में होना आपको आज राज्य से सम्मान दिलाएगा। तृतीय पराक्रम भाव में कर्क राशि का बृहस्पति ब्राह्मणों के प्रति भक्ति भावना बढ़ाएगा। आप अपने किए कार्यों की प्रशंसा से फूले नहीं समाएंगे। रात्रि के समय किसी सामाजिक समारोह में सम्मिलित होने का चांस है।

मिथुन –राशि का स्वामी बुध वृश्चिक राशि का होकर षष्ठम शत्रु चिंता केंद्र भाव में विराजमान होकर द्वादश को संपूर्ण शुभ दृष्टि से देख रहा है। चंद्रमा सिंह राशि पर संचार कर रहा है। नीच राशि के चंद्रमा में भाइयों से विवाद उग्र रूप धारण कर सकता है। शत्रु पक्ष के गलत इरादे आपको परेशान करेंगी। आप अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करें।

कर्क –आपकी राशि पर कर्क राशि का बृहस्पति सर्वत्र विजय विभूति सफलता देने वाला है। आज चंद्रमा भी द्वितीय भाव में मनोरथ सिद्धि कारक है। पुराने महान सत्तारूढ़ पुरूष की कृपा से मंत्री पद की प्राप्ति भी हो सकती है। चार पांच माह पूर्व खोई मूल्यवान वस्तु अकस्मात् मिल जाएगी। सायं से लेकर रात्रि तक सक्रिय राजनीति में व्यस्त रहेंगे।

सिंह –आज के दिन आप प्रतिद्वंदियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे। कारोबार में अकस्मात् आशा से अधिक लाभ व प्रगति होगी। इससे खोया हुआ विश्वास दोबारा प्राप्त होगा। संतान पक्ष से भी अपेक्षित समाचार मिलेगा। मीन राशि वाला कोई पारिवारिक व्यक्ति आपके पेट में घुसने का प्रयास करेगा उससे सावधान रहें और अपनी प्रगति का रहस्य उसे न बताएं।

कन्या – काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, आज उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। जिस वजह से आप के सभी कार्य अभी तक नहीं बन रहे थे आज वह रुकावट हट जाएगी और आपके रचनात्मक कार्यों में गति आएगी। ज्ञान विज्ञान कला और लेखन कार्य में आपकी दक्षता रंग लाएगी। सायंकाल का समय मौज मस्ती में बीतेगा।

तुला – वैसे तो आप इस प्रकार के काम करते रहते हो जो दूसरों के लिए जोखिम भरे होते हैं। लेकिन यह सब आपके परिजनों के लिए आम बात है और आपके कार्य क्षेत्र के रिस्कों से उनका कोई लेना देना भी नहीं है। आप यही सोचकर आगे बढ़े कि किसी संकट में फंस जाते हैं तो क्या कर सकते हैं।

वृश्चिक –आज आपका घरेलू और व्यावसायिक वातावरण काफी अस्त-व्यस्त रहेगा। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। सायंकाल तक आप अपना कुछ समय लगाकर अपने कार्य कौशल से अपनी मुसीबत कम कर पाएंगे। रात्रि का समय किसी सामाजिक या राजनीतिक कार्यक्रम में व्यतीत होगा।

धनु –आज के दिन आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको आज अपनी रणनीति पर काम करना होगा। आपकी वर्तमान कार्यप्रणाली आने वाले भविष्य में लाभदायक परिणाम दे सकती है। रात के समय माता को अकस्मात् कष्ट संभव है।

मकर –आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आपको दिनभर भागदौड़ करने के लिए तैयार रहना होगा। परिस्थितियों के सुधरते ही सभी काम एक-एक कर अपने आप बनने लगेंगे। व्यर्थ की जद्दोजहद तथा तनाव भी समाप्त होने लगेगा।

कुंभ –आजकल एकदम से बहुत सारे काम आपके आगे पीछे आ सकते हैं। आपके विरोधी भी कुछ ऐसा बंदोबस्त कर रहे हैं कि आप फालतू कामों में उलझे रहे हैं। ऐसे में आपको अपनी पोजिशन स्पष्ट करनी है, तो फिर अपने वरिष्ट अधिकारी को इसकी जानकारी अवश्य दें। राशि स्वामी शनि मीन राशि का होकर द्वितीय भाव में बहु व्यय कारक है।

मीन –जितना भी हो सके आज आप अपने परिवार और रोजगार को ही ठीक तरह से संभालने की कोशिश करें। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा और समय भी अनुकूल रहेगा। बाहर से आपको सहायता भी मिलेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी रहेगी।। अगर संतान के विवाह का प्रसंग प्रबल है तो पंडित या पुरोहित से गंभीरता पूर्वक संपर्क करें।

फिल्म इंडस्ट्रीज में वुड का जादू, जानिए कैसे बनी हर भाषा की अपनी पहचान

फिल्मों में एक ऐसा जादू होता है, जो दर्शकों को हंसाने, रुलाने और सोचने पर भी मजबूर कर देता है। दुनियाभर में हर देश की अपनी फिल्म इंडस्ट्री होती है, लेकिन एक बात लगभग सभी इंडस्ट्रीज में एक जैसी दिखती है, और वो है 'वुड' शब्द। हॉलीवुड, बॉलीवुड, टॉलीवुड, सैंडलवुड समेत कई इंडस्ट्रीज अब सिर्फ नाम नहीं, बल्कि एक ब्रांड और गर्व का प्रतीक बन गए हैं। 'वुड' शब्द की शुरुआत अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर से हुई थी। हॉलीवुड का नाम वहां के इलाके हॉलीवुड से लिया गया और यह धीरे-धीरे पूरी दुनिया में मशहूर हो गया। इसके बाद भारत की फिल्मों ने हॉलीवुड से प्रेरणा ली और हॉलीवुड का 'एच' हटाकर 'बी' लगा दिया, क्योंकि हिंदी फिल्में मुंबई, जो उस वक्त बंबई के नाम से जानी जाती थी, में बनती थीं, और इसी तरह बॉलीवुड का नाम बना। धीरे-धीरे भारत की अलग-अलग भाषा की फिल्म इंडस्ट्रीज ने भी 'वुड' जोड़कर अपनी-अपनी पहचान बनाई। ऑलीवुड: ऑलीवुड का नाम उड़िया फिल्मों के लिए मशहूर है, जो ओडिशा की लोककथाओं, त्योहारों और सांस्कृतिक जीवन को बड़े पर्दे पर दर्शाती हैं। यहां की फिल्मों में पारंपरिक नृत्य और संगीत का खास महत्व होता है। ऑलीवुड की फिल्मों में अक्सर सामाजिक मुद्दों और पारिवारिक कहानियों को प्रमुखता दी जाती है, जिससे यह इंडस्ट्री स्थानीयों के साथ-साथ बाहर के लोगों के लिए भी रोचक है।

मॉलीवुड: मॉलीवुड मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को कहते हैं। यह इंडस्ट्री अपनी गहरी कहानियों के लिए जानी जाती है। केरल के हरियाली भरे दृश्य और बैकग्राउंड म्यूजिक फिल्मों को और भी जीवंत बनाते हैं। मॉलीवुड की फिल्में मजबूत संवाद और शानदार अभिनय के लिए पुरस्कार भी जीतती आई हैं।

कॉलीवुड: कॉलीवुड तमिल सिनेमा के लिए प्रसिद्ध है। इसका नाम तमिलनाडु के कोडांबी इलाके से आया है। कॉलीवुड में रंगीन गाने, शानदार डांस और एक्शन सीन देखने को मिलते हैं। तमिल फिल्मों में सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश भी बड़े प्रभाव के साथ दिए जाते हैं।

सैंडलवुड: कर्नाटक की कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री को सैंडलवुड कहा जाता है। इसका नाम कर्नाटक के मशहूर सैंडलवुड पेड़ से प्रेरित है। सैंडलवुड की फिल्में अक्सर पारिवारिक, रोमांटिक और ऐतिहासिक कहानियों पर आधारित होती हैं। यहां की फिल्मों में लोक संस्कृति और परंपराओं की झलक होती है। यह इंडस्ट्री अपने संगीत और गीतों के लिए भी जानी जाती है।

ढालीवुड: बांग्लादेश की राजधानी ढाका की फिल्म इंडस्ट्री को ढालीवुड कहा जाता है। ढालीवुड की फिल्में बांग्लादेश की लोक संस्कृति, त्योहारों और जीवनशैली को बड़े पर्दे पर पेश करती हैं। यहां की फिल्मों में पारिवारिक और रोमांटिक कहानियों का मिश्रण होता है। ढालीवुड स्थानीय दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और यह इंडस्ट्री अपने गीत-संगीत के लिए भी प्रसिद्ध है।

कालीवुड: कालीवुड नेपाली सिनेमा के लिए जाना जाता है। इसका मुख्य केंद्र काठमांडु है। कालीवुड की फिल्में नेपाल की प्राकृतिक सुंदरता, पर्वतीय जीवन और सांस्कृतिक कहानियों को दर्शाती हैं। यह इंडस्ट्री नेपाल की पहचान के रूप में भी काम करती है।

पॉलीवुड: पॉलीवुड पंजाबी फिल्मों के लिए जाना जाता है। यह इंडस्ट्री खास तौर पर गानों, नृत्य और रंग-बिरंगे लोकेशन्स के लिए मशहूर है। पंजाबी फिल्मों में ह्यूमर, रोमांस और पारिवारिक भावनाओं का मिश्रण रहता है। पॉलीवुड की फिल्में युवा दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।

छॉलीवुड: छत्तीसगढ़ की फिल्म इंडस्ट्री को छॉलीवुड कहा जाता है। छॉलीवुड की फिल्में लोक संस्कृति, त्योहारों और परंपराओं को बड़े पर्दे पर दिखाती हैं। यहां की फिल्में ग्रामीण जीवन और लोगों की साधारण कहानियों को रोचक तरीके से प्रस्तुत करती हैं। छॉलीवुड धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बना रही है।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में कार्तिक आर्यन का बड़ा खुलासा

शुरुआत में भूल भुलैया फ्रैंचाइजी के लिए ना कहा था

सऊदी अरब में आयोजित रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में कार्तिक आर्यन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ उन्होंने दुनिया भर के दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के साथ बातचीत की। उनकी मौजूदगी ने ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म पर भारतीय सिनेमा की बढ़ती पहचान को और मज़बूत किया। सेशन के दौरान कार्तिक ने खुलासा किया कि शुरुआत में उन्होंने 'भूल भुलैया' फ्रैंचाइज़ी को ठुकरा दिया था। उन्होंने कहा, जब यह फ़िल्म पहली बार मेरे पास आई, तब कोई कहानी नहीं थी, सिर्फ़ एक सीक्वल का आइडिया था। मैं उत्साहित नहीं था। लेकिन भूषण कुमार सर ने मुझे समझाया, फिर हम सबने मिलकर उस पर काम किया और सब कुछ बदल गया। आज मैं जहाँ भी जाता हूँ, बच्चे मुझे 'रूह बाबा' कहकर बुलाते हैं। मुझे ख़ुशी है कि मैंने यह फ़िल्म की। 'भूल भुलैया 2' और उसके बाद 'भूल भुलैया 3' कार्तिक के करियर में मील के पत्थर साबित हुईं। खासकर 'भूल भुलैया 2', जिसने पोस्ट-कोविड दौर में थिएटरों में बड़ी सफलता हासिल की, दर्शकों को फिर से बड़े पर्दे की तरफ खींचा और कार्तिक की बॉक्स ऑफिस पकड़ को मज़बूती से स्थापित किया। रेड सी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में किए गए इस ख़ुलासे ने न सिर्फ़ उनके फ्रैंचाइज़ी से जुड़े सफ़र की झलक दिखाई, बल्कि उनके वैश्विक प्रभाव को भी रेखांकित किया, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बनाता है।

18 की उम्र में मिस एशिया पैसिफिक, 20 में एक्टिंग डेब्यू

सोशल वर्कर और प्रोड्यूसर भी हैं दीया मिर्जा

20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली दीया मिर्जा की गिनती आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्रियों में की जाती है। उन्हें असली पहचान 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' ने दिलाई। 9 दिसंबर को दीया का जन्मदिन है। वह न केवल एक सफल और खूबसूरत अभिनेत्री हैं, बल्कि एक पर्यावरण प्रेमी और सोशल वर्कर भी हैं। साल 2000 से लेकर आज तक उनका सफर सिर्फ ग्लैमर का नहीं रहा, बल्कि सार्थक कामों का भी रहा है। दीया का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तब उनके माता-पिता अलग हो गए थे। एक्ट्रेस ने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री ली। कॉलेज के दिनों में ही दीया ने एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी थी। इसी दौरान वह कई बड़े ब्रांड्स के लिए प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं। साल 2000 में दीया ने मिस इंडिया में हिस्सा लिया और रनर-अप बनीं।

इसके बाद मिस एशिया पैसिफिक का खिताब जीतकर उन्होंने पूरे देश का नाम रोशन किया। उस वक्त सिर्फ 18 साल की दीया छा गई थीं। बॉलीवुड में दीया को फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से पहला ब्रेक मिला। साल 2001 में आई फिल्म में दीया की सादगी, गंभीरता और खूबसूरती को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

इसके बाद वह 'संजू', 'सलाम मुंबई', 'एसिड फैक्ट्री', 'थप्पड़', और 'शूट आउट एट लोखंडवाला' जैसी फिल्मों में उनकी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया, लेकिन दीया कभी सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई।

वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण के लिए कई कैंपेन चलाती रही हैं। दीया न सिर्फ एक सफल एक्ट्रेस और सोशल वर्कर हैं, बल्कि प्रोड्यूसर भी हैं और अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' के जरिए बेहतरीन कंटेंट बना रही हैं। प्रोडक्शन कंपनी को उन्होंने साल 2019 में लॉन्च किया था।

डिजिटल क्रिएशन पर बोलीं प्राजक्ता कोली

यहां कोई रोडमैप नहीं रोलरकोस्टर है

यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली ने साफ कहा है कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है, बल्कि पिछले दस साल में यह पहले से कहीं ज्यादा बड़ा, तेज और अनिश्चित हो गया है। आईएएनएस से बातचीत में जब उनसे पूछा गया कि क्या सोशल मीडिया अब इन्फ्लुएंसर-डॉमिनेटेड हो गया है और कंटेंट क्रिएटर्स की शेल्फ लाइफ खत्म हो रही है, तो प्राजक्ता ने कहा, मुझे बिल्कुल ऐसा नहीं लगता। यह कम नहीं हुआ है, बस बदल गया है। दस-ग्यारह साल पहले जब हमने काम शुरू किया था, तब सिर्फ लॉन्ग-फॉर्म वीडियो चलते थे। आज लोगों का अटेंशन बस बंट गया है। आज कई नए-नए प्लेटफॉर्म्स आ गए हैं। प्राजक्ता ने साल 2017 के डिजिटल बूम को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा, उसी बूम की वजह से आज भारत में इतना काम है कि पहले से कहीं ज्यादा क्रिएटर्स मौजूद हैं। यही कारण है कि आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है। हर बड़ा ब्रांड, हर बड़ी कंपनी भारत की तरफ देख रही है और हमारे साथ काम करना चाहती है।

क्रिएटर बनने की जर्नी को उन्होंने पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताया। प्राजक्ता ने कहा, इस इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप या ब्लूप्रिंट नहीं होता। यह एक रोलरकोस्टर राइड है। कभी लगता है कि तीन-चार अच्छे वीडियो बन गए, जिंदगी सेट हो गई। फिर पांचवां वीडियो आते-आते सब बदल जाता है। इस पागलपन में कोई पैटर्न नहीं, कोई रिदम नहीं। सब कुछ खुद ही करना पड़ता है।

उन्होंने यह भी माना कि पिछले दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को जल्दी अपनाना जरूरी है। उन्होंने बताया, मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण रहा यह समझना कि इस समय कौन-सी चीज चल रही है, कौन सी चलनी बंद हो गई और फिर बिना रुके अगली चीज की तरफ बढ़ जाना।प्राजक्ता का मानना है कि डिजिटल स्पेस का सफर जितना चुनौतीपूर्ण है, उतना ही रोमांचक भी है। 'मोस्टलीसेन' चैनल से मशहूर हुईं प्राजक्ता 'मिस्मैच्ड' और 'जुग जुग जीयो' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं।

फ्लॉप फिल्म देने के बाद भी चल निकला किमी काटकर का करियर

80 और 90 के दशक में अपनी बोल्डनेस और खूबसूरती की वजह से पर्दे पर राज करने वाली अभिनेत्री किमी काटकर सभी को याद होंगी। उन्हें हिंदी सिनेमा ने 'टार्जन गर्ल' का नाम दिया था। अभिताभ बच्चन की फिल्म 'हम' में उन्होंने 'जुम्मा' सॉन्ग किया था, जिसके बाद उन्हें इसी नाम से पुकारा जाने लगा। हिंदी सिनेमा में शोहरत और नाम कमाने के बाद भी एक्ट्रेस आज गोवा में गुमनाम जिंदगी जी रही हैं। किमी काटकर अपने समय की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक थीं, जिन्होंने उस समय के लगभग हर बड़े अभिनेता के साथ काम किया था। उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा, गोविंदा, रजनीकांत, चंकी पांडे, जितेंद्र, धर्मेंद्र, और अनिल कपूर जैसे बड़े स्टार्स के साथ पर्दे पर काम किया। किमी काटकर का जन्म 11 दिसंबर 1965 को हुआ था। उन्होंने 20 साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू किया। एक्ट्रेस ने साल 1985 में फिल्म 'पत्थर दिल' से इंडस्ट्री में कदम रखा। फिल्म हिट रही, लेकिन सहायक भूमिका की वजह से उन्हें पहचान नहीं मिल पाई। इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'एडवेंचर्स ऑफ टार्जन' ने एक्ट्रेस को रातों-रात फेमस कर दिया। फिल्म में किमी ने बोल्ड सीन दिए और बिकिनी पहनने से भी परहेज नहीं किया। उनकी फिल्म 'एडवेंचर्स ऑफ टार्जन' फ्लॉप रही, लेकिन फिल्म ने उन्हें 'इंडियन टार्जन गर्ल' का टाइटल दिलाया।

फ्लॉप देने के बाद भी एक्ट्रेस की झोली में बैक टू बैक फिल्में रहीं। वे 80 से 90 के दशक की सबसे बिजी अभिनेत्री के तौर पर जानी जाने लगीं। उनके लिए साल 1988-1990 बेहतरीन रहा, क्योंकि इन तीन सालों में उन्होंने 35 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। इतना ही नहीं, साल 1989 में उन्होंने 15 फिल्मों में काम किया और उनकी लगभग हर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया।

उनकी लोकप्रिय फिल्मों की बात की जाए तो 1987 में आई 'मेरा लहू', 1988 में 'मुल्जिम', 'रामा ओ रामा', 'धर्मयुद्ध', 'तोहफा मोहब्बत का', 'सोने पर सुहागा', 1989 में आई 'कहां है कानून' समेत कई नाम शामिल हैं। किमी काटकर को असली शोहरत फिल्म 'हम' से मिली। हालांकि, बाद में कुछ फ्लॉप फिल्में देने के बाद अभिनेत्री को आखिरी बार साल 1992 में आई फिल्म 'हमला' में देखा गया, जिसके बाद उन्होंने फोटोग्राफर और विज्ञापन निर्माता शांतनु शौरी से शादी कर ली।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी . इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा. प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुडे हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी। उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बडे स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुडने का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी । ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गो का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बरोबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्यावसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढ़े हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढेगी आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा. शि–क्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय– मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठाएंगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा. आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी–साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख–सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे । गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें .शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 दिसंबर 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 01:59 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 03:56 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 11:39 तक
करण : बव दोपहर 01:59 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 05:54 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:45 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:25, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसानों के लिए नायब सिंह सैनी का बड़ा ऐलान

पैक्स ऋण पर पूरा ब्याज माफ, ओटीएस योजना 2026 तक लागू

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य के प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) से जुड़े किसानों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए बकाया अतिदेय ऋणों के निपटान के लिए एकमुश्त निपटान योजना की घोषणा की। यह योजना 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगी। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री बुधवार को सिविल सचिवालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में बजट सत्र 2025–26 में किसानों की पैक्स की तरफ बकाया अतिदेय ऋण के निपटान हेतु योजना लाने की घोषणा की थी। इसी के अनुरूप आज यह योजना लाई गई है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पैक्स से ऋण लेने वाले किसान यदि अपने ऋण की मूल राशि समिति के खातों में जमा करवाते हैं, तो उनका पूरा बकाया ब्याज माफ किया जाएगा। इस योजना के तहत राज्य के 6,81,182 किसानों व गरीब मजदूरों का 2,266 करोड़ रुपये का ब्याज माफ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना उन सभी कर्जदार किसानों के लिए हैं, जिन्होंने फसली ऋण, काश्तकार ऋण या दुकानदारी के लिए ऋण लिया है, जो 30 सितंबर, 2024 को अतिदेय हो चुके हैं, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

इसके अलावा, इस योजना का लाभ 2.25 लाख मृत किसानों के परिवार भी उठा सकते हैं। यदि उनके वारिस मूल राशि को जमा करवाते हैं तो उन्हें भी ब्याज राशि की माफी का लाभ मिलेगा। यह राशि लगभग 900 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के तहत मूल राशि समिति में जमा करने के बाद, किसान एक महीने बाद अपनी जरूरत अगली फसल के लिए तीन किस्तों में नया ऋण भी ले सकते हैं। इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और वित्तायुक्त डॉ सुमिता मिश्रा, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एके सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंद्र कुमार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव प्रभजोत सिंह, कृषि विभाग के निदेशक राजनारायण कौशिक, नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के निदेशक अमित खत्री, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव यश पाल, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक पार्थ गुप्ता, अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खांगवाल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय उपस्थित रहे।

सैनी ने डॉक्टरों से हड़ताल खत्म कर कार्यस्थल पर लौटने की करी अपील

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने डॉक्टरों से आग्रह किया है कि वे अपनी हड़ताल वापस लेकर तुरंत अपने–अपने कार्यस्थलों पर लौट आएँ ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री किसानों को मुआवजा राशि जारी करने उपरान्त पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की मुख्यतः चार मांगें थीं, जिनमें से तीन मांगें सरकार द्वारा स्वीकार की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों के स्पेशलाइज्ड कैडर के गठन की मांग पर वित्त विभाग 16 अगस्त 2024 को अधिसूचना जारी कर चुका है।इसी प्रकार, हॉस्पिटल ड्यूटी से बाहर जाने पर यात्रा भत्ता प्रदान करने संबंधी मांग पर भी 25 अक्टूबर 2024 को अधिसूचना जारी हो चुकी है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि एसएमओ की सीधी भर्ती न करने की मांग पर फिलहाल सरकार ने रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अन्य राज्यों में इस सम्बन्ध में प्रचलित व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जा रहा है और रिपोर्ट आने तक प्रदेश में एसएमओ की सीधी भर्ती स्थगित रहेगी। उनकी चौथी मांग, एसीपी संरचना में बदलाव, फिलहाल स्वीकार नहीं की गई है।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की राजनीति से दूर रहें। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में लगातार सुधार हुआ है और प्रदेश के लोगों का रुझान भी सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की ओर बढ़ा है। इसके लिए उन्होंने डॉक्टरों को बधाई भी दी। ई–क्षतिपूर्ति पोर्टल पर सत्यापन के बाद रकबे में कमी आने संबंधी प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पोर्टल खोलने के समय कई जिलों में लगातार बारिश और जलभराव था। जैसे–जैसे पानी निकला, कई स्थानों पर धान की फसल को वास्तविक नुकसान नहीं हुआ, जबकि किसानों ने प्रारंभिक चिंता के आधार पर पोर्टल पर खराबा दर्ज कराया था।

स्वदेशी अपनाने से ही आत्मनिर्भर बनेगा भारत : बड़ौली

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा सरकार स्वदेशी अपनाने को लेकर देशव्यापी मुहिम चला रही है। स्वदेशी अभियान को जनजागरण बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता युवा मोर्चा नें जींद विश्वविद्यालय में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने युवा मोर्चा द्वारा आयोजित मॉक पार्लियामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने युवा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देशहित में चल रहे देशव्यापी स्वदेशी अभियान में हमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। हमें खुद भी स्वदेशी अपनाना है और लोगों को भी स्वदेशी उत्पाद खरीदने के लिये जागरुक करना है, इससे ही हमारा प्रदेश, हमारा भारत समृद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ हर दिन की खरीददारी में ही नहीं, बल्कि तकनीक से लेकर हर क्षेत्र में स्वदेशी को बढ़ावा देना है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा युवा मोर्चा का आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित स्वदेशी बनाम विदेशी मॉक पार्लियामेंट का आयोजन उत्साह, जोश और राष्ट्रभावना से परिपूर्ण रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि युवाओं ने स्वदेशी उत्पादों के महत्व, आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते देश के सशक्त कदमों तथा राष्ट्रहित में सजग और जागरूक उपभोक्ता बनने जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को अत्यंत प्रभावशाली, तर्कपूर्ण और रचनात्मक रूप में प्रस्तुत किया है जोकि सराहनीय है।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा और संयोजक कैप्टन योगेश बैरागी के निर्देशन में आयोजित 'मॉक पार्लियामेंट' में जींद के आसपास के 14 जिलों के युवा कार्यकर्ताओं नें पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाकर स्वदेशी अपनाने को लेकर गंभीर चर्चा करने के बाद यह संकल्प लिया कि समाज में स्वदेशी को लेकर जनजागरुकता अभियान चलायेंगे। कुछ कार्यकर्ताओं नें जहां हर घर स्वदेशी अभियान के पक्ष में मजबूती से अपनी बात रखी, वहीं विपक्ष की सांकेतिक भूमिका भी इस विषय पर सकारात्मक रही।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा नें बड़ी संख्या में आये युवाओं से आह्वान किया कि केंद्रीय और प्रादेशिक नेतृत्व द्वारा शुरू किये गये इस अभियान को युवा ही गति प्रदान कर सकते हैं, यह काम देशहित में हमें समाज में जाकर बखूबी करना है। कार्यक्रम के संयोजक भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष कैप्टन योगेश बैरागी नें मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, भाजयुमो अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा समेत सभी अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा कि आत्मनिर्भर भारत ही भविष्य के सशक्त भारत का पहला कदम है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सैनी इस अभियान को प्रमुखता दे रहे हैं। ऐसे में हम सभी युवाओं की इस अभियान को जनअभियान बनाने की ज़िम्मेदारी है।

विधानसभा अध्यक्ष के नेतृत्व में

हरियाणा के पांच मंत्रियों, डिप्टी स्पीकर समेत 38 विधायकों ने देखी लोकसभा की कार्यवाही

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरिवन्द्र कल्याण के नेतृत्व में बुधवार को प्रदेश के 5 मंत्रियों, डिप्टी स्पीकर समेत कुल 38 विधायकों ने लोक सभा की कार्यवाही देखी। इस दौरान सभी ने उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से भी मुलाकात की। उन्होंने लोक सभा की कार्यवाही देखी और आर्ट गैलरी व लाइब्रेरी का अवलोकन भी किया। सभी विधायकों ने इस दौरे को लेकर बेहद उत्साह दिखाया और हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष का इस दौरे को लेकर धन्यवाद किया। बता दें कि हरियाणा विधान सभा देश की पहली ऐसी विधान सभा बनी, जिसके सदस्यों ने अध्यक्ष के नेतृत्व में संसद परिसर का भ्रमण किया तथा सदन की कार्यवाही देखी। नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मंत्री व विधायक इकट्ठा हुए और सुबह करीब 10 बजे हरियाणा रोडवेज की बसों में सवार होकर लोक सभा की कार्यवाही देखने के लिए संसद पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने सर्वप्रथम केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से मुलाकात की तथा उन्हें हाल ही में प्रकाशित हरियाणा विधान सभा की पत्रिका सदन संदेश की प्रति भेंट की। इसके उपरांत उन्होंने लोक सभा की कार्यवाही देखी। उस दौरान लोक सभा में प्रश्नकाल चल रहा था। इसके उपरांत गैलरी विजिट की और यहां भारतीय लोक संस्कृति, कला व अन्य कलाकृतियों का अवलोकन किया।

केन्द्रीय प्रभारी राकेश मीणा ने की शिक्षा–स्वास्थ्य–पोषण सहित सभी विभागों की व्यापक समीक्षा

डूंगरपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। निदेशक, डीपीआईआईटी, दिल्ली केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी राकेश कुमार मीणा ने आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम (ब्लॉक झौंथरी) को लेकर बुधवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में प्रगति प्रसार अधिकारी मयंक चौबीसा ने आकांक्षी ब्लॉक झौंथरी के नियुक्त इंडिकेटर की विस्तृत जानकारी दी ।तथा जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने बताया कि आकांक्षा हॉट मेले का आयोजन को लेकर लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा दी इस दौरान केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी राकेश कुमार मीणा द्वारा विशेष कार्य की जानकारी लेने पर जिला कलक्टर अंकित सिंह ने सोलर पैनल लगवाने के बारे विस्तृत जानकारी दी। बैठक में उन्होंने आकाशी ब्लॉक झौंथरी के अंतर्गत हाइपरटेंशन टीबी केसेस, डायबिटीज की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने न्यूट्रीशियन के बारे में समीक्षा करने दौरान आईसीडीएस के उपनिदेशक पंकज द्विवेदी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के पोषाहार वितरण तथा पोषण ट्रैक्टर करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सुपरवाइजर महिलाओं द्वारा की जाने वाली डाटा एंट्री के बारे में जानकारी दी।

इस दौरान केंद्रीय प्रभारी अधिकारी मीणा ने पोषण ट्रैकर की रिपोर्ट भेजने तथा पोषण ट्रैकर में आने वाली समस्याओं को अवगत कराने के निर्देश दिए तथा उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैक्टर करने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर महिलाओं को प्रशिक्षण देकर और बेहतर कार्य किया कार्य करें। उन्होंने पोषण ट्रैक्टर के अंतर्गत 97: कार्य पूर्ण होने पर सराहना व्यक्त की। साथ उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पर पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की साफ सफाई के लिए पानी की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।

उन्होंने महिला अधिकारिता विभाग के संकेतों की प्रगति की सराहना व्यक्त करते हुए आगामी समय में जारी रखने के निर्देश दिए।आशान्वित ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 से हरियाणा को बाहर रखना खिलाड़ियों का अपमान : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आज लोकसभा के नियम 377 के तहत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 से हरियाणा को बाहर रखने पर गहरी आपत्ति जताते हुए इसे खिलाड़ियों का अपमान करार दिया और मांग करी कि हरियाणा को सह–आयोजक (ले–हैंीं) राज्य के रूप में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का अधिकार प्राप्त करना पूरे देश के लिए गौरव का विषय है, परंतु हरियाणा को मेज़बानी योजना से बाहर रखना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि भारतीय खेल इतिहास और खिलाड़ियों के योगदान की घोर उपेक्षा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने यह भी मांग करी कि भविष्य में 2036 ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की की मेजबानी के प्रयासों को केंद्र सरकार का पूरा सहयोग मिले, ताकि राज्य वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी की दिशा में अपनी क्षमताओं को और सुदृढ़ कर सके। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हरियाणा के खिलाड़ियों की

उपलब्धियों को जानबूझकर नज़रअंदाज़ क्यों कर रही है? भारत की कुल जनसंख्या का मात्र 3% होने के बावजूद, हरियाणा भारत के अंतरराष्ट्रीय पदकों में लगभग 50% का योगदान देता है। ओलंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स–हर मंच पर हरियाणा के खिलाड़ी वर्षों से भारत का झंडा ऊँचा करते आए हैं। ऐसे में, 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में हरियाणा की भागीदारी और प्रतिनिधित्व अत्यंत स्वाभाविक और न्यायोचित है।

राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय में ओरिएंटेशन कम सेंसिटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन

जोधपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा राज्य में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की गुण–वत्ता को बढ़ाने के लिए राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जोधपुर में संचालित स्टेट मिडवाइफरी प्रशिक्षण संस्थान पर जपाइगो व यूएनएफपीए के संयुक्त तत्वावधान मे मंगलवार को एकदिवसीय ओरिएंटेशन–कम– सेंसिटाइजेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग तथा मिडवाइफरी शिक्षा से जुड़े एपीएम प्रतिभागियों को नवीनतम दिशानिर्देशों, राष्ट्रीय कार्यक्रमों, नैदानिक दक्षताओं तथा नर्स–प्रैक्टिशनर मिडवाइफ (छ्झच्) मॉडल के अनुरूप अद्यतन जानकारी प्रदान करना था। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश तेतरवाल ने बताया कि वर्कशॉप का उद्घाटन डॉ. बी. एस. जोधा प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ एस एन मेडिकल कॉलेज जोधपुर व जपाइगो के प्रतिनिधि सुनील कुमार व गुनजोत एवं डॉ विजया, डॉ गिरीश माथुर एवं डॉ हिमांशु व्यास द्वारा किया गया। उन्होंने इस पहल को गुणवत्ता–सम्पन्न मातृत्व एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों के साथ बिजाली सिन्हा, मुरली धर शर्मा, सुमि मैथ्यू, अनिता सांखला, मोनिका सोलंकी, गीता ढाका ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

पछुआ हवा ने बढ़ाई पूरे बिहार में ठंड, कोहरे के कारण ट्रेनें लेट

पटना/एजेंसियां। बिहार में पछुआ हवा के कारण ठंड और बढ़ गई है। 20-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही ठंडी हवा के कारण पूरे प्रदेश में कनकनी महसूस की जा रही है। भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, गोपालगंज समेत कई जिलों में घने कोहरे की वजह से लोगों को सुबह-सुबह भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सावधानी के साथ चलना पड़ रहा है, वहीं कोहरे का असर ट्रेनों के परिचालन पर भी साफ दिखा।मंगलवार को श्रमजीवी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, विक्रमशिला एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल समेत कई ट्रेनें पटना लेट पहुंचीं। आज भी राजधानी आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार, जिस तरह की ठंडी पछुआ हवा चल रही है, उससे आने वाले दिनों में कोहरा और घना होने की संभावना है। कोहरे के कारण हवा ऊपर नहीं उठ पा रही है, जिससे ठंडी हवाएं वायुमंडल के निचले स्तर पर ही बनी हुई हैं। इसी कारण प्रदेश में ठिठुरन बढ़ गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की रफ्तार बढ़ेगी तो ठंड और अधिक महसूस होगी। अगले 72 घंटों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट के आसार हैं। पूर्वी बिहार में कुहासा और बढ़ेगा। लोगों से अपील की गई है कि सुबह-शाम निकलते समय सावधानी बरतें। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आगामी सात दिनों तक बिहार में मौसम शुष्क रहने वाला है। सुबह के समय राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर के कोहरे की संभावना जताई गई है। तापमान के रुझान की बात करें तो अधिकतम तापमान में अगले चार से पांच दिनों तक और न्यूनतम तापमान में अगले तीन से चार दिनों तक किसी विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। चढ़ने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटों में बिहार का मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। अररिया में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि राज्य का अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस से 28.2 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। कई हिस्सों में दिन के तापमान में किसी तरह का विशेष बदलाव नहीं देखा गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबौर (भागलपुर) सबसे ठंडा रहा, जहां 08.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य का न्यूनतम तापमान 08.4 डिग्री सेल्सियस से 15.6 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा और पिछले 24 घंटों में रात के तापमान में भी कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ। पटना और पूर्णिया में न्यूनतम दृश्यता केवल 400 मीटर रही, जबकि पूरे प्रदेश में वर्षा का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

नौ साल पुराने हरेंद्र सिंह हत्याकांड में चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास

बक्सर/एजेंसियां। हत्या के एक पुराने मामले में बक्सर कोर्ट ने मंगलवार को नौ वर्ष बाद फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में जिला पार्षद सदस्य के पति सह प्रतिनिधि रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान शामिल हैं। अदालत ने सभी अभियुक्तों पर अर्थदंड भी लगाया है। यह फैसला जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय मनीष कुमार शुक्ल की अदालत ने सुनाया। मामला नगर थाना कांड संख्या 382,2016 और सेशन ट्रायल 354, 2017 से संबंधित है। अपर लोक अभियोजक रामनाथ ठाकुर के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2016 की है। मृतक हरेंद्र सिंह की पत्नी इंदु सिंह ने 23 अगस्त 2016 को नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बताया गया कि मृतक बस स्टैंड से अपने घर सोहनीपट्टी लौट रहे थे, तभी रात करीब 9.30 बजे पोखरा के पास आरोपियों ने उन्हें गोली मारकर हत्या कर दी थी। जांच में पता चला कि इस हत्या के पीछे जमीन से जुड़ा विवाद था। एक अन्य आरोपी विकास शर्मा, जो फिलहाल फरार है, ने मृतक से जमीन के नाम पर 12 लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने से बचने के लिए हत्या की साजिश रची गई थी।

अभियोजन पक्ष ने अदालत में कुल 10 गवाहों की गवाही प्रस्तुत की। सभी साक्ष्यों पर विचार करने के बाद अदालत ने रिंकू यादव, रामाशीष उर्फ चतुरी, अजय कुमार पांडे और जयराम पासवान को दोषी ठहराया।

अदालत ने दोषियों को भारतीय दंड विधान की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास, धारा 326 के तहत 10 वर्ष का कठोर कारावास और 27 आर्म्स एक्ट के तहत 4 वर्ष की सजा सुनाई है। साथ ही पीड़िता को दो लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है।

मामले के दो आरोपी विकास वर्मा और संतोष पासवान अब भी फरार हैं, जबकि तीन अन्य आरोपी अभी तक अदालत में उपस्थित नहीं हुए हैं।

चारा घोटाला के एक केस की सुनवाई अब रोजाना होगी

पटना/एजेंसियां। चारा घोटाले के एक मामले की सुनवाई अब रोज होगी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की विशेष अदालत में चारा घोटाले की आज से रोजाना सुनवाई होगी। यह निर्णय तब लिया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने पुराने मामलों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया है। इसी को देखते हुए सीबीआई की विशेष अदालत के न्यायाधीश राकेश कुमार ने यह आदेश दिया। अब इस मामले के सभी आरोपियों को तय की गई तारीखों पर शरीर कोर्ट में पेशी के आना पड़ेगी। इसमें राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, कई तत्कालीन मंत्री, विधायक और आईएएस अधिकारी आरोपी हैं। बताया जा रहा है कि 1996 में भागलपुर के बांका उप जिला कोषागार से पशुपालन विभाग में जाली बिल के आधार पर करीब 45 लाख

की अवैध निकासी की बात सामने आई थी। मामला इतना तूल पकड़ा कि सीबीआई को इस केस को सौंप दिया गया। सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज की। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद समेत 44 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। चारा घोटाला से जुड़ा अधिकतर फर्जीवाड़ा आज के समय में अलग राज्य बन चुके 'झारखंड' का है। यह पूरा घोटाला बिहार सरकार के पशुपालन विभाग के जरिए हुआ था। जिस चारा घोटाले का आरोप लालू प्रसाद यादव पर लगता है, वह उनके ही समय से शुरू नहीं हुआ था, बल्कि इसकी शुरुआत 1980 के दशक में ही हो चुकी थी। तब बिहार में कांग्रेस के मुख्यमंत्री थे। भारत के तत्कालीन नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) टीएन चतुर्वेदी ने उस दौरान बिहार के खजाने से रकम निकासी और इसके लिए हर महीने लगाई जा रही रसीदों को दायर करने में देरी का मुद्दा उठाया था। सीएजी ने उस दौरान ही खजाने से गड़बड़ लेनदेन और धनशोधन की आशंका जताई थी। हालांकि, तत्कालीन सरकार ने सीएजी की रिपोर्ट पर ध्यान नहीं दिया और घोटाला जारी रहा। लालू के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने तक बिहार का यह घोटाला 950 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका था।

समस्तीपुर डबल मर्डर का खुलासा, पिता-पुत्र व शूटर समेत चार गिरफ्तार

समस्तीपुर/एजेंसियां। समस्तीपुर के मुक्तापुर में पिछले वर्ष हुए प्रॉपर्टी डीलर और टोटो चालक के चर्चित दोहरे हत्याकांड का समस्तीपुर पुलिस ने एसटीएफ की मदद से खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता व उसके सहयोगियों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां नगर थाना क्षेत्र के गुदरी बाजार के सुधीर मधान, उसके पुत्र अमन मधान, तथा कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले शूटर आशुतोष कुमार और बाइक चलाने वाले अपराधी फूलबाबू राम के रूप में हुई हैं। पुलिस ने इनके पास से हत्या में प्रयुक्त एक पिस्टल, दो देसी कट्टा, 9 जिंदा कारतूस और दो पल्सर बाइक भी बरामद किए

हैं। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 21 दिसंबर 2023 को कल्याणपुर थाना क्षेत्र के मुक्तापुर गांव के पास दिनदहाड़े जमीन कारोबारी विजय गुप्ता और दिव्यांग टोटो चालक गणेश सहनी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। यह मामला अत्यंत संवेदनशील होने के कारण पुलिस के लिए चुनौती बना रहा। घटना के बाद मृतक के साथ मौजूद सुधीर मधान को मार्च में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था, लेकिन साक्ष्य के अभाव में उसे जमानत मिल गई थी। इसके बाद मामला एसटीएफ के सहयोग से तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर तेजी से आगे बढ़ा। सबसे पहले पुलिस ने घटना में इस्तेमाल पल्सर बाइक व उसे चलाने वाले फूलबाबू राम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि सुधीर मधान ने विजय गुप्ता की हत्या के लिए 5 लाख रुपये, हथियार और गोली देने का सौदा किया था। मृतक की फोटो दिखाकर पहचान भी कराई गई थी। घटना वाले दिन सुधीर मधान ने जमीन दिखाने के बहाने दोनों को टोटो में बैठाकर मुक्तापुर चिमनी के पास बुलाया, जहां बाइक पर सवार तीन शूटरों ने उन्हें गोली मार दी। वारदात के बाद हथियार सुधीर के पास वापस जमा करा दिए गए। अमन मधान ने अपराधियों को किस्तों में पैसे दिए और एक लाख रुपये मोबाइल भुगतान से भेजे थे। फूलबाबू की निशानदेही पर मुख्य शूटर आशुतोष को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से देसी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुए। आशुतोष का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। एसपी ने बताया कि सुधीर मधान के विरुद्ध वैशाली और समस्तीपुर के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उसकी जमानत रद्द कराने के लिए कोर्ट से अनुरोध करेगी। जांच में सामने आया है कि हत्याकांड के पीछे कई जमीन विवाद जुड़े हुए थे। पुलिस अन्य जमीन कारोबारियों की भूमिका की जांच कर रही है। एक और शूटर की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

चौंकाने वाला खुलासा: पूरे कर्नाटक में केवल दो महीनों में 5,664 कैंसर के मामले सामने आए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में दिल के दौरे के मामलों की बढ़ती संख्या पर हालिया चिंताओं के बाद, एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कर्नाटक में कैंसर से पीड़ित लोगों की संख्या में तेज वृद्धि देखी गई है।

गृह आरोग्य योजना के हिस्से के रूप में, स्वास्थ्य विभाग ने मधुमेह, हृदय, गुर्दे की बीमारियों और कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों को कवर करते हुए बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य जांच की। निष्कर्षों से कैंसर के मामलों में चिंताजनक वृद्धि का पता चला है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, योजना के तहत नवंबर 2025 तक 5,664 व्यक्तियों में कैंसर का पता चला है। स्वास्थ्य विभाग ने आने वाले महीनों में और अधिक लोगों को शामिल करने के लिए स्क्रीनिंग प्रक्रिया का विस्तार करने का निर्णय लिया है। अब तक राज्य भर में 22 लाख लोगों की कैंसर संबंधी बीमारियों की जांच की जा चुकी है। इनमें मुंह के कैंसर के 3,403 मामले, स्तन कैंसर के 1,311 मामले और सर्वाइकल कैंसर के 950 संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है। सभी संदिग्ध रोगियों को आगे के चिकित्सा मूल्यांकन और उपचार के लिए रेफर किया गया है। शीघ्र पता लगने से डॉक्टरों को उम्मीद है कि इनमें से कई मामलों का प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि महिलाओं में कैंसर के लक्षण अधिक संख्या में पाए गए, जो राज्य में महिला कैंसर के मामलों में वृद्धि को दर्शाता है। पिछले साल अकेले कर्नाटक में कैंसर के 87,000 नए मामले दर्ज किए गए, जिनमें प्रभावित होने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक थी। बेंगलूरु में राज्य में सबसे अधिक कैंसर के मामले दर्ज किए गए, जिसका श्रेय स्वास्थ्य विशेषज्ञ बदलती जीवनशैली और शहर में बढ़ते प्रदूषण स्तर जैसे कारकों को देते हैं। गृह आरोग्य पहल ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से सक्रिय रही है, जो 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करती है और सीधे घरों तक मुफ्त दवाएं पहुंचाती है। यह योजना, अब पूरे राज्य में विस्तारित हो गई है, इसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर और मानसिक स्वास्थ्य विकारों सहित 14 प्रकार की बीमारियों की जांच शामिल है।

डेरा पर सो रहे युवक की गोली मारकर हत्या

पटना/एजेंसियां। बिहार के बेगूसराय जिले में एक युवक की हत्या की गई है। घटना छौराही थाना क्षेत्र के पीरनगर गांव में हुई, जिसमें मृतक की पहचान 36 वर्षीय निलेश कुमार, पुत्र रामबली महतो के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, निलेश कुमार का अपने पड़ोसी से भूमि विवाद चल रहा था। मंगलवार देर रात छौराही थाना की पुलिस को घटना की सूचना मिली और उन्होंने शव को कब्जे में लेकर तुरंत पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मौके पर पुलिस का कहना है कि निलेश रात में अपने डेरा पर सो रहे थे, तभी अपराधियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। परिजनों के आवेदन में चार नामजद आरोपियों का उल्लेख किया गया है। छौराही थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अब भी फरार हैं।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और घटना के अन्य पहलुओं की जांच भी चल रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले में कागजी कार्रवाई और आगे की जांच कर रही है।

कोर्ट ने एक दिन की मासिक छुट्टी अनिवार्य करने के सरकार के आदेश पर रोक लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार की 20 नवंबर की अधिसूचना पर रोक लगा दी है, जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठानों को 18 से 52 वर्ष की आयु की महिला कर्मचारियों को उनके मासिक धर्म के दौरान प्रति माह एक दिन की अतिरिक्त छुट्टी देने का आदेश दिया गया था। न्यायमूर्ति ज्योति एम. ने बेंगलूरु होटल्स एसोसिएशन और अविराता एएफएल कनेक्टिविटी सिस्टम्स लिमिटेड, बेंगलूरु द्वारा दायर दो अलग-अलग याचिकाओं पर मंगलवार को अंतरिम आदेश पारित किया। प्राथमिक आधार जिस पर याचिकाकर्ताओं ने अधिसूचना की वैधता को चुनौती दी है, वह यह था कि मासिक धर्म चक्र के दौरान छुट्टी देने के लिए संबंधित कानूनों में कोई प्रावधान मौजूद नहीं है और इसलिए सरकार के पास एक अधिसूचना के माध्यम से विभिन्न श्रम कानूनों के तहत पंजीकृत विभिन्न प्रतिष्ठानों में अतिरिक्त छुट्टी शुरू करने की कोई शक्ति नहीं है। न्यायालय को यह भी बताया गया कि सरकार ने मासिक धर्म अवकाश नीति 2025 के माध्यम से अतिरिक्त छुट्टी शुरू करने से पहले याचिकाकर्ताओं या इसी तरह के प्रतिष्ठानों के साथ परामर्श नहीं किया था। अधिसूचना में कहा गया है कि महिला कर्मचारियों को एक महीने की मासिक धर्म छुट्टी का उपयोग संबंधित महीने में ही करना चाहिए और पिछले महीने की छुट्टी को अगले महीने तक बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मर्यादा बची हो तो केंद्र सरकार के खिलाफ भाजपा करे विरोध प्रदर्शन: शिवकुमार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पलटवार करते हुए कहा कि अगर भाजपाइयों में गरिमा है तो वे केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करें। इसके अलावा राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने में कोई नैतिकता नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया कि जब से भाजपा सत्ता में आई है, कर्नाटक के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार पर गन्ना और मक्का सहित कृषि उत्पादों की कीमतें गिरने पर किसानों की मदद नहीं करने का आरोप लगाया। इथेनॉल खरीद क्षमता का विस्तार करने के बावजूद केंद्र सरकार जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि किसी भी प्रोजेक्ट को उचित फंडिंग नहीं दी जा रही है। केंद्र सरकार ने महादयी नदी पर कलसा बंदूरी के पास बांध बनाने की अनुमति देने का मन नहीं बनाया है। कावेरी नदी पर मेकेदातु संतुलित बांध बनाने के लिए अदालत में हमारी लंबे समय से चली आ रही लड़ाई को अनुमति मिल गई। एचडी कुमारस्वामी कहा करते थे कि अगर वे सांसद बने तो एक दिन के अंदर मेकेदातु के निर्माण की अनुमति दे देंगे। लेकिन अभी तक कोई अनुमति नहीं मिली है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में घोषणा की थी कि वह भद्रा अपर बैंक प्रोजेक्ट के लिए 5,400 करोड़ रुपये देंगी। उन्होंने शिकायत की कि अब तक एक रुपया भी जारी नहीं किया गया है। हमारी सरकार ने प्रभावित किसानों को 76 हजार करोड़ रुपये देने का वादा किया है। कृष्णा परियोजना के तीसरे चरण को लागू करने के लिए ट्रिब्यूनल के फैसले की अधिसूचना जारी की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। भाजपा के राज्य सांसदों ने एक भी दिन न तो संसद में और न ही केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के सामने कुछ बोला है। वे किस गरिमा के साथ यहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com